आज का विचार

हर व्यक्ति के जीवन में कुछ कमी जरूर रह जाती है ताकि वह यह समझ सके कि दुनिया मनुष्य नहीं ईश्वर चलाता है।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-42 अंक-232 ■ पृष्ठ-8+4 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

घर के बाहर खड़ी बाइक ले गए चोर

अम्बिकापुर, सोमवार 16 जून, 2025

टेस्ट क्रिकेट: रविंद्र जडेजा का इंग्लैंड के खिलाफ कैसा रहा है प्रदर्शन? जानिए आंकड़े

श्रमिक परिवारों के सशक्तिकरण और उत्थान के लिए समर्पित है हमारी सरकार : मुख्यमंत्री साय

00 मुख्यमंत्री के हाथों 31 मेधावी श्रमिक बच्चों को मिली 2-2 लाख की प्रोत्साहन राशि
00 मुख्यमंत्री ने 38 हजार श्रमिकों के खातों में ऑनलाइन अंतरित किए 19.71 करोड़ की सहायता राशि

रायपुर। हम श्रमिक परिवारों के सशक्तिकरण और उत्थान के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं। आपका स्नेह और सहयोग ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है और हम सब मिलकर एक विकसित, समृद्ध और सशक्त छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करेंगे।" मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के न्यू सर्किट हाउस में आयोजित मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के तहत कक्षा दसवीं और बारहवीं के टॉप 10 में स्थान पाने वाले पंजीकृत श्रमिकों के 31 मेधावी बच्चों को दो-दो लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि का वितरण कर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत राज्य के 38 हजार 200 निर्माण श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं के तहत 19.71 करोड़ रूपए से ज्यादा की सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की।

मुख्यमंत्री ने 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम हासिल करने वाले श्रमवीरों के मेधावी बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारी सरकार श्रमिक परिवारों की आवश्यकताओं को भली-भांति समझती है और उनके समग्र कल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आज श्रमिक परिवार का बच्चा विदेश जाकर पढ़?ा चाहे तो उसके लिए भी 50 लाख रुपए तक की सहायता का प्रावधान श्रम विभाग द्वारा किया गया है। श्री साय ने कहा कि हम नवाचार के साथ कदमताल करते हुए ऐसी नीतियां बना रहे हैं, जिनसे प्रदेश के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार मिले। प्रदेश की आकर्षक उद्योग नीति का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि अब तक 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव राज्य सरकार को प्राप्त हो चुके हैं, जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

श्री साय ने श्रम मंत्रालय में केंद्रीय राज्यमंत्री के रूप में अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि श्रमिकों से मेरा विशेष लगाव है और श्रमिकों के हित में कार्य करना हमेशा संतुष्टि देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रथम कार्यकाल में दो वर्षों तक श्रम मंत्रालय की जिम्मेदारी मिली थी और उनके नेतृत्व में श्रम राज्यमंत्री के रूप में श्रमिकों के पेंशन सुधार की दिशा में हमने कई ऐतिहासिक कदम उठाए और न्यूनतम पेंशन की राशि सुनिश्चित की। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री श्रमिकों को लेकर संवेदनशील है और उनके निर्देश पर ही श्रमिकों के प्रोविडेंट फंड में वर्षों से पड़ी लगभग 27 हजार करोड़ रुपए की अन्क्लेम्ड राशि का उपयोग उनके हित में करने का बड़ा निर्णय भी इस दौरान हमने लिया था। राज्यमंत्री के रूप में यूनिवर्सल पीएफ नंबर की शुरूआत हमारी सरकार ने की, जिससे श्रमिकों द्वारा बार-बार पीएफ राशि क्लेम करने की समस्या दूर हुई।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर सभी से आग्रह करते हुए कहा कि श्रम विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी अन्य जरूरतमंदों तक अवश्य पहुंचाएं, ताकि अधिक से अधिक श्रमिक इनका लाभ उठा सकें। उन्होंने श्रमिकों के लिए गर्म और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के साथ ही प्रदेश में संचालित अन्य कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा की।

उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश चहुंमुखी विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि इन डेढ़ वर्षों में "मोदी की गारंटी" के तहत सभी वादों को पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि आज विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 38 हजार 2 सौ श्रमिकों को 19.71 करोड़ रुपये एवं प्रवीण्य सूची में चयनित 31 विद्यार्थियों को 62 लाख रुपये की राशि प्रदान की जा रही है। श्री देवांगन ने बताया कि शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना के तहत 17 जिलों के 46 केन्द्रों में श्रमिकों को 5 रुपये में भरपेट भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है और भविष्य में इसे सभी उद्योग प्रधान जिलों में लागू किया जाएगा। इसके साथ ही श्रमिकों के बच्चों के लिए निःशुल्क कोचिंग सुविधा प्रारंभ करने की जानकारी भी दी।

श्रम मंत्री ने कहा कि नई उद्योग नीति के तहत उद्योगों की स्थापना के लिए नियमों को सरल बनाया गया है , जिससे निवेश बढ़ा है एवं युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. राम प्रताप सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संकल्प के साथ प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। मण्डल के माध्यम से प्रदेश में 31 जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनमें नोनी सशक्तिकरण, महतारी जतन, श्रमिक सियान सहायता जैसी योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मण्डल प्रदेश के 29.47 लाख पंजीकृत श्रमिकों और उनके परिजनों को स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रहा है। श्रमिक अपना पंजीकरण श्रमेव जयते ऐप, लोक सेवा केन्द्र या श्रम कार्यालय में करवा सकते हैं।

नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना ने बदली मजदूर परिवार के बच्चों की जिंदगी

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सामने मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना से लाभान्वित बच्चों ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए आभार व्यक्त किया। सभी बच्चों ने कहा कि वे मजदूर और गरीब परिवारों से हैं, लेकिन इस योजना ने उन्हें पढ़ाई का अवसर दिया। यह योजना श्रमिक परिवारों के सपनों को नई उड़ान दे रही है। सूरजपुर जिले के भैयाथान के हीरा सिंह ने बताया कि आईआईआईटी से बी टेक की पढ़ाई पूरी कर अब जूनियर डेटा साइंस डेवलपर बन चुके हैं। इस योजना से उन्हें 4.10 लाख रुपए की सहायता मिली, जिससे उनकी पढ़ाई पूरी हो पाई थी। इसी तरह बी.टेक अंतिम वर्ष के छात्र अमलेंद्र पैंकरा ने बताया कि उनका परिवार मजदूरी कर जीवन यापन करता है और इस योजना की मदद से कॉलेज की फीस भर पा रहे हैं। एक अन्य छात्र दीपक पैंकरा ने सूरजपुर के छोटे से गांव से आईआईआईटी, रायपुर में एडमिशन तक के अपने संघर्ष भरे सफर को साझा किया। दीपक ने बताया कि योजना के माध्यम से अपने बीटेक की पढ़ाई की फीस भर रहे हैं और योजना से उन्हें लगभग 4 लाख रुपए की सहायता प्राप्त हो चुकी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी श्रमवीरों के बच्चों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

योजनाओं और उनके लाभार्थियों की संख्या और राशि का विवरण इस प्रकार है

मिनीमाता महतारी जतन योजना अंतर्गत 1,915 श्रमिकों को 3.83 करोड़ रूपए, मुख्यमंत्री सायकल सहायता योजना अंतर्गत 279 श्रमिकों को 10.33 लाख रूपए, मुख्यमंत्री श्रमिक औजार सहायता योजना अंतर्गत 6,319 श्रमिकों को 2.19 करोड रूपए, मुख्यमंत्री सिलाई मशीन सहायता योजना अंतर्गत 12 श्रमिकों को 94 हजार 800 रूपए, मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत 4,825 श्रमिकों को 96.17 लाख रूपए, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना अंतर्गत 155 श्रमिक परिवार को 37.63 लाख रूपए, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक दीघार्यु सहायता योजना अंतर्गत 2 श्रमिकों को 40 हजार रूपए, मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना अंतर्गत 4,939 श्रमिकों को 74.08 लाख रूपए, निर्माण श्रमिकों के बच्चे हेतु उत्कृष्ट खेल प्रोत्साहन योजना अंतर्गत 1 श्रमिक को 50 हजार रूपए, दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना अंतर्गत 7 श्रमिकों को 7 लाख रूपए, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना अंतर्गत 264 श्रमिकों को 2.64 करोड रूपए, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना अंतर्गत 2,486 श्रमिकों को 4.97 करोड़ रूपए, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना अंतर्गत 372 श्रमिकों को 74.40 लाख रूपए, निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु निशुल्क गणवेश एवं पुस्तक कॉपी हेतु सहायता राशि योजना अंतर्गत 15,066 श्रमिकों को 2.00 करोड़ रूपए, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना अंतर्गत 25 श्रमिकों को 25 लाख रूपए प्रदाय किए गए। यह पहल राज्य के निर्माण श्रमिकों और उनके परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करने और उनके जीवन स्तर में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस अवसर पर श्रम विभाग की संयुक्त सचिव डॉ. फरिहा आलम, प्रभारी श्रम आयुक्त श्री एस एल जांगड़े सहित श्रम विभाग के अधिकारी कर्मचारी और श्रमिक परिवारजन मौजूद रहे।

कुछ अलग

दिल्ली के सफदरजंग एन्क्लेव में गिरा 100 फीट लंबा मोबाइल टावर, बड़ा हादसा टला

नई दिल्ली,15 जून (ए)। राजधानी दिल्ली के सबसे पॉश इलाकों में से एक सफदरजंग एन्क्लेव के बी-2 ब्लॉक में रविवार तड़के तेज आंधी के चलते लगभग 100 फीट लंबा मोबाइल टावर गिर गया. हादसा करीब 4 बजे बजे हुआ, जब अधिकतर लोग अपने घरों में थे. गनीमत रही कि हादसे के वक्त सड़क पर कोई मौजूद नहीं था, वरना बड़ा नुकसान हो सकता था. स्थानीय लोगों ने कहा कि यह टावर बिना उनकी अनुमति के लगाया गया था. शुरूआत में उन्हें बताया गया कि स्ट्रीट लाइट लगाई जा रही है, लेकिन बाद में यहां मोबाइल टावर स्थापित कर दिया गया. टावर गिरने से इलाके में कई पेड़ और बिजली की तार क्षतिग्रस्त हो गई. यह टावर न लगे इसके लिए हमने विरोध भी जताया था, लेकिन हमें हटाने के लिए महिला पुलिस बुला ली गई. उन्होंने कहा कि अगर यह पोल दिन के समय गिरा होता तो बड़ी दुर्घटना हो सकती थी. उन्होंने कहा कि सुबह 9 बजे तक भी कोई अधिकारी या कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा, न ही टावर को हटाने की कोई कोशिश की गई. घटना की जानकारी मिलते ही मालवीय नगर से आम आदमी पार्टी नेता सोमनाथ भारती मौके पर पहुंचे. उन्होंने बीजेपी सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली में सभी विभाग भाजपा के अधीन हैं, फिर भी ऐसे हादसे हो रहे हैं. स्थानीय लोगों ने टावर न लगने देने की काफी कोशिश की. बावजूद इसके यह टावर लगाया गया, जो लापरवाही का बड़ा उदाहरण है.

खरी-खरी

केदारनाथ धाम के पास हुआ बड़ा हादसा, 7 लोगों ने गंवाई जान

0 उत्तराखंड में केदानाथ धाम के पास हेलीकॉप्टर क्रैश
0 हादसे में अब तक सात लोगों ने गंवाई जान

उत्तराखंड अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद अब उत्तराखंड में केदानाथ धाम के पास हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया है। इस हादसे में सात लोगों ने अपनी जान गंवा दी है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि केदारनाथ से यात्रियों को लेकर लौट रहा एक हेलीकॉप्टर उत्तराखंड के गौरीकुंड क्षेत्र में लापता हो गया। इस हादसे के बाद एनडीआरएफ व एसडीआरएफ टीम घटनास्थल के लिए रवाना हो गई है। उत्तराखंड के एडीजी कानून एवं व्यवस्था डॉ. वी मुरुगेशन ने पहले बताया था कि हेलीकॉप्टर त्रिजुगीनारायण और गौरीकुंड के बीच लापता हो गया था। शुरूआती रिपोर्ट्स से पता चला है कि तकनीकी खराबी की वजह से फ्लाइट कंट्रोल जाम हो गया था। यह भी बताया जा रहा है कि लैंडिंग के दौरान हेलीकॉप्टर का रोटर ब्लेड टूट गया और पास में खड़ी एक कार से जा टकराया।

पायलट ने भी गंवाई जान

हेलीकाप्टर ने गुप्तकाशी से केदारनाथ के लिए सुबह सवा पांच बजे उड़ान भरी थी। केदारनाथ धाम में यात्रियों को उतारने के बाद वहां से अन्य यात्रियों को लेकर लौट रहा था। बताया जा रहा है कि हादसे में पायलट ने भी जान गंवाई है।

इस यात्रा सीजन में केदारघाटी में यह तीसरी घटना है। इससे पहले दो बार हैलीकॉप्टर की आपात लैंडिंग करानी पड़ी थी। बदरीनाथ और गंगोत्री में भी इस सीजन में दो दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। इस घटना से लोगों में दहशत फैल गई है, जबकि अधिकारियों ने खराबी के सटीक कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

कोंडागांव जिले में 307.96 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा 11.38 किमी लंबा 4-लेन केशकाल बाईपास

00 डबल इंजन सरकार में तेजी से हो रहा है बस्तर का विकासः मुख्यमंत्री श्री साय
00 छत्तीसगढ़ में आवागमन होगा और सुगमः बस्तर अंचल को मिला बड़ा तोहफा
00 केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने ट्वीट कर दी जानकारी, मुख्यमंत्री ने आभार प्रकट करते हुए बस्तर के विकास के लिए बताया निर्णायक कदम

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी द्वारा 307.96 करोड़ रुपए की लागत से पेव्ड शोल्डर मानक के साथ 4 लेन में केशकाल बाईपास निर्माण की स्वीकृति प्रदान करने पर प्रदेशवासियों विशेषकर बस्तर अंचल की जनता की ओर से हार्दिक आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि यह बाईपास केशकाल घाट खंड में यातायात बाधाओं को दूर कर सुगम, सुरक्षित व निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार में तेजी से बस्तर अंचल का विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह स्वीकृति केंद्र और राज्य सरकार की समन्वित विकास नीति का परिणाम है, जो बस्तर जैसे जनजातीय अंचल को मुख्यधारा से जोड ? की दिशा में एक और ठोस कदम है। इस ऐतिहासिक स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी की दूरदृष्टि और पहल के लिए आभार जताते हुए इसे बस्तर के विकास के लिए निर्णायक कदम बताया है।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने ट्वीट कर जानकारी दी है कि छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-43 (नया ह॥-30) पर केशकाल घाट खंड को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए 307.96 करोड़ रुपए की लागत से 11.380 किलोमीटर लंबा 4-लेन बाईपास निर्माण अपग्रेड की स्वीकृति दी गई है। यह बाईपास पेव्ड शोल्डर मानक के अनुरूप होगा और इसके बनने से बस्तर अंचल में कनेक्टिविटी को नया आयाम मिलेगा। यह परियोजना विशेष रूप से केशकाल घाट के कठिन भौगोलिक खंड को पार करने में सहूलियत प्रदान करेगी। बाईपास के निर्माण से न केवल वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होगा, बल्कि वाहन चालकों को तेज, सुगम और निर्बाध यात्रा का अनुभव भी मिलेगा। बाईपास निर्माण से शहरी क्षेत्रों में यातायात का दबाव कम होगा, जिससे स्थानीय नागरिकों को जाम और दुर्घटना की समस्या से राहत मिलेगी। इसके साथ ही प्रदूषण के स्तर में भी गिरावट आएगी, जिससे पर्यावरणीय संतुलन को भी बढ़ावा मिलेगा।

पुणे में इंद्रायणी नदी पर बना पुल ढहने से करीब 20 पर्यटक बहे, दो की मौत

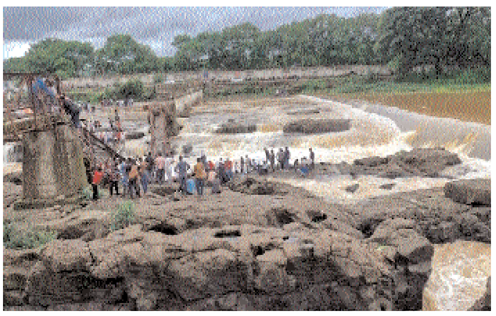

पुणे। पुणे के कुंडमाला में रविवार दोपहर इंद्रायणी नदी पर बना लोहे का पुल ढह गया। हादसे के समय पुल पर कई पर्यटक मौजूद थे, जिससे कुछ के डूबने की आशंका है। रेस्क्यू टीम ने अब तक तीन लोगों को सुरक्षित निकाल लिया है। एनडीआरएफ की टीमें मौके पर राहत-बचाव कार्य में जुटी हैं। इस क्षेत्र में मानसून के दौरान लोग घूमने के लिए आते हैं।

पुलिस ने जानकारी दी कि महाराष्ट्र के पूणे जिले में इंद्रायणी नदी पर लोहे का पुल बना था। वह रविवार की दोपहर को ढह गया। उस पर १५ से २० पर्यटक मौजूद थे, जो कि नदी में बह गए हैं। एनडीआरएफ की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन कर रही, जिसमें तीन लोगों को नदी से बाहर सुरक्षित निकाल लिया है।

डीसीपी ने कहा- दो लोगों की हुई मौत

डीसीपी विशाल गायकवाड़ (जोन २, पिंपरी चिंचवाड़) ने बताया कि इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है। हादसा दोपहर ३ बजकर ३० मिनट व ४ बजकर ३० मिनट के बीच में हुआ। झरने पर बने लोहे के पुल पर लोग खड़े होकर सेल्फी ले रहे थे। इसी दौरान वह ढह गया। ६ से ७ लोगों को रेस्क्यू कर अस्पताल में भेजा गया है।

स्थानीय विधायक ने की पर्यटकों की मौत की पुष्टि

स्थानीय विधायक सुनील शेलके ने अब तक ६ लोगों की मौत की पुष्टि की है, जिसमें कुछ बच्चे भी शामिल हैं। पुणे में बारिश अधिक होने की वजह से यहां का मौसम अच्छा हो गया था। वीकेंड पर लोग घूमने के लिए आए थे। इस दौरान कई लोग नदी के तेज बहाव को देखने के लिए खड़े थे।

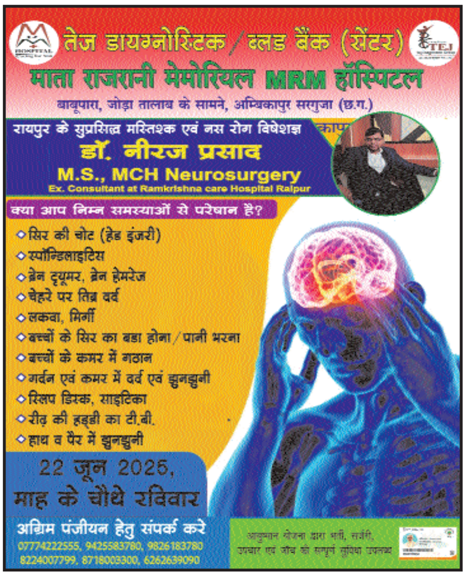

पहला कालम

मदर मेरी अस्पताल का लाइसेंस रद्द कर किया गया सील

कांकेर। जिला मुख्यालय में स्थित मदर मेरी अस्पताल का लाइसेंस रद्द कर सील कर दिया गया । सप्ताह भर पहले यहां प्रसव के बाद महिला की मौत हो गई थी। जांच में पाया गया था कि साल 2019 के बाद से ही अस्पताल का लाइसेंस रिनीवल नहीं कराया गया है । शिकायत कांकेर पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल से भी की गई थी । स्वास्थ्य विभाग ने जांच करने के बाद गुरूवार रात्री 8 बजे अस्पताल को सील कर दिया गया ।

गौरतलब है कि जिले की गर्भवती महिला किरण टांडिया निवासी तालाकुर्रा को प्रसव पीड़ा उठने पर अलबेलापारा एमसीएच अस्पताल में 31 मई को भर्ती कराया गया।गर्भवती महिला व उसके बच्चे को खतरा बताकर वहां से बाहर रेफर कर दिया। परिजन उसे हायर सेंटर ले जाने के बजाए मदर मैरी अस्पताल ले आए । धमतरी से पहुंची महिला चिकित्सक ने गर्भवती महिला का आपरेशन कर प्रसव कराया था । महिला की तबीयत लगातार बिगड़ती गई और 9 जून की रात उसकी मौत हो गई, बच्चा स्वस्थ्य है। महिला के पति चंद्रकांत टांडिया ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते जांच व कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने कमेटी बना जांच की। पाया गया कि मदर मैरी अस्पताल नर्सिंग होम एक्ट का पालन नहीं कर रहा है। कांकेंर सीएचएमओ ने आदेश जारी कर मदर मैरी अस्पताल का लाइसेंस रद्द करने के साथ ही अस्पताल को सील कर दिया गया।

मदर मेरी अस्पताल का लाइसेंस रद्द कर किया गया सील

कांकेर। जिला मुख्यालय में स्थित मदर मेरी अस्पताल का लाइसेंस रद्द कर सील कर दिया गया । सप्ताह भर पहले यहां प्रसव के बाद महिला की मौत हो गई थी। जांच में पाया गया था कि साल 2019 के बाद से ही अस्पताल का लाइसेंस रिनीवल नहीं कराया गया है । शिकायत कांकेर पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल से भी की गई थी । स्वास्थ्य विभाग ने जांच करने के बाद गुरूवार रात्री 8 बजे अस्पताल को सील कर दिया गया ।

गौरतलब है कि जिले की गर्भवती महिला किरण टांडिया निवासी तालाकुर्रा को प्रसव पीड़ा उठने पर अलबेलापारा एमसीएच अस्पताल में 31 मई को भर्ती कराया गया।गर्भवती महिला व उसके बच्चे को खतरा बताकर वहां से बाहर रेफर कर दिया। परिजन उसे हायर सेंटर ले जाने के बजाए मदर मैरी अस्पताल ले आए । धमतरी से पहुंची महिला चिकित्सक ने गर्भवती महिला का आपरेशन कर प्रसव कराया था । महिला की तबीयत लगातार बिगड़ती गई और 9 जून की रात उसकी मौत हो गई, बच्चा स्वस्थ्य है। महिला के पति चंद्रकांत टांडिया ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते जांच व कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने कमेटी बना जांच की। पाया गया कि मदर मैरी अस्पताल नर्सिंग होम एक्ट का पालन नहीं कर रहा है। कांकेंर सीएचएमओ ने आदेश जारी कर मदर मैरी अस्पताल का लाइसेंस रद्द करने के साथ ही अस्पताल को सील कर दिया गया।

जनता को मूलभूत सुविधाएं समय पर गुणवत्ता के साथ उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता - उसेंडी

कोंडागांव। जिले की विधायक सुश्री लता उसेंडी ने शुक्रवार को सुबह 8:30 बजे नगर के विभिन्न वार्डो का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वार्डवासियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा क्षेत्र में जारी विकास एवं निर्माण कार्यो की स्थिति की जानकारी ली। इस निरीक्षण अभियान के तहत उन्होंने सड़क, नाली, पेयजल व्यवस्था और सफाई जैसे मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यो की समीक्षा की। सुश्री उसेंडी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यो में गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए और समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण हों। निरीक्षण के दौरान सुश्री लता उसेंडी बंधा तालाब उद्यान भी पहुंचीं, जहां उन्होंने उद्यान में चल रहे सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्यो का जायजा लिया। उन्होंने कार्य की गति और गुणवत्ता की समीक्षा करते हुए स्थानीय अधिकारियों से निरंतर निगरानी रखने कहा है। विधायक सुश्री लता उसेंडी ने कहा कि जनता को मूलभूत सुविधाएं समय पर और अच्छी गुणवत्ता के साथ उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। इस दौरान पर नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, उपाध्यक्ष जसकेतु उसेंडी, सीएमओ दिनेश डे, अन्य जनप्रतिनिधि, पार्षदगण एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

चलो जीत की चाल कैंपेन शुरू

बिलासपुर। भारत की रियल-मनी गेमिंग दुनिया में अब मजा और देसी तड़का दोनों आ गया है। हाइक के स्किल-बेस्ड कैजुअल गेमिंग प्लेट$फॉर्म रश ने अपना पहला ब्रांड कैंपेन चलो जीत की चाल लॉन्च किया है, जिसमें मशहूर अभिनेता और कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक नजर आ रहे हैं। यह कैंपेन ह्यूमर, मेहनत और रोजमर्रा की जुगाड़ से भरपूर है, और उन तेज-दिमाग और फुतीर्ले खिलाडि?ों को सेलिब्रेट करता है जो भारत में जिंदगी की चुनौतियों को गेम-जैसी जीत में बदल देते हैं। चलो जीत की चाल का मकसद है रोजमर्रा के उन चैंपियनों का जश्न मनाना, जो जिंदगी की उलझनों को हुनर, मेहनत और दिल से सुलझाते हैं, और हर चुनौती को जीत के मौके में बदल देते हैं।

बैडमिंटन खेलते समय घायल हुए विधायक यादव

दुर्ग। दुर्ग शहर विधायक गजेंद्र यादव बैडमिंटन खेलते समय घायल हो गए, उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज जारी है और वे डॉक्टरों की निगरानी में हैं। विधायक गजेंद्र यादव के अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी लगते ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं दुर्ग के पूर्व विधायक अरुण वोरा तत्काल अस्पताल पहुंचे और यादव का हालचाल जाना। उन्होंने डॉक्टरों से उपचार की जानकारी ली और यादव के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

ईरान के खिलाफ इसराइल के हमलों का असल मकसद क्या वहां सत्ता परिवर्तन है

नई दिल्ली।
शुक्रवार को इसराइल ने ईरान के खिलाफ यह कहते हुए बड़े हमलों को अंजाम दिया कि ईरान की परमाणु क्षमता से उसके और दुनिया के लिए अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है.लेकिन इसराइली प्रधानमंत्री बिन्यामिन नेतन्याहू का इसके पीछे एक और बड़ा मकसद हो सकता है, वो है ईरान में सरकार बदलना.इस परिदृश्य में, नेतन्याहू ये उम्मीद कर सकते हैं कि उनके इन हमलों से प्रतिक्रिया की एक श्रृंखला शुरू हो जाएगी, जिससे अशांति पैदा होगी और ईरान में सरकार का पतन हो जाएगा.शुक्रवार शाम एक बयान में नेतन्याहू ने कहा कि "ईरान के लोगों के लिए समय आ गया है कि वो अपने झंडे (प्रतीक) और ऐतिहासिक विरासत को लेकर एकजुट हों, ताकि जालिम और दमनकारी शासन से अपनी आजादी पाने के लिए खड़े हो सकें.ईरान में कई लोग देश में अर्थव्यवस्था की स्थिति, अभिव्यक्ति की आजादी की कमी, महिला अधिकारों और अल्पसंख्यकों के अधिकारों को लेकर नाराज हैं.इसराइल के हमले ईरान के नेतृत्व के लिए एक वास्तविक खतरा पैदा कर रहे हैं.
इन हमलों में ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के कमांडर, ईरानी सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ और आईआरजीसी के कई आला अधिकारी मारे गए हैं.इसराइल के हमलों के जवाब में ईरान ने भी हमले किए. आईआरजीसी ने कहा कि उसने इसराइल में "दर्जनों ठिकानों, सैन्य अड्डों और एयरबेस" पर हमले किए हैं.लेकिन जवाबी हमलों के बाद हालात तेजी से बिगड़े और ईरान की कार्रवाई के जवाब में नेतन्याहू ने कहा, "अभी और भी हमले होने वाले हैं.माना जा रहा है कि ईरान के और नेताओं को भी निशाना बनाया जा सकता है.इसराइल को शायद ये लग रहा होगा कि ये हमले और हत्याएं ईरान में शासन को अस्थिर कर सकती हैं और वहां विद्रोह के लिए राह बना सकती हैं. कम से कम नेतन्याहू तो यही उम्मीद कर रहे होंगे.इस बात का कोई सबूत नहीं है कि ऐसी कोई श्रृंखलाबद्ध प्रतिक्रिया शुरू होगी, लेकिन यदि यह शुरू भी हो जाए, तो यह स्पष्ट नहीं है कि ऐसी प्रक्रिया कहां तक पहुंचेगी.ईरान में सबसे ज्यादा ताकत उन लोगों के पास है जो सशस्त्र बलों और अर्थव्यवस्था को नियंत्रित करते हैं. इसका ज्यादातर हिस्सा आईआरजीसी और कुछ अन्य अनिर्वाचित निकायों में कट्टरपंथियों के हाथों में है.उन्हें तख़्तापलट करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि वो पहले से ही सत्ता में हैं और वो ईरान को अधिक टकराव की तरफ ले जा सकते हैं.एक और चीज ये हो सकती है कि ईरान में शासन का पतन हो जाए और उसके बाद अराजकता की स्थिति हो जाए.लगभग ९ करोड़ लोगों की आबादी वाले ईरान में होने वाली घटनाओं का व्यापक असर पूरे मध्य पूर्व पर पड़ेगा.ऐसा लगता है कि इसराइल चाहता है कि ईरान में एक विद्रोह हो और उसके बाद सत्ता ऐसी सरकार के हाथों में रहे जो उसके प्रति दोस्ताना रवैया रखे. लेकिन यहां एक बड़ा सवाल ये है कि विकल्प कौन हो सकता है?हाल के सालों में देखा गया है कि ईरान में विपक्षी ताकतें काफी बंटी हुई है और यहां नेतृत्व को लेकर कोई स्पष्ट विकल्प नहीं है.२०२२ में हुआ विद्रोह जिसे "वूमन लाइफ फ्रीडम" आंदोलन के नाम से जाना जाता है, तेजी से पूरे ईरान में फैल गया था. इसके बाद कुछ विपक्षी समूहों ने अलग-अलग इस्लाम विरोधी गणतांत्रिक गुटों और कार्यकताओं को साथ लेकर गठबंधन बनाने की कोशिश की थी.लेकिन गठबंधन का नेतृत्व कौन करेगा और सत्ता का तख़्तापलट होने के बाद नई सत्ता की रूपरेखा क्या होगी, इन मुद्दों को लेकर नजरियों में मतभेद के कारण ये गठबंधन अधिक दिनों तक टिक नहीं सका.इसराइल, ईरान में कुछ गुटों या लोगों को अपने पसंदीदा विकल्प के रूप में देख सकता है. जैसे- ईरान के पूर्व शाह के बेटे और पूर्व क्राउन प्रिंस रजा पहलवी. पूर्व शाह की सरकार को १९७९ की इस्लामी क्रांति ने गिरा दिया था.मौजूदा वक़्त में वो निर्वासन में जीवन बिता रहे हैं और विदेशी घटकों को अपने समर्थन में लाने की कोशिश कर रहे हैं. हाल के वक़्त में उन्होंने इसराइल का दौरा भी किया था.ईरान के कुछ लोगों के बीच उनकी लोकप्रियता अभी भी है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि क्या इसे वो इतनी बड़ी ताकत में तब्दील कर सकेंगे कि देश में सत्ता परिवर्तन को अंजाम दे सकें.इसके अलावा मुजाहिद्दीन-ए-ख्लाक (एमईके) नाम का एक विपक्षी समूह भी है, जो मौजूदा वक़्त में निर्वासन में है. ये समूह ईरान में इस्लामी सत्ता का तख़्तापलट करने के पक्ष में है लेकिन राजशाही की तरफ जाने का समर्थन नहीं करता.वामपंथी मुस्लिम समूह के तौर पर बनाया गया ये समूह इससे पहले शाह का कट्टर विरोधी था.इस्लामी क्रांति के बाद, एमईके नाम का ये समूह इराक चला गया और १९८० के दशक की शुरूआत में ईरान के खिलाफ युद्ध के दौरान इराक के शासक सद्दाम हुसैन के साथ शामिल हो गया. इस कारण ये समूह ईरान के कई लोगों के बीच अलोकप्रिय हो गया.लेकिन ये समूह अभी भी सक्रिय है. इस समूह से जुड़े लोगों के कुछ मित्र अमेरिका में हैं, जिनमें से कुछ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खेमे के करीबी माने जाते हैं.हालांकि, ट्रंप के पहले कार्यकाल की तुलना में इसका प्रभाव व्हाइट हाउस पर कम ही दिखता है. ट्रंप के पहले कार्यकाल में माइक पोम्पिओ, जॉन बोल्टन और रूडी गुलिआनी जैसे कई वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी एमईके की बैठकों में देखे गए थे और उन्होंने इसके समर्थन में भाषण भी दिए थे.इसके अलावा अन्य राजनीतिक ताकतें भी हैं, जिनमें ईरान में सेक्युलर लोकतंत्र की स्थापना चाहने वाले और संसदीय राजतंत्र की मांग करने वाले शामिल हैं.शुक्रवार को हुए इसराइल के हमलों के असर का पूरा विश्लेषण करना अभी जल्दबाजी होगी. लेकिन पिछले साल जब ईरान और इसराइल के बीच संघर्ष हुआ था, उस दौरान इस बात के कोई मजबूत संकेत नहीं मिले कि ईरान के लोग उस वक़्त की स्थिति को तख़्तापलट के मौके के रूप में देख रहे थे.हालांकि, उस वक़्त जो हुआ वो शुक्रवार के हमले में हुए नुकसान के स्तर के करीब भी नहीं था.इसराइल के इरादों की बात करते हुए यह जरूरी है कि हम ये पूछें कि अब ईरान का आखिरी लक्ष्य क्या है?इसराइल के कई ठिकानों को निशाना बनाने के बावजूद, ईरान के पास बहुत अच्छे विकल्प नहीं दिख रहे.कुछ लोगों को सबसे सुरक्षित तरीका ये लग सकता है कि ईरान अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखे और तनाव कम करने की कोशिश करे.लेकिन ट्रंप की मांग के अनुसार अगर बातचीत जारी रखनी है (ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर बातचीत) तो ये ईरान के नेताओं के लिए एक कठिन विकल्प है, क्योंकि इसका मतलब होगा कि उन्होंने हार स्वीकार कर ली.एक अन्य विकल्प इसराइल के खिलाफ जवाबी हमले जारी रखना है. ईरान का सबसे पसंदीदा विकल्प यही लगता है.ईरान के नेताओं ने अपने समर्थकों से यही वादा भी किया है. लेकिन अगर वो हमले जारी रखता है तो भी वो इसराइल की तरफ से और हमलों को न्योता दे सकता है.ईरान ने इससे पहले क्षेत्र में बने अमेरिकी ठिकानों, दूतावासों और उनके हितों से जुड़े अन्य स्थानों को निशाना बनाने की धमकी दी है.लेकिन इस धमकी पर वो आसानी से काम नहीं कर सकता, क्योंकि अमेरिका पर हमला करने से अमेरिका सीधे तौर पर इसमें शामिल हो जाएगा और ईरान ये बिल्कुल भी नहीं चाहेगा.इसराइल और ईरान दोनों ही पक्षों के लिए कोई भी विकल्प आसान नहीं है और इसका नतीजा क्या होगा, इसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल है.लेकिन अभी तनाव खत्म नहीं हुआ है और धमाकों से उठी धूल अभी तक हवाओं में है. जब तक स्थिति शांत नहीं हो जाती, हमारे लिए ये जानना मुश्किल है कि क्या बदला और क्या नहीं.

ईरान में इन जगहों को इसराइल ने बनाया निशाना, इस्फहान शहर पर भी हमला

नई दिल्ली।
इसराइल और ईरान के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है. शुक्रवार रात को इसराइल के ईरान के परमाणु केंद्रों पर हमले के बाद इसकी जवाबी कार्रवाई में ईरान ने मिसाइलें दागी थीं.तब से ही दोनों देशों का एक-दूसरे के ऊपर हवाई हमला जारी है. शनिवार रात को भी इसराइल और ईरान ने एक-दूसरे पर हमले किए हैं.ईरान ने बताया है कि इसराइल ने उसके तेल ठिकानों पर कई हमले किए हैं और हालात नियंत्रण में हैं.वहीं इसराइल का कहना है कि ईरान ने तेल अवीव के नजदीक कुछ इमारतों को निशाना बनाया है जिसमें चार लोगों की मौत हुई है.इसराइल ने शुक्रवार रात से ईरान पर जो हमले किए हैं उसमें उसने उसके परमाणु केंद्रों को निशाना बनाने की बात की है. इन हमलों में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के प्रमुख समेत तीन शीर्ष सैन्य अफसरों की मौत हुई थी.इसराइल ने शनिवार की रात और रविवार की सुबह बताया है कि वो अभी भी ईरान में हमले कर रहा है.ईरान के तेल मंत्रालय ने कहा है कि शाहरान के तेल डिपो और तेहरान में एक फ़्यूल टैंक को इसराइली हमलों में निशाना बनाया गया है.इसके अलावा तेल मंत्रालय ने ये भी बताया है कि इसराइली हमलों में दक्षिण बुशेहर में तो बड़े गैस के कुओं को भी निशाना बनाया गया है.ईरानी मीडिया और इसराइली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के मुताबिक, उसने तेहरान में ईरान के रक्षा मंत्रालय को भी निशाना बनाया है और एक इमारत को नुकसान पहुंचाया है. साथ ही मंत्रालय के ऑगेर्नाइजेशन ऑफ डिफेंसिव इनोवेशन एंड रिसर्च को भी निशाना बनाने की बात कही गई है.आईडीएफ का दावा है कि इन ठिकानों को इसलिए निशाना बनाया गया है क्योंकि इनका ईरान के परमाणु हथियार परियोजनाओं से संबंध हैं.शनिवार रात को आईडीएफ ने कहा कि इसराइल ने पश्चिमी ईरान में एक अंडरग्राउंड जगह को भी निशाना बनाया गया है 'जहां पर जमीन से जमीन पर मार करने वाली और क्रूज मिसाइलों को रखा गया था.'इसराइल ने रविवार को ईरान के प्रमुख शहर इस्फहान पर भी हवाई हमले किए हैं.ईरान के मध्य में स्थित इस्फहान का कन्वर्जन प्लांट ईरान के परमाणु ढांचे का अहम हिस्सा है.इसके अलावा, ईरान के अन्य शहरों में स्थित यूरेनियम की खदानें और अन्य प्लांट भी इस ढांचे का हिस्सा हैं.इस्फहान के पास ईरान के कई बड़े सैन्य ढांचे भी हैं, जिनमें एक बड़ा एयरबेस और मिसाइल बनाने का कारखाना शामिल हैं.
अप्रैल २०२४ में भी इसराइल ने इस इलाके में एक एयरफील्ड पर हमला किया था और वहां मौजूद एयर डिफेंस सिस्टम को नुकसान पहुंचाया था.
ईरान का कहना है कि इस्फहान की ये सभी सुविधाएं सिर्फ शांतिपूर्ण कामों के लिए हैं. लेकिन इसराइल और कई पश्चिमी देशों को शक है कि ईरान इनका इस्तेमाल छिपकर परमाणु हथियार बनाने में कर रहा है.वहीं इसराइली इमरजेंसी सर्विस मेगन डेविड अडोम (एमडीए) का कहना है कि तेल अवीव के दक्षिण में स्थित बाट यम शहर में एक इमारत पर ईरानी हमले में चार लोगों की मौत हो गई और १०० से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं.
मारे गए लोगों में ६९ वर्षीय महिला, ८० वर्षीय महिला, १० साल का एक बच्चा और एक लड़की शामिल है.वहीं बीबीसी को एक वीडियो मिला है जिसमें ईरान के मिसाइल हमलों के बाद हैफा तेल रिफाइनरी के पास आग जलती देखी जा रही है.इसराइल ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े बुनियादी ढांचों को निशाना बनाने का दावा किया है.इसके अलावा, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने इसराइल को चेतावनी दी है कि अगर इसराइल ईरान पर अपने हमले जारी रखेगा, तो ईरान और भी तेजी से इसराइल पर हमले करेगा.

सारंगढ़ जिला शिक्षा अधिकारी निलंबित, रायगढ़ के जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपा गया अतिरिक्त प्रभार

सारंगढ़। छ0ग0 माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा आयोजित हायर सेकेण्डरी परीक्षा (01 मार्च से 28 मार्च 2025 तक) एवं हाईस्कूल की परीक्षा (03 मार्च से 24 मार्च 2025 तक) आयोजित की गई थी। जिले में स्थित परीक्षा केन्द्रों का सघन निरीक्षण करने एवं अनुचित साधन की रोकथाम तथा परीक्षा केन्द्रों में आवश्यक व्यवस्था बनाये रखने हेतु कलेक्टर जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ द्वारा जिला स्तरीय उड ? दस्ता दल गठित किया गया था। एल.पी पटेल, प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी जिला सांरगढ़ बिलाईगढ़ द्वारा कलेक्टर के बिना अनुमोदन/निर्देश प्राप्त किये बिना ही उड ?दस्ता दल में परिवर्तन / संशोधन किया गया। साथ ही इनके द्वारा तत्कालीन प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी, सारंगढ-बिलाईगढ को धमकी, अभद्रता एवं दुर्व्यहार (गाली-गलौज) एवं वेतन आहरण न करने तथा मानसिक रूप से प्रताड़ित करने की शिकायत के संबंध में कारण बातओ सूचना पत्र का जवाब नहीं दिया गया। उक्त संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी सांरगढ बिलाईगढ़ को कलेक्टर सांरगढ़ बिलाईगढ़ द्वारा कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था। श्री पटेल, के द्वारा प्रस्तुत प्रतिवाद संतोषप्रद नही पाया गया। श्री एल.पी पटेल, प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी, सारंगढ-बिलाईगढ़ का उक्त कृत्य छ0ग0 सिविल सेवा (आचरण) नियम-1965 के नियम-3 के विपरीत कदाचार की श्रेणी में आता है। अतएव, राज्य शासन, एतद्वारा, श्री एल.पी पटेल, प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी, सारंगढ-बिलाईगढ को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) 1966 के नियम-9 (1) (क) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए, इनका मुख्यालय कार्यालय संभागीय संयुक्त संचालक, शिक्षा संभाग बिलासपुर नियत किया जाता है। जिला शिक्षा अधिकारी रायगढ़ को जिला शिक्षा अधिकारी, सारंगढ-बिलाईगढ का अतिरिक्त प्रभार सौंपा जाता है। निलंबन अवधि में श्री पटेल को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

वाजिद अली शाहः अवध के नवाब से लेकर कलकत्ता में आखिरी 30 साल बिताने तक

नई दिल्ली।
क्या वो एक अय्याश शासक थे जिन्होंने अपनी पूरी जिंदगी शासन करने के बजाए विलासिता में बिता दी जैसा कि अंग्रेज बताते थे या फिर जैसा कि अधिकतर भारतीय मानते हैं कि वो एक बड़े शायर, संगीतज्ञ और कलाप्रेमी थे, अंग्रेजों ने ज्यादती करके उनकी गद्दी छीन ली और कलकत्ता जाने पर मजबूर कर दिया.सच्चाई शायद इन दोनों के बीच कहीं है, वाजिद अली शाह कलाकार और कला के कद्रदान जरूर थे लेकिन उनका व्यक्तित्व काफी जटिल था.३० जुलाई, १८२२ को जन्मे वाजिद अली शाह १३ फरवरी, १८४७ को अवध की गद्दी पर बैठे. उनकी आरंभिक शिक्षा घर पर ही हुई जहाँ उन्होंने दरबार में बोली जाने वाली फारसी और कुरान पढ़ने लायक अरबी सीखी.उनको बचपन से ही जमीन पर पैरों से ताल देने की आदत थी. मिर्जा अली अजहर अपनी किताब 'किंग वाजिद अली शाह ऑफ अवध' में लिखते हैं, "उनकी इस आदत से उनके एक उस्ताद इतने नाराज हुए कि उन्होंने उनके सिर पर इतने जोर से मारा कि उनके एक कान की सुनने की ताकत हमेशा के लिए चली गई.लखनऊ में मौजूद ब्रिटिश रेजिडेंट को पता था कि उन्हें सुनने में दिक़्क़त होती है इसलिए जरूरत पड़ने पर वो वाजिद अली शाह के सामने अपने वाक्य को दोहरा देते थे.१८५० के आसपास पूरे राज्य की जनसंख्या करीब एक करोड़ थी जिसमें करीब सात लाख लोग लखनऊ और उसके आसपास रहते थे.इसके बावजूद उसकी आबादी उस समय की दिल्ली की लगभग दोगुनी थी.वाजिद अली शाह ने २६ वर्ष की आयु में अपनी आत्मकथा लिखी थी 'परीखाना', जिसमें उन्होंने अपने प्रेम प्रसंगों और संगीत-नृत्य से अपने बहुआयामी सरोकारों की दास्तान लिखी थी. सवाल उठता है कि उन्होंने अपनी आत्मकथा का नाम 'परीखाना' क्यों रखा? इसका जवाब देते हुए शकील सिद्दीकी ने उनकी जीवनी की भूमिका में लिखा था, "नवाब साहब ने अपना दिल बहलाने के लिए संगीत-नृत्य सिखाने का इंतजाम किया था. इस स्कूल का नाम 'परीखाना' रखा गया था जिसमें उस समय की संगीत और नृत्य में निपुण लड़कियों को भर्ती किया जाता था.इसमें दाखिल होने वाली लड़कियों को 'परी' कहा जाता था. उसमें अपने समय के कुछ माहिर उस्ताद संगीतज्ञ भी मुलाजिम थे, जिनसे लड़कियाँ तालीम लेती थीं. खुद वाजिद अली शाह भी सीखते थे.परीखाना उसी जगह स्थापित हुआ था जहाँ १८७८ में कैनिंग कॉलेज कायम हुआ और जहाँ आज संगीत का मशहूर भातखंडे महाविद्यालय है.नवाब वाजिद अली शाह खुद संगीत और नृत्य के बड़े ज्ञाता थे. उन्होंने अपने इस शौक पर बड़ी रकम खर्च की.आखिरकार, अवध के रेजिडेंट कर्नल स्लेमन ने इस पर रोक लगा दी. साथ ही, उसने कई संगीतकारों को शहर-बदर करा दिया.वाजिद अली शाह अपनी आत्मकथा में लिखते हैं, मेरे पिता अमजद अली शाह ने मेरी गतिविधियों के प्रति गहरी अरुचि और नाराजगी जाहिर की थी. यहाँ तक कि मुझे एक बार नजरबंद कर दिया था. ये सामंती परंपरा के निर्वाह में कुछ जरूरी मूल्यों को बचाने की उनकी चिंता थी.वाजिद अली शाह एक रचनात्मक, मुश्किल और दिलचस्प इंसान थे. उनके बाल छल्लेदार होते थे और वो अपनी पोशाक इस अंदाज में पहनते थे कि उनका सीना लोगों को दिखाई देता था. सन् १८४७ में अवध की गद्दी संभालने से पहले ही 'बहार-ए-इश्क' जैसी रचनाएँ लिख चुके थे.उनके नाटक कई महीने की तैयारी के बाद मंचित किए जाते थे. सन १८५३ में उन्होंने एक योगी मेला करवाया था जिसमें उन्होंने अपने महल का बागीचा आम लोगों के लिए खोल दिया था.मनु एस पिल्लई अपनी किताब 'द कोर्टिजान, महात्मा एंड द इटालियन ब्राह्मण' में लिखते हैं, "इस आयोजन में सभी लोगों को केसरिया वस्त्र पहनकर आने के लिए कहा गया था. सन १८४३ में उन्होंने कृष्ण के जीवन पर आधारित एक नाटक का मंचन किया था जिसमें उनकी चार पत्नियों ने गोपियों की भूमिका निभाई थी.वाजिद अली शाह की पत्नियों की तादाद सैकड़ों में बताई जाती है.रोजी जोंस अपनी किताब 'द लास्ट किंग ऑफ इंडिया' में लिखती हैं, कलकत्ता में रहने वाले उनके एक वंशज के अनुसार, नवाब इतने पाक-साफ आदमी थे कि वो किसी महिला से तब तक कोई संबंध नहीं रखते थे जब तक उन्होंने उससे अस्थायी विवाह न किया हो. इसमें कोई शक नहीं कि उन्हें महिलाओं से घिरे रहना पसंद था.शकील सिद्दीकी लिखते हैं, "रंगीले पिया और जान-ए-आलम जैसे विशेषणों से मशहूर हो जाने वाले इस बादशाह ने यौन संबंधों में महिलाओं की रजामंदी का सम्मान किया और धार्मिक नियमों का कड़ाई से पालन किया. विधिवत विवाह किए बिना उन्होंने किसी स्त्री से संबंध नहीं बनाया. साथ ही, उन्होंने सभी बेगमों को संबंध-विच्छेद की छूट भी दी. खर्च के लिए सबको हैसियत के हिसाब से निश्चित मासिक राशि के भुगतान की व्यवस्था भी की.१६ नवंबर, १८४७ को नवाब वाजिद अली शाह अंग्रेज गवर्नर जनरल लॉर्ड हार्डिंग से मिलने कानपुर गए. गवर्नर जनरल ने अवध की स्थिति पर असंतोष प्रकट किया.शासन व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त करने के लिए उन्होंने वाजिद अली को एक पत्र के जरिए दो साल का समय दिया.जनवरी १८४९ में कर्नल स्लेमन को अवध का रेजिडेंट बनाकर लखनऊ भेजा गया. उस पूरे साल वाजिद अली गंभीर रूप से बीमार रहे.हालात का फायदा उठाते हुए स्लेमन ने पूरे अवध का भ्रमण कर डाला और राज-काज के काम में अपना हस्तक्षेप बढ़ाना चाहा.उसने वाजिद अली शाह के एक खास सलाहकार को बर्खास्त करने की सलाह दी जिसे नवाब ने नहीं माना.
स्लेमन ने अपनी रिपोर्ट में लिखा, "वाजिद अली के चरित्र से बहुत उम्मीदें नहीं हैं. वो मनमौजी किस्म के शख़्स हैं. उनके रात और दिन जनानखाने में बीतते हैं. अय्याशी और फिजूलखर्ची उनके व्यक्तित्व का हिस्सा बन चुका है.
वाजिद अली शाह को अवध की गद्दी छोड़नी पड़ी हालांकि वाजिद अली शाह ने उसके बाद कई प्रशासनिक सुधार किए और 'दस्तूर-ए-वाजिदी नाम का एक नियम दस्तावेज भी लिखा लेकिन २१ नवंबर, १८५१ को लॉर्ड डलहौजी की सिफारिश पर ईस्ट इंडिया कंपनी के निदेशक मंडल ने अवध को अंग्रेजी राज में मिलाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की.१७ फरवरी, १८५६ को अवध को ईस्ट इंडिया कंपनी में विलीन करने की विधिवत घोषणा हुई और नवाब वाजिद अली शाह को अवध की गद्दी छोड़नी पड़ी.नवाब ने शिकायत की कि उनके साथ ऐसा सलूक क्यों किया जा रहा है?मनु पिल्लई लिखते हैं, "इस सवाल का कोई सीधा जवाब नहीं था लेकिन कुछ हल्कों में ये जरूर कहा जाता था कि ईस्ट इंडिया कंपनी ने नवाब से काफी कर्ज ले रखा था. कर्ज लौटाने से बेहतर विकल्प था कर्ज देने वाले को बर्बाद कर देना.एक जमाने में वाजिद अली शाह के पास ६० हजार से अधिक सैनिक होते थे, लेकिन उन्होंने उनका इस्तेमाल अंग्रेजों के विरोध में नहीं किया.१३ मार्च को इंग्लैंड की महारानी को अर्जी देने के मकसद से वो कलकत्ता रवाना हुए जहाँ से वो लंदन जाना चाहते थे. वाजिद अली शाह के प्रति अंग्रेजों के व्यवहार ने लखनऊ और अवध के ग्रामीण इलाके.के लोगों में उथल-पुथल पैदा कर दी.रुद्रांशु मुखर्जी अपनी किताब 'अ बेगम एंड द रानी' में लिखते हैं, वाजिद अली शाह को गद्दी से हटाने का लोगों ने विरोध किया. उस जमाने में उस इलाके. में एक लोकगीत प्रचलित हुआ, 'अंग्रेज बहादुर आइन, मुल्क लै लीन्हो'.जब वाजिद अली शाह कलकत्ता के लिए रवाना हुए तो उनकी प्रजा के बहुत से लोग कानपुर तक उनके साथ गए.विलियम क्रुक ने अपनी किताब 'सॉन्गस अबाउट द किंग ऑफ अवध' में लिखा, "जान-ए-आलम के रवाना होने के बाद लखनऊ की हालत बिना किसी अतिश्योक्ति के ऐसी हो गई जैसे शहर की आत्मा निकल गई हो. शहर की कोई सड़क, बाजार और घर ऐसा नहीं था जो जान-ए-आलम के विरह में दुखी न हुआ हो.लखनऊ से विदा होते समय उन्होंने एक शेर कहा था-वहाँ पहुंचते ही वो बीमार पड़ गए इसलिए वो लंदन नहीं जा सके. १८ जून को नवाब की माँ मलिका किश्वर, भाई सिकंदर हश्मत और उनका बेटा लंदन के लिए रवाना हुए.इस बीच लखनऊ और मेरठ जैसी जगहों पर अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह भड़क उठा.

छोटी खबरें

कुएं में गिरा था भारतीय नाग, जान जोखिम में डालकर किया गया रेस्क्यू, बाल्टी में भरकर निकाला गया जहरीला कोबरा

कोरबा अम्बिकावाणी – कोरबा जिले में सांप निकलने की घटनाएं अब आम हो चली हैं। चाहे वह औद्योगिक परिसर हो या ग्रामीण क्षेत्र। हाल ही में जिले के दादर क्षेत्र में एक विशाल भारतीय नाग (स्पेक्टेकल्ड कोबरा) के कुएं में गिरने से सनसनी फैल गई। स्थानीय युवक गौतम पटेल ने घटना की जानकारी मिलते ही वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम के प्रमुख जितेंद्र सारथी को सूचना दी। टीम तुरंत मौके पर पहुंची और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से एक जोखिम भरा रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया।

सारथी ने सुरक्षा बेल्ट बांधी और रस्सी के सहारे कुएं में उतरे। फिर विशेष सावधानी के साथ बाल्टी की मदद से नाग को सुरक्षित बाहर निकाला गया। रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी समय और धैर्य की जरूरत पड़ी। अंततः सांप को सुरक्षित रूप से जंगल में छोड़ दिया गया। सांपों को लेकर भ्रम में न रहें, सावधानी और जानकारी ही बचाव है. प्रमुख जितेंद्र सारथी का कहना है कि भारत में पाए जाने वाले अधिकांश सांप विषहीन होते हैं। लेकिन जानकारी के अभाव में ग्रामीण क्षेत्र में लोग डर जाते हैं और अक्सर झाड़-फूंक या देसी इलाज का सहारा लेते हैं, जिससे कई बार जान का खतरा बढ़ जाता है। सर्पदंश की स्थिति में तुरंत अस्पताल जाएं। अंधविश्वास नहीं, त्वरित चिकित्सा ही जीवन रक्षा का साधन है।

मदद के लिए संपर्क करें, वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम, कोरबा ८८१७५-३४४५५, ७९९९६-२२१५१

रेलवे में एंबुश टिकट चेकिंग अभियान, 192 मामलों मे 73 हजार से अधिक वसूला

बिश्रामपुर रेल में बिना टिकट यात्रा करने वाले सावधान हो जाएं।रेल प्रबंधन ने अब बिना वैध टिकट यात्रा करने वालों के लिए विशेष औचक जांच अभियान की शुरूआत की है।इसी क्रम में

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल अंतर्गत चांपा रेलवे स्टेशन में आज एक विशेष टिकट जांच अभियान (एंबुश चेकिंग) का आयोजन किया गया। इस अभियान का नेतृत्व उप मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (यात्री सेवा) कौशिक मित्रा द्वारा किया गया।

अभियान के दौरान कुल १९२ मामलों में अनियमित यात्रियों को पकड़ा गया, जिनसे कुल ?७३,२७०/- की जुमार्ना राशि वसूल की गई। यह कार्रवाई यात्रियों में टिकटिंग के प्रति जागरूकता बढ़ाने और रेलवे राजस्व हानि की रोकथाम हेतु की गई ।

इस अभियान में कुल १५ वाणिज्यिक स्टाफ के साथ-साथ २ आरपीएफ तथा २ आरपीएसएफ जवानों की सक्रिय भागीदारी रही। टीम ने प्रभावी समन्वय और सतर्कता के साथ प्लेटफॉर्म और ट्रेनों में जांच कार्य को अंजाम दिया।

रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे यात्रा से पूर्व उचित टिकट लेकर ही यात्रा करें। बिना टिकट यात्रा एक सामाजिक बुराई है, जो न केवल कानून के उल्लंघन का कारण बनती है बल्कि इससे रेलवे को राजस्व की हानि भी होती है।

ऐसे विशेष अभियान समय-समय पर भविष्य में भी जारी रहेंगे, जिससे यात्रियों में टिकटिंग के प्रति अनुशासन बना रहे एवं रेलवे सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार हो।

पीएम ग्रामीण सड़क पर दौड़ रहीं अवैध गाड़ियों पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई

भिलाई बाजार में ट्रैफिक और ट्रांसपोर्ट विभाग की संयुक्त कार्रवाई, अन्य क्षेत्रों में भी होगी सख्ती

कोरबा अम्बिकावाणी – जिले में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत बनी सड़कों पर नियम विरुद्ध भारी वाहनों की आवाजाही पर अब प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है। जनहित को लेकर उठे आंदोलनों के दबाव और ट्रांसपोर्टर लॉबी की मनमानी को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग ने संयुक्त कार्रवाई शुरू कर दी है। इस क्रम में भिलाई बाजार मार्ग पर विशेष अभियान चलाकर ऐसे वाहनों पर चालानी कार्रवाई की गई, जो ग्रामीण सड़कों पर नियमों की अवहेलना करते हुए दौड़ रहे थे। इस दौरान कई गाड़ियों को जब्त किया गया और उन पर आर्थिक दंड भी लगाया गया।

ग्रामीणों के प्रदर्शन के बाद हरकत में आया प्रशासन

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले करतला विकासखंड के डोंगाआमा-सालियाभाठा मार्ग पर ग्रामीणों ने चक्काजाम कर विरोध जताया था। उनका आरोप था कि भारी वाहनों की आवाजाही से सड़कें क्षतिग्रस्त हो रही हैं और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। प्रदर्शन के बाद प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर कार्यवाही का भरोसा दिलाया, जिसके बाद आंदोलन समाप्त हुआ। अब उसी के तहत ट्रैफिक डीएसपी डी.के. सिंह और जिला परिवहन अधिकारी विवेक सिंह के नेतृत्व में मैदानी टीमों ने कार्रवाई तेज कर दी है।

सभी विकासखंडों में चलेगा अभियान – प्रशासन ने संकेत दिया है कि ऐसी संयुक्त जांच अभियान अब जिले के अन्य क्षेत्रों में भी चलाए जाएंगे। विशेषकर प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़कों पर अधिक क्षमता से अधिक भार वहन करने वाले वाहनों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़कों को केवल निर्धारित भार वहन करने वाले वाहनों के लिए स्वीकृत किया गया है। नियम तोड़ने पर अब कठोर कार्रवाई की जाएगी। सड़क सुरक्षा और जनहित के लिए प्रशासन की यह पहल सराहनीय मानी जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कें बचाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में अव्यवस्था चरम पर, सुरक्षाकर्मी पर परिजनों से अभद्रता का आरोप

वार्ड में डॉक्टर तक को रोकने की शिकायत, प्रबंधन से की गई शिकायत

कोरबा अम्बिकावाणी – बिसाहू दास महंत मेडिकल कॉलेज से एफिलेटेड जिला मेडिकल अस्पताल की व्यवस्था को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। पहले मेडिकल स्टाफ की लापरवाही की खबरें सामने आई थीं, अब सुरक्षाकर्मियों के दुर्व्यवहार ने मरीजों और उनके परिजनों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। ताजा मामला अस्पताल के वार्ड से जुड़ा है, जहां एक ग्रामीण के जीजा का चेस्ट और पेट का ऑपरेशन किया गया है और वे इलाजरत हैं। पीड़ित परिजनों का आरोप है कि मरीज की देखभाल के लिए जब वे तीन लोगों की मदद लेना चाहते थे, तो वहां मौजूद सुरक्षाकर्मी ने भीड़ ना बढ़ाने की बात कहकर उन्हें रोक दिया। इस पर परिजनों ने तर्क दिया कि यदि बाहर से सहायता की अनुमति नहीं है, तो अस्पताल की ओर से खुद ये सेवाएं सुनिश्चित की जाएं। इसी बात को लेकर मौके पर काफी देर तक बहसबाजी हुई। परिजनों का कहना है कि सुरक्षाकर्मी का व्यवहार काफी अभद्र और अपमानजनक था।

वार्ड में डॉक्टर को भी रोका गया

वहीं, वार्ड में भर्ती अन्य मरीजों के परिजनों ने भी इसी प्रकार की शिकायत की है। उनका कहना है कि सुरक्षाकर्मी न केवल तीमारदारों को परेशान कर रहे हैं, बल्कि एक चिकित्सक को भी वार्ड में प्रवेश से रोक दिया गया, जिससे हालात और अधिक बिगड़ गए।

कांट्रैक्ट एजेंसी पर उठे सवाल

सूत्रों की मानें तो अस्पताल में सुरक्षा की जिम्मेदारी एक प्राइवेट कांट्रैक्ट एजेंसी को दी गई है, जिसके कर्मचारी प्रशिक्षण व संयम से रहित व्यवहार कर रहे हैं। इसको लेकर अस्पताल में लगातार शिकायतें दर्ज हो रही हैं और कई बार विवाद की स्थिति उत्पन्न हो चुकी है।

स्थानीय लोगों और परिजनों की मांग है कि अस्पताल प्रबंधन तत्काल मामले की जांच कर संबंधित एजेंसी को व्यवस्था सुधारने का निर्देश दे। यदि अस्पताल जैसी संवेदनशील जगहों पर ऐसा व्यवहार जारी रहा, तो इससे मरीजों की सुरक्षा और इलाज दोनों पर असर पड़ सकता है। प्रबंधन की चुप्पी पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

ठेला गुमटियों पर चला बुलडोजर, बगैर विस्थापन प्रशासन ने छीन ली लोगों की रोजी रोटी

(मो. हदीस) सीतापुर – थाना के सामने स्थित ठेला गुमटियों पर चला प्रशासन का बुलडोजर। अतिक्रमण मुक्त सड़क अभियान के तहत सड़क किनारे स्थित सभी गुमटियों पर कार्यवाही करते हुए प्रशासनिक अमला ने बगैर उनके विस्थापन के, सुबह ८ बजे गहमा गहमी के बीच अतिक्रमण पर बुलडोजर चलना शुरू कर दिया ।जहा अधिकारीयो को भारी विरोध का सामना करना पड़ा।इस दरमियान अधिकारी और नागरिकों के बीच तीखी प्रक्रिया देखने को मिला। अचानक हुए इस कार्यवाही में लोगों को अपने सामान खाली करने तक का मौका नही मिला और तोड़फोड़ की कार्यवाही सुरु कर दिया गया। बगैर विस्थापन के हुए इस तरह के कार्यवाही से अब उनके आगे रोजी रोटी की गम्भीर समस्या उत्पन्न हो गया। नगर के सड़क किनारे पिछले ४० वर्षो से ठेल और गुमटियों में अपनी छोटे मोटे दुकान चला कर रोजी रोटी कमा रहे दर्जनों लोग बुलडोजर के मार से बेरोजगार हो गये ,अब उनके सामने रोजी रोटी की गम्भीर समस्या उत्पन्न हो गया है । वे अपने परिवार का लालन पालन कैसे करेंगे यह एक सवाल बन कर खड़ा हो गया है।

एस डी एम नीरज कौसिक – पूरी कार्यवाही नगर पंचायत के द्वारा किया गया है यह कार्यवाही अचानक नही किया गया है, महीना पूर्व उन्हें खाली करने का नोटिस जारी किया गया था। इस पूरे कार्यवाही में नगर पंचायत के साथ पुलिस प्रशासन एवं राजस्व अमला सहयोगी के रूप में उनके साथ खड़ा था।

रक्षा, एयरोस्पेस और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में निवेश का नया केंद्र बनने की ओर छत्तीसगढ़

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य अब केवल खनिज और कृषि प्रधान राज्य नहीं रह गया है, बल्कि तकनीकी नवाचार और रणनीतिक उद्योगों का नया गढ़ बनकर उभरने की दिशा में अग्रसर है। इस परिवर्तन की आधारशिला मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में रखी गई है, जिन्होंने न केवल राज्य की औद्योगिक नीतियों को समकालीन और रोजगारोन्मुख बनाया, बल्कि रक्षा, एयरोस्पेस और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करने के लिए ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय की अध्यक्षता में हाल ही में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में इन उन्नत प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के लिए पृथक औद्योगिक प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की गई। यह पैकेज न केवल इन क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करेगा, बल्कि राज्य के युवाओं के लिए सेवा और रोजगार के अवसरों के नए द्वार भी खोलेगा। छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास नीति 2024-30 के अंतर्गत तैयार किया गया यह विशेष पैकेज अत्याधुनिक उद्योगों की स्थापना और विस्तार को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। रक्षा, एयरोस्पेस और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से जुड़े उद्यमों को स्थायी पूंजी निवेश के आधार पर 100 प्रतिशत तक की एसजीएसटी प्रतिपूर्ति या वैकल्पिक रूप से पूंजी अनुदान की सुविधा दी जाएगी। 50 करोड़ से लेकर 500 करोड़ से अधिक के निवेश करने वाली इकाइयों के लिए 35 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जाएगी, जिसकी अधिकतम सीमा 300 करोड़ रुपये तक तय की गई है। इसके साथ ही, निवेशकों को ब्याज अनुदान, विद्युत शुल्क में छूट, स्टाम्प और पंजीयन शुल्क में रियायतें, भूमि उपयोग परिवर्तन शुल्क में छूट, रोजगार सृजन पर आधारित प्रोत्साहन, ईपीएफ प्रतिपूर्ति और प्रशिक्षण अनुदान जैसी सुविधाएं भी दी जाएंगी। इस नीति का सबसे प्रभावशाली पहलू यह है कि इसमें स्थानीय युवाओं के लिए स्थायी रोजगार सृजन को प्राथमिकता दी गई है। जो उद्योग छत्तीसगढ़ के निवासियों को पहली बार रोजगार देंगे, उन्हें दिए गए वेतन का 20 प्रतिशत तक अनुदान भी मिलेगा। यह राज्य सरकार की उस सोच का परिणाम है, जिसमें 'विकास' केवल आंकड़ों तक सीमित न रहकर आम जनता के जीवनस्तर में वास्तविक सुधार का माध्यम बने। रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास की स्थापना पर व्यय का 20 प्रतिशत तक अनुदान, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना पर पूंजी निवेश अनुदान तथा ड्रोन प्रशिक्षण केंद्रों के लिए विशेष सहायता जैसी व्यवस्थाएं राज्य को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और अग्रणी बनाएंगी।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0............/अ-2/2024-25

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नेहा सिन्हा पिता प्रदीप कुमार वर्मा पति गौरव कुमार सिन्हा जाति कायस्थ निवासी नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम सरगवां तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 723/9, रकबा 0.016 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, पंचायत प्रस्ताव, रजिस्ट्री की प्रति, आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 27/06/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार, अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202505020700157

मामले की श्रेणी :- राजस्व
विषय:- ब-121 सन:- 2024-2025
भगवानपुर कला प.ह.नं. 00018 [(हे0)],
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार- प्यारी लकड़ा,
अनावेदक पक्षकार-छ०ग० शासन,

ईश्तहार

आवेदिका प्यारी लकड़ा पति जुवेल लकड़ा निवासी मुक्तिपारा थाना गांधीनगर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम भगवानपुरकला स्थित भूमि खसरा नंबर 24/8 रकबा 0.024 हे० भूमि के द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 25/06/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/05/2025 को जारी किया जाता है।

UMESHWAR SINGH BAJ
तहसीलदार
तहसील, अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार, अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202505020700159

मामले की श्रेणी :- राजस्व
विषय:- ब-121 सन:- 2024-2025
भगवानपुर कला प.ह.नं. 00018 [(हे0)],
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार लोयला मंजू,
अनावेदक पक्षकार-छ०ग० शासन,

ईश्तहार

आवेदिका लोयला मंजू मिंज पति नवल किशोर मिंज निवासी मुक्तिपारा थाना गांधीनगर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम भगवानपुरकला स्थित भूमि खसरा नंबर 23/10 रकबा 0.020 हे० भूमि के द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 25/06/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/05/2025 को जारी किया जाता है।

UMESHWAR SINGH BAJ
तहसीलदार
तहसील, अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार मानी-पोड़ी, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

-:ईश्तहार:-

रा०प्र०क्र० 2024102632000005 /अ-21(4)/2024-25

सर्व साधारण ग्राम जमदेई को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक कपील आ.स्व० शिवनाथ, उम्र-5० वर्ष, जाति-पनिका, निवासी ग्राम जमदेई, तहसील व जिला सूरजपुर छ.ग. अपने स्वामीत्व व अधिपत्य की भूमि प.ह.नं. 29-रा.नि.मं. केशवनगर, ग्राम जमदेई स्थित खसरा नंबर 1894/2 रकबा 0.40 हे० भूमि को अनावेदक द्वारिका प्रसाद राजवाड़े आ०स्व. रामप्रसाद जाति-रजवार निवासी ग्राम पचिरा थाना व तहसील सूरजपुर छ०ग० भूमि का विक्रय करने का सौदा कर विक्रय की सम्पूर्ण राशि 2,50,000/- (दो लाख पच्चास हजार रुपये) सम्पूर्ण रकम प्राप्त कर लिया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो वह अपना आक्षेप दिनांक 08/07/2025 को इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अधिकृत अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
मानी-पोड़ी,
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

कटघोरा पुलिस ने अश्लील फोटो-वीडियो पोस्ट करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

तीन साल से था फरार, बच्चों से जुड़ी आपत्तिजनक सामग्री डालने का आरोप

कोरबा अम्बिकावाणी – कटघोरा थाना क्षेत्र में साल २०२१ से फरार चल रहे एक साइबर अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने सोशल मीडिया पर बच्चों से जुड़ी अश्लील फोटो और वीडियो पोस्ट की थी, जिसकी शिकायत के बाद पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी। २६ फरवरी २०२१ को एक शिकायतकर्ता ने कटघोरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि किसी अज्ञात मोबाइल नंबर से बच्चों की अश्लील सामग्री सोशल मीडिया पर डाली जा रही है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए स्नद्धक्र दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि यह मोबाइल नंबर राघवेन्द्र भोई नाम के युवक का है, जो एकता नगर, थाना बालको नगर, जिला कोरबा का निवासी है। घटना के बाद से आरोपी फरार हो गया था।

पुलिस की टीम ने किया सराहनीय कार्य

पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी धरम नारायण तिवारी के नेतृत्व में लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया गया। टीम को सफलता मिली और आरोपी राघवेन्द्र भोई पिता नारायण प्रसाद भोई, उम्र २६ वर्ष को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने ही वह आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट की थी।

साइबर अपराधों पर पुलिस की कड़ी नजर

कटघोरा पुलिस की इस कार्रवाई से स्पष्ट है कि बच्चों से संबंधित किसी भी तरह की आपत्तिजनक सामग्री को लेकर पुलिस गंभीर है और ऐसे अपराधों में कठोर कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस की अपील

थाना प्रभारी ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपने मोबाइल और इंटरनेट कनेक्शन का उपयोग सावधानीपूर्वक करें। किसी अनजान व्यक्ति को अपनी सिम या नेटवर्क साझा न करें। यदि किसी तरह की संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत पुलिस या साइबर सेल को जानकारी दें।

स्वयं को बदलने का अवसर सदा मिलता है, कहीं ऐसा तो नहीं कि समय आपको बदलता हो?
0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

निष्कर्ष पर पहुंचना जरूरी

यूक्रेन और रूस के बीच तुर्किये में शांति वार्ता का दूसरा दौर चल रहा है। इस खबर से दुनिया भर में राहत की सांस ली जानी चाहिए थी, लेकिन कोई इसके सार्थक परिणामों की उम्मीद नहीं कर रहा। दोनों देशों में अभी तक मृत सैनिकों के शवों और घायल सैनिकों की अदला-बदली पर ही सहमति बनी है,

जबकि युद्ध तीन साल से बदस्तूर जारी है। दोनों देशों में हो रही वार्ता की तुर्किए के विदेश मंत्री हकन फिदान अध्यक्षता कर रहे हैं। रूस और यूक्रेन के वरिष्ठ अधिकारियों की हालिया टिप्पणियों से पहले ही संकेत मिल चुके हैं कि युद्ध को रोकने की दिशा में फिलहाल कोई ठोस प्रगति नहीं होने जा रही है। जंग का हाल ये है कि रोज इसकी गंभीरता बढ़ती जा रही है। अग्रिम मोर्चे पर भीषण लड़ाई चल रही है और दोनों पक्ष एक-दूसरे के क्षेत्र में भीतर तक हमले कर रहे हैं। पहले इस युद्ध में यूक्रेन को कमजोर समझा जा रहा था और पूरी दुनिया मान बैठी थी कि यूक्रेन जल्द ही हथियार डाल देगा और रूसी राष्ट्रपति पुतिन अपने मकसद में कामयाब हो जाएंगे, लेकिन यूक्रेनी सेना इस युद्ध को तीसरे साल तक खींचने में कामयाब रही है। रविवार को तो यूक्रेन ने रूस को एसा सबक सिखाया जिसे पुतिन और रूसी सेना कभी नहीं भूल पाएगी।

यूक्रेनी सेना ने ड्रोन हमले करके रूस के भीतर कई अहम एयर स्ट्रिप को बरबाद कर 40 से अधिक रूसी विमानों की कब्रगाह बना डाली। खिसियाया रूसी रक्षा मंत्रालय मार गिराए गए यूक्रेनी ड्रोन की संख्या बताकर ही खीझ मिटा रहा है। यूक्रेन पर रूसी हमले पहले की तरह जारी हैं। युद्ध अब अत्याधुनिक पैंतरेबाजी तक पहुंच गया है। इसमें अब सैनिकों से ज्यादा ड्रोन की भूमिका हो गई है। युद्ध को लेकर संयुक्त राष्ट्र और बड़े देशों की भूमिका निंदनीय बनी हुई है। ये सभी इसे पुतिन का निजी मामला समझकर सुविधाजनक दूरी बनाए हुए हैं। यूक्रेन को सैन्य सामग्री देकर ही नाटो भी संतुष्ट है। अमेरिका रूस से तेल, गैस और यूरेनियम खरीदन वालों पर 500 फीसद शुल्क लगाने के विधेयक पर विचार की तैयारी कर रहा है। भारत और चीन इसका सीधा शिकार बनेंगे जो रूस से भारी मात्रा में ये सामान खरीद रहे हैं। इस युद्ध से पुतिन भी संकट में हैं, क्योंकि उन्होंने ऐसे युद्ध में गर्दन फंसा ली है जहां से निकलना संभव नहीं हो रहा।

यूक्रेनी शहरों की तबाही और लाखों लोगों के विस्थापन के साथ दुनिया की भी सांस हलक में अटकी है। इस्तांबुल वार्ता का किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जरूरी है।

बैंकिंग प्रणाली को ग्राहक-केंद्रित बनाने की जरूरत

विनीत नारायण

भारतीय बैंकिंग प्रणाली, जो देश की आर्थिक रीढ़ मानी जाती है, समय-समय पर ग्राहकों के साथ अनुचित व्यवहार के लिए आलोचना का विषय बनती रही है। हाल में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नये दिशा-निर्देशों का ऐलान किया गया जिनसे देश भर के बैंकों में नये सेवा शुल्कों और लेन देन की सीमाओं को लेकर असमंजस की स्थिति है। ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कंफेडरेशन के पूर्व महासचिव थॉमस फ्रैंको ने हाल में बैंकों द्वारा ग्राहकों से अनुचित शुल्क वसूलने और आरबीआई की नीतियों के प्रभावों पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

फ्रैंको ने बैंकों की उन प्रथाओं पर प्रकाश डाला है, जिनके माध्यम से ग्राहक अनजाने में अतिरिक्त शुल्क और चार्जेस का बोझ उठाते हैं। उनके अनुसार, बैंक न केवल अपनी सेवाओं के लिए मनमाने ढंग से शुल्क बढ़ाते हैं, बल्कि ग्राहकों को अनुचित नियमों और शतरे के जाल में भी फंसाते हैं। उदाहरण के लिए, एटीएम लेन देन पर लगने वाले शुल्क, न्यूनतम बैलेंस की आवश्यकता और तीसरे पक्ष के उत्पादों (जैसे बीमा) की गलत बिक्री (मिस-सेलिंग) आम ग्राहकों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। आरबीआई के दिशा-निर्देशों के बावजूद बैंक ग्राहकों के साथ पारदर्शिता और निष्पक्षता बरतने में विफल रहे हैं। वे बताते हैं कि बैंकों द्वारा लगाए गए कई शुल्क, जैसे एटीएम से नकदी निकासी पर चार्ज या न्यूनतम बैलेंस न रखने की सजा, ग्राहकों के लिए अनुचित और बोझिल हैं। विशेष रूप से छोटे बचत खाताधारकों और ग्रामीण क्षेत्रों के ग्राहकों पर इसका सबसे अधिक प्रभाव पड़ता है।

आरबीआई ने हाल में एटीएम संचालन, लेन देन सीमा और शुल्क से संबंधित नये दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन दिशा-निर्देशों के अनुसार, ग्राहकों को अपने बैंक के एटीएम पर सीमित मुफ्त लेन देन की सुविधा दी जाती है, और अन्य बैंकों के एटीएम पर भी मुफ्त लेन देन की संख्या निर्धारित की गई है। इन सीमाओं को पार करने पर ग्राहकों से शुल्क वसूला जाता है। फ्रैंको का तर्क है कि ये दिशा-निर्देश बैंकों को ग्राहकों से अतिरिक्त शुल्क वसूलने की छूट देते हैं, जिससे आम आदमी पर बोझ बढ़ता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई ग्राहक अपने बैंक के एटीएम से पांच मुफ्त लेन देन के बाद अतिरिक्त निकासी करता है, तो उसे प्रति लेन देन 20 रु पये तक का शुल्क देना पड़ सकता है। इसी तरह, अन्य बैंकों के एटीएम पर तीन मुफ्त लेन देन के बाद शुल्क लागू होता है।

फ्रैंको के अनुसार, यह व्यवस्था ग्राहकों को उनकी ही बचत का उपयोग करने के लिए दंडित करती है। आरबीआई ने डिजिटल बैंकिंग और साइबर सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए भी दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जैसे मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन और अनिधकृत लेन देन की स्थिति में ग्राहकों की शून्य देयता। हालांकि, फ्रैंको का कहना है कि इन नियमों का कार्यान्वयन अपर्याप्त है। बैंकों द्वारा ग्राहकों को सूचित करने और शिकायत निवारण की प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी बनी रहती है। थॉमस फ्रैंको ने बैंकों द्वारा तीसरे पक्ष के उत्पादों, विशेष रूप से बीमा और म्यूचुअल फंड, की मिस-सेलिंग पर विशेष ध्यान दिया है। उनके अनुसार, बैंक कर्मचारी अक्सर ग्राहकों, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, को भ्रामक जानकारी देकर ऐसे उत्पाद बेचते हैं, जो उनकी वित्तीय जरूरतों के लिए उपयुक्त नहीं होते। उदाहरण के लिए, सिंगल प्रीमियम बीमा पॉलिसियों की बिक्री में ग्राहकों को जोखिमों की पूरी जानकारी नहीं दी जाती, जिसके परिणामस्वरूप कई लोग अपनी बचत खो देते हैं।

अक्सर देखा गया है कि बैंकों द्वारा ग्राहकों को अनुचित शतरे वाले ऋण समझौतों में फंसाया जाता है। उदाहरण के लिए, फ्लोटिंग रेट होम लोन लेने वाले ग्राहकों को ब्याज दरों में कमी का लाभ स्वचालित रूप से नहीं दिया जाता और इसके लिए अतिरिक्त शुल्क वसूला जाता है। यह न केवल अनुचित है, बल्कि आरबीआई के ग्राहक अधिकार चार्टर का भी उल्लंघन है, जिसमें निष्पक्ष व्यवहार और पारदर्शिता की बात कही गई है। आरबीआई ने 2014 में ग्राहक अधिकार चार्टर जारी किया था, जिसमें पांच मूलभूत अधिकारों की बात की गई थी-निष्पक्ष व्यवहार, पारदर्शिता, उपयुक्तता, गोपनीयता और शिकायत निवारण। हालांकि, फ्रैंको और अन्य उपभोक्ता कार्यकताओं का कहना है कि आरबीआई ने इन अधिकारों को लागू करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए। उदाहरण के लिए, शिकायत निवारण के लिए समय सीमा निर्धारित नहीं की गई है, और बैंकिंग लोकपाल अक्सर बैंकों के पक्ष में ही फैसले सुनाता है।

आरबीआई को बैंकों पर सख्ती बरतनी चाहिए और अनुचित शुल्क वसूली, मिस-सेलिंग और एकतरफा समझौतों पर रोक लगानी चाहिए। उनके अनुसार, आरबीआई की निष्क्रियता बैंकों को ग्राहकों का शोषण करने की खुली छूट देती है। बैंकों की इन प्रथाओं का सबसे अधिक प्रभाव मध्यम वर्ग, छोटे बचतकताओं और ग्रामीण क्षेत्रों के ग्राहकों पर पड़ता है। न्यूनतम बैलेंस न रख पाने वाले खाताधारकों से भारी जुमार्ना वसूला जाता है, जो उनकी बचत को और कम करता है। डिजिटल बैंकिंग के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर धोखाधड़ी के मामले भी बढ़े हैं, और ग्राहकों को नुकसान की भरपाई के लिए लंबी कानूनी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है।

ऐसे में कुछ समाधान पर आरबीआई को गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। टेलीकॉम सेक्टर की तरह बैंक खातों की पोर्टेबिलिटी को आसान करना चाहिए ताकि ग्राहक आसानी से बैंक बदल सकें। सभी शुल्क और चार्जेस की जानकारी स्पष्ट और सरल भाषा में देनी चाहिए। तीसरे पक्ष के उत्पादों की बिक्री के लिए सख्त नियम और ग्राहक की सहमति अनिवार्य होनी चाहिए। आरबीआई को शिकायत निवारण के लिए समय सीमा निर्धारित करनी चाहिए और बैंकों पर दंड लगाना चाहिए। छोटे लेन देन और ग्रामीण क्षेत्रों में एटीएम शुल्क को खत्म करना चाहिए। बैंकों द्वारा ग्राहकों से अनुचित शुल्क वसूलने और मिस-सेलिंग की प्रथाएं आम आदमी के लिए वित्तीय बोझ बढ़ा रही हैं। फ्रैंको का यह संदेश-कि 'ग्राहकों का सशक्तिकरण धन संरक्षण का सबसे सुरक्षित तरीका है,इ हमें सोचने पर मजबूर करता है कि बैंकिंग प्रणाली को पारदर्शी, निष्पक्ष और ग्राहक-केंद्रित बनाने की जरूरत है।

(लेख में विचार निजी हैं)

इंटरनेट युग में मानव साम्यता ,उसका तकनीकी कौशल और मनोविज्ञान

अजय दीक्षित

गूगल हेड क्वाटर में कैंपस के लोन की बढ़ी हुई घास काटने के लिए मशीनों का इस्तेमाल नहीं किया जाता है बल्कि बकरियों को लोन में छोड़ देते हैं ताकि लोन की घास एक सीमा से अधिक नहीं बढ़ सके। ऐसा इस लिए किया जाता है क्योंकि घास काटने की मशीनों से कंपन होता है और उससे कंपनी के कर्मचारियों, अधिकारियों में चिड़चिड़ापन महसूस होता है जो उनकी कार्य क्षमता ब दक्षता को प्रभावित करता है।

मेरे एक मित्र कैलिफोर्निया के शहर लॉस एंजिल्स में रहते और गूगल में सॉफ्ट वेयर इंजीनियर हैं, उन्होंने यह बकाया सुनाया कि बड़ी संस्थान अपने कर्मचारियों के मनोविज्ञान को पढ? और संतुलित करने के लिए क्या क्या नहीं करते हैं। मुझे यह सुनकर अचरज नहीं हुआ क्योंकि यह बात सही है कि संस्थानों में बेहतर व्यवस्था के लिए मनोविज्ञान के चिकित्सक रखे जाते हैं जो समय समय पर बिना परीक्षण किए नए नए तकनीकी कौशल के लिए प्रबंधन को सुझाव देते हैं।यह भी एक मनोविज्ञान है।ये मनो एक्सपर्ट कर्मचारियों, अधिकारियों के घरों का दौरा भी जब करते हैं तब उन्हें ऐसा लगता है कि उक्त कर्मचारी या अधिकारी की कार्य क्षमता ब दक्षता का उपयोग ठीक ढंग से नहीं हो पा रहा है।

ये विशेषज्ञ उनके घर जा कर उनकी पत्नी, बच्चों से बात करते हैं और यहां तक कि पर्दा के रंग, सोफे का रंग, रसोई की स्थिति को भी कंपनी की ओर से बदल बाते है लेकिन मामला कर्मचारियों, अधिकारियों के संज्ञान में लाए बिना। सेनफ्रांसिस्को में अमेजॉन नामक बहुद्देशीय,कंपनी का मुख्यालय है उसने अपने कर्मचारियों, अधिकारियों की कोई ड्रेस नहीं बनाई है न ही प्रबंधन प्रतिदिन इनसे रूबरू होता है और बस क्या कार्य करना यह तय होता है और उसे बड़े बारीकी से जांचा जाता है और तब उसकी क्षमता,का कार्य कार्य जाता है।इन कर्मचारियों अधिकारियों को एक से पांच करोड़ रुपए के पैकेज पर काम दिया गया है।

यूरोपीय देशों में जर्मनी फ्रांस, इटली, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया,अमेरिका, में ऐसा नियमित रूप से होता है। कर्मचारियों अधिकारियों के छुट्टी के दिन तय है और उस दिन उन्होंने किया किया इसका भी परीक्षण किया जाता है।अमेरिका,इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया साउथ अफ्रीका, फ्रांस इटली

बेल्जियम में क्रायोजेनिक इंजन, बोइंग , लड़ाकू विमानों, रॉकेट, नए नए तकनीकी संचार,बनाए जाते हैं। और इन उत्पादों को बनाने के उन्नत किस्म का माहौल बनाया जाता है

वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर बनाने वाली कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड का मुख्यालय मिलान इटली में है और शहर से 50 किलो मीटर दूर है लेकिन कर्मचारियों, अधिकारियों को सुविधाएं पांच सितारा है।

भारत में कुछ इस प्रकार का माहौल तो नहीं है लेकिन इसरो, आईआईटी, एम्स ने इस दिशा में कुछ कार्य किया है ऐसा पूर्व राष्ट्रपति स्व अब्दुल कलाम ने लिखा भी है कि इसरो के वैज्ञानिकों को सरोद सुबह और वायलिन रात्रि को सोने से पहले बजा कर मेडिटेशन लेने का अनुरोध किया था ताकि

प्रयोगशाला ध्यान विचलित न हो हताशा न आए क्योंकि मिसाइल और उपग्रह ऐसे क्षेत्र हैं जहां सफलता सौ बार असफल होने के बाद भी मिल जाय तो आप प्रवीण्य हो।

लेकिन बढ़ती जनसंख्या दबाव के चलते भारत को अभी दिल्ली दूर ही दिख रही है। मनोविज्ञान कैसा है यह कार्यकुशलता पर प्रभाव पड़ता है। राजनीतिक क्षेत्र में भी

ऐसे नेता जो कम बोलते हैं,सटीक बोलते हैं, जनता से आंखें मिला कर बात करते हैं अधिक सफल होते हैं। एस जयशंकर, राजनाथ सिंह, अश्वनी वैष्णव, पियूष गोयल, शिवराज सिंह, और सबसे बड़े प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सफल नेता हैं।

इस प्रकार की प्रशिक्षण रैली या लोको पायलट, पायलट, फाइटर जेट पायलट की भी होनी चाहिए। देश के मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर को भी चिड़चिड़ापन महसूस नहीं होना चाहिए।

आजकल इंटरनेट युग में मोबाइल भी एक जरूरत हो कर परेशानी का कारण भी बन गयी है।अब मिनिट तो मिनिट जानकारी चाहिए। इससे एक सीमा के बाद कोप्त हो जाती है।

घरों में सारगर्भित पेंटिंग लगाना,गमले उगाना ,बेल चढ़ाना,

फूल उगाना , हरसिंगार,रातरानी,मोगरा,की खुशबू से घर को सराबोर करने से सकूं मिलता है। सबसे आश्चर्य यह कि दोपहर को एक घंटे की नीद से कार्य करने की अवधि बढ़ जाती है यह भी एक मनोविज्ञान है। मनुष्य काम (सेक्स)

बिना अधूरा है और उसे यह खुराक आवश्यक है। ऐसा नहीं करने पर कुंठा का जन्म होता है।

अभी अफगानिस्तान में अमेरिका,इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, की सेनाएं युद्ध में थी लेकिन सैनिकों के मनोरंज के लिए अमेरिका से सेक्स वर्कर्स को भेजा गया था और यह सत्य घटना है।

बच्चों को कृष्णोंदु बनने से बचाना होगा

हाल ही में पश्चिम बंगाल के पंसकुरा में 7वीं क्लास में पढ़ने वाले बच्चे ने इसलिए आत्महत्या कर ली, क्योंकि उसकी मां ने सबके सामने उसको डांट दिया था। बच्चा अपने पीछे एक सुसाइड नोट छोड़ गया है, जो झकझोर देने वाला है। अपने सुसाइड नोट में बच्चे ने लिखा था कि मां मैंने चोरी नहीं की। बच्चे के ये आखिरी शब्द दिल को झकझोर कर रख देने वाले हैं। दरअसल, स्कूल में पढ़ने वाले 13 साल के कृष्णोंदु दास पर एक मिठाई की दुकान से चिप्स के तीन पैकेट चुराने का आरोप लगा था। मिठाई की ये दुकान गोसाईबेर बाजार में एक सिविल वॉलंटियर शुभांकर दीक्षित की थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि शुभांकर की गैरमौजूदगी में बच्चे ने दुकान से चिप्स के तीन पैकेट चुरा लिए थे। दुकान मालिक ने बच्चे को दुकान से थोड़ी दूर चिप्स के पैकेट के साथ देखा, तो उसके पीछे दौड़ पड़ा। उससे चोरी के बारे में पूछताछ की गई। उसने दुकानदार को पांच रुपये के हिसाब से तीन चिप्स के पैकेट के 15 रु पये दे दिए। इसके बाद भी दुकानदार नहीं माना। वह पैसे लौटाने के बहाने बच्चे को वापस दुकान पर ले गया और उसको मारा-पीटा। इतना ही नहीं, दुकानदार ने बच्चे से सार्वजनिक रूप से माफी भी मंगवाई।

बच्चे के साथ ये सब अभी हुआ ही था कि उसकी मां को जैसे ही इस बारे में पता चला, वह भी उसे फिर से उसी मिठाई की दुकान पर लेकर गई और सबके सामने डांटा। इस बात से 13 साल का लड़का इस कदर आहत हो गया कि घर लौटते ही उसने कीटनाशक पीकर आत्महत्या करने की कोशिश की। गंभीर हालत में उसे तुरंत तामलुक मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि बच्चे के कमरे से एक सुसाइड नोट बरामद किया गया है। इसमें कृष्णोंदु ने आत्महत्या करने से पहले अपनी नोटबुक में लिखा है कि मां मैंने कुरकुरे नहीं चुराए। मुझे वो सड़क पर पड़े मिले थे। मैंने चोरी नहीं की है।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि मिठाई दुकानदार के बर्ताव की वजह से बच्चा ऐसा खौफनाक कदम उठाने को मजबूर हो गया। तब से दुकान मालिक फरार है। परिवार इस बात को भी मान रहा है कि मां के सार्वजनिक रूप से डांटे जाने का भी बच्चे के मन पर गहरा असर हुआ। मां की डांट से बच्चा बहुत दुखी था। यह डांट उसके मन में घर कर गई। वह इस तरह के व्यवहार को सहन नहीं कर सका।

असल में यह घटना उन मां-बाप के लिए किसी सबक से कम नहीं है, जो बात-बात पर सबके सामने अपने बच्चों को बुरी तरह डांट देते हैं, क्योंकि उम्र के इस पड़ाव में बच्चे बहुत ही कोमल और संवेदनशील होते हैं। वह हर बात को अपनी बेइज्जती से जोड़ लेते हैं।

0 अमित बैजनाथ गर्ग

अम्किावाणी-वर्गपहेली 1353

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1857 की क्रांति का पहला क्रांतिकारी जिनके सम्मान में भारत सरकार द्वारा सन् 1984 में एक डाक टिकट जारी किया गया (5)
6. जो नियम के विपरीत हो, जो ठीक न हो (3)
7. यह हंगरी देश की राजधानी है (4)
9. बैचेन, व्याकुल (3)
10. कला आदि सिखलाने वाला व्यक्ति, नवग्रहों में से एक (2)
11. जिसका कद छोटा हो, ठिगना, बौना (2)
13. सूजी, अत्यंत महीन कण (2)
14. पुराणानुसार ये श्रीराम के अनुज भरत के ज्येष्ठ पुत्र थे जिन्होंने गांधार में तक्षशिला नगरी स्थापित की थी (2)
16. गंतव्य स्थान, निशाना (2)
17. शास्त्रीय संगीत में पंचम स्वर (1)
18. परिज्ञात, संज्ञात, विदित, ज्ञात (3)
20. यह वाराणसी का पुराना नाम है (2)
21. बांस आदि का छोटा टुकड़ा (3)
23. इंदीवर, नीलोफर, राजीव (5)
24. केशलता, बालों का गुच्छा जो गाल पर लटके (2)

ऊपर से नीचे

1. किसी मंगल उत्सव में किया जाने वाला नांदी पाठ (6)
2. बात (पंजाबी)(2)
3. दुर्व्यसन, चसका, बुरी आदत, कुर (2)
4. वह किताब या डायरी जिसमें प्रतिदिन की कार्यवाही का विवरण लिखा जाता है (3)
5. धूल या चाक आदि से लिखा हुए को मिटाने वाला (3)
8. फेंकना, छोड़ना, घुसाना (3)
9. ये लेबनान देश की राजधानी है (3)
12. बहाने बाजी, हीला-हवाला (5)
15. क्षमा करने वाला, सहनशील (4)
19. यह कार्य का मात्रक है (2)
20. कार्य, काज, मतलब, उद्देश्य, इंद्रिय सुख की इच्छा (2)
22. पटसन का बना हुआ मोटा कपड़ा (2)

वर्ग पहेली 1352 का हल

स्मृ	ति	मं	धा	ना		पे	रू
ति		दि	न	क	र		चि
ई		थ		में	मैं	ह	
रा	ल		क	द	म		ब
नी	च	ता		म		ग	या
	र	न		हो	शि	या	र
मौ		से		ना	क	ना	
सा	व	न			वा		

एकदा

दिदि ममता के राह में कांटे

पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव हैं। भारतीय जनता पार्टी ने युद्ध स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता से सीधे ममता बनर्जी को निशाने पर लेकर जबरदस्त अभियान की रूपरेखा खींच दी है।

इससे संकेत मिलता है कि चुनाव तक आरोपों की धार पिछले चुनाव से भी तीखी हो जाने वाली है। ममता पर राज्य को घुसपैठ, भ्रष्टाचार, स्त्रियों और हिन्दुओं पर अत्याचार और दुराचार का केंद्र बना देने का आरोप लगाकर गृह मंत्री अमित शाह ने विजय संकल्प कार्यकर्ता सम्मेलन में कार्यकताओं का हौसला बढ़ाया। उन्होंने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर राज्य में भ्रष्टाचार, ङ्कषहसा और घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उनके अनुसार दशकों तक हर क्षेत्र में देश का नेतृत्व करने वाले बंगाल में ममता दीदी ने आकर इस भूमि को घुसपैठ, भ्रष्टाचार, अपराध और हिन्दुओं पर अत्याचार का केंद्र बना दिया। शाह ने कार्यकताओं को जोश दिलाते हुए याद दिलाया कि यह वंदे मातरम के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की भूमि है। ज्ञान, धर्म, स्वतंत्रता संग्राम समेत हर क्षेत्र में देश का नेतृत्व करने वाले बंगाल में 'मां, माटी, मानुषइ का नारा देकर सत्ता में आने वाली ममता बनर्जी ने बंग भूमि को अपराध, बम धमाकों और हिन्दुओं पर अत्याचार का केंद्र बनाकर रख दिया है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान और तृणमूल कांग्रेस के चुनाव जीतने के बाद भाजपा के अनेक कार्यकताओं की हत्या की गई। बंगाल में ङ्कषहसा आज भी जारी है।

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

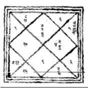

चौघड़िया

09:03 से 10:43 तक-चंचल
10:43 से 12:23 तक- लाभ
12:23 से 14.04 तक- अमृत
20:24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशि- आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। अगर आप एक स्टूडेंट हैं तो आपके लिए एक खुशखबरी है कि आज आपको करियर से रिलेटेड कोई शुभ सूचना मिल सकती है। कॉलेज में आपकी एक्टिविटी से आपके दोस्त खुश होंगे।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपको काम को पूरा करने के लिये कड़ी मेहनत करनी होगी नहीं तो आपका काम अधूरा रह भी सकता है। जो लोग आपको अभी तक ताना दे रहे थे आज उनको कुछ कर दिखाने का दिन है। आज आपको संतान की संगति की ओर विशेष ध्यान देना होगा।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। जो लोग होटल या रेस्टोरेंट जैसे बिजनेस से जुड़े हैं, उनके लिये दिन पहले से बेहतर रहेगा, आज आपका दिन ज्यादा लाभ कमाने का है। आज आपको जीवन और कार्यक्षेत्र दोनों जगहों पर पिता का सहयोग मिलेगा।

कर्क राशि- आज का दिन आपके लिए ठीकझठाक रहने वाला है। आज आपको व्यापार में उम्मीद से कुछ कम ही लाभ प्राप्त होगा। आज आप अपने जीवन को और बेहतर बनाने के लिए कोशिश करेंगे। आज आपके घर पर कुछ मेहमान आ सकते हैं, आपको खुशी होगी।

सिंह राशि- आज का दिन आपके जीवन में नई खुशियां लेकर आया है। आज किसी काम के सिलसिले से की गई यात्रा फायदेमंद रहेगी। साथ ही समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। परिवार में किसी रिश्तेदार के आगमन से घर में खुशी का माहौल बनेगा, आपकी मुलाकात कुछ खास लोगों से होगी।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज का दिन आपके फेवर में रहने से आपको खुशी होगी जिस काम का रिजल्ट अभी तक आपको निराश कर रहा था उसमें आपको सफलता मिलने के योग हैं। आज संतान को खुश देखकर आपको भी खुशी होगी।

तुला राशि- आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। बिजनेस कर रहे लोगों की बिक्री आज बढ़ेगी, अधिक आमदनी मिलेगी। सरकारी जॉब कर रहे लोगों के लिए आज का दिन बेहद अच्छा रहेगा, प्रमोशन होने के चांस हैं। बिजनेस के सारे रुके हुए कामों को आज आप पूरा कर लेंगे,

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन अच्छा रहेगा। बिजनेसमैन आज अपने बिजनेस को और आगे बढ़ाने के लिए किसी दूसरे बड़े व्यापारी से डील फाइनल करेंगे। राजनीति के कामों में आज आप ज्यादा रूचि लेंगे, आपके अच्छे कामों की आज तारीफ होगी। सोशल मीडिया से जुड़कर लोग अपनी अलग पहचान बनायेंगे।

धनु राशि- आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपको कोई अच्छी खबर मिलने के योग हैं यह खुशी आपके घर में बेटे के करियर को लेकर हो सकती है। आज ऑफिस में आपको कोई नया काम मिल सकता है, जिसे पूरा करके आपको भी खुशी होगी।

मकर राशि- आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपको किसी व्यक्ति से बातचीत करके खुशी मिलेगी साथ ही आप कुछ नया भी सीखेंगे। आज आप कोशिश करेंगे कि आपका व्यवहार सभी के प्रति अच्छा हो और किसी की भावनाओं को भी ठेस न पहुंचे।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपको पारिवारिक उलझनों से छुटकारा मिलेगा, आपका सही मार्गदर्शन घर के सभी सदस्यों के दिल में एक-दूसरे के प्रति प्यार बढ़ा देगा। आज किसी को दिए पैसे आपको मिल जायेंगे इससे आपको आर्थिक सपोर्ट मिलेगा साथ ही आप कुछ नया खरीदने का विचार करेंगे।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप ऑफिस में किसी काम को आसानी से करेंगे जिससे आपके जूनियर और सीनियर सभी तारीफ करेंगे, आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा साथ ही आपकी रेस्पेक्ट में भी इजाफा होगा।

मूंगफली के कम उपज के कारण

मानसून का समय पर न आना

इससे एक तो मूंगफली की बोनी में विलम्ब होता है। दूसरा जब यह सितम्बर आखिरी में जाने को होता है तो फसल में नमी पड़ जाती है। जिससे दाने कम भरते हैं व फसल को उखाड़ते समय खेत की मिट्टी कड़ी पड़ जाती है, जिससे कुछ फलियां खेत में ही टूट जाती हैं।

फसल काल में वर्षा की अपर्याप्तता

इससे फसल के तंतु निकलते समय खेत में नमी की कमी आ जाने से कुछ तंतु भूमि में प्रवेश नहीं कर पाते जिससे फलियों की संख्या में कमी आ जाती है।

परंपरागत किस्मों का लगाना

कृषक सदियों से पुरानी किस्में ही लगाता चला जा रहा है। उसके द्वारा नई सुझाई गई किस्में नहीं लगाई जाती, इसलिए भी उपज कम मिलती है।

बीजोपचार को न अपनाना

बीजोपचार कर बीज बोना लाभप्रद है किंतु अधिकांश कृषक आज भी बीजों को बीजोपचार करके नहीं बोते हैं।

पौध संरक्षण को कम अपनाना

कृषक कपास व अन्य फसलों के प्रति जितना सचेत हैं उतना मूंगफली के प्रति नहीं है। वह इसे अब घर उपयोग की फसल मानने लगा है। इस कारण इसकी उत्पादकता कम होती जा रही है।

भूमि का चुनाव

पानी का अच्छा निकास, हल्की से मध्यम रेतीली कछारी या दोमट भूमि हो। मूंगफली के लिए भुरभुरी मिट्टी सर्वथा उपयुक्त रहती है।

भूमि की तैयारी

तीन साल के अंतराल में एक बार गहरी जुताई अवश्य करें, इसके बाद दो बार देशी हल या कल्टीवेटर चलायें एवं बखर चलाकर, पाटा चलाकर भूमि की तैयारी करें। आखिरी बखरनी के समय ही 20 –25 टन अच्छी पकी हुई गोबर खाद प्रयोग अवश्य करें चाहिए क्योंकि यह भूमि के अंदर लगने वाली फसल है।

बीज का चुनाव

बीज स्वस्थ्य और उन्नत किस्म का हो, कटा–पिटा नहीं हो। 100–120 किलोग्राम/हेक्टर दाने बोने से पौध संख्या 3,33,000 के लगभग प्राप्त होती है।

उन्नत जातियां

तालिका–1: मूंगफली की प्रमुख जातियां

जातियां :– फूले प्रगति, जूनागढ़–11, एके 12–24,गंगापुरी,ज्योति, जेजीएन–3,जेजीएन–23

बीजोपचार

2 ग्राम थायरम या 1 ग्राम कार्बेन्डाजिम दवा प्रति किलो बीज की दर से बीजोपचार करें या जैविक उपचार ट्रायकोडर्मा 5 ग्राम चूर्ण प्रति 1 किलो बीज की दर से उपयोग करें। इसके बाद 5 ग्राम प्रति किलो बीज के मान से रायजोबियम कल्चर से भी उपचार करें।

कल्चर का प्रयोग

मूंगफली फसल में राइजोबियम कल्चर का प्रयोग अवश्य ही करें। क्योंकि मूंगफली की जड़ों में जो गठानें बनती हैं, इनमें वातावरण की नत्रजन को ज्यादा मात्रा में स्थिर करती है जिससे फसल व भूमि दोनों का फायदा होता है। कल्चर से उपचार के पहले बीजों को फफूंदनाशी दवा से उपचारित करें। इसके बाद राइजोबियम कल्चर के पांच पैकेट प्रति हेक्टेयर का प्रयोग करें। इसको लगाने के लिए 5 प्रतिशत गुड़ का घोल बनाकर फिर उसे ठंडा करें, इसके बाद कल्चर को उसी में मिलाकर फिर बीजों में डालकर हल्के से मिला लें। इसी प्रकार इसके बाद पी.एस.बी. (स्फुर घोलक जीवाणु) से भी उपचारित करें, या फिर बाद में जब फसल लगभग 20–30 दिन की हो जाये तब इसकी 5 किलोग्राम मात्रा+5 किग्रा राइजोबियम को 100 किग्रा गोबर खाद में मिलाकर रात भर रखा रहने दिया जावें तथा इसे दूसरे दिन एक हेक्टेयर के खेत में सुविधानुसार कतारों में डाल दें। कल्चर का प्रयोग इसी विधि से खेत की आखरी बखरनी के समय भी कर सकते हैं। इनका इस तरह प्रयोग करने से स्फुर की 25–30 प्रतिशत मात्रा कम की जा सकती है।

बोनी का समय एवं तरीका

वर्षा प्रारंभ होने पर जून के मध्य से लेकर जुलाई के प्रथम सप्ताह तक बोनी करें। बोनी कतारों में सरता, दुफन या तिफन से लगभग 4 सेमी गहराई पर करें। कतार से कतार की दूरी 30 सेमी तथा पौधे से पौधे की दूरी 8–10 सेमी रखें

खाद एवं उर्वरक

भूमि की तैयारी के समय गोबर खाद 20–25 टन प्रति हेक्टर प्रयोग करें। उर्वरक के रुप में 43 किलो यूरिया, 33 किलो म्यूरेट ऑफ पोटाश प्रति हेक्टर आधार रुप में देना चाहिए। यदि खेत में गोबर खाद तथा पीएसबी का प्रयोग किया जाता है तो स्फुर की मात्रा 300 किलो सिंगल सुपर फारफेट किलो प्रति हेक्टर की जगह मात्र 250 किलो प्रति हेक्टर ही पर्याप्त है। खाद की पूरी मात्रा आधार खाद के रुप में प्रयोग करें। मूंगफली फसल में गंधक का विशेष महत्व है। इसलिए 25 किलो प्रति हेक्टेयर के मान से गंधक अवश्य दिया जाना चाहिए। यदि यूरिया की जगह अमोनियम सल्फेट तथा फास्फेट के रुप में सिंगल सुपर फास्फेट का प्रयोग किया जाता है तो गंधक पर्याप्त मात्रा में मिल जाता है अन्यथा 2 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से जिप्सम या पाइराइटस का उपयोग आखिरी बखरनी के साथ करें। साथ ही 25 किग्रा/हेक्टर के मान से तीन साल के अंतर पर जिंक सल्फेट का प्रयोग अवश्य करें।

फसल की देखरेख में कम प्राथमिकता

कृषक मूंगफली को वह चाहे अच्छी उर्वरता वाली भूमि में लगाना हो या सिंचाई करना हो या पौध संरक्षण करना हो, खरपतवार नियंत्रण करना आदि में कपास की तुलना में बहुत कम प्राथमिकता देता है।

फसल में 40-45 दिन बाद अंत:कर्षण क्रियाएं न कर पाना

मूंगफली में बोने के 40–45 दिन बाद कर्षण क्रियाएं नहीं की जा सकती। इसलिए इसकी निंदाई–गुड़ाई आदि कार्य बंद हो जाते हैं। इसका भी उपज पर बहुत प्रभाव पड़ता है।

अनुशंसित एवं संतुलित पौध पोषण न देना

कृषकों द्वारा इस फसल में खाद व उर्वरक की अनुशंसित मात्रा का संतुलित उपयोग नहीं किया जाता इसका बहुत अधिक प्रभाव उपज पर पड़ता है।

सिंचाई

सिंचाई की सुविधा होने पर सूखे की अवस्था में पहला पानी 50–55 दिन में तंतु निकलने पर तथा दूसरा पानी 70–75 दिन में दाना भरते समय दें।

फसल कटाई

जैसे ही फसल पीली पड़ने लगे तथा प्रति पौधा 70-80 प्रतिशत फली जम जावे उस समय पौधों के उखाड़ लें। फलियों को धूप में इतना सुखायें कि नमी 8-10 प्रतिशत रह जावे तभी बोरों में रखकर भण्डारण नमी रहित जगह पर करें। भण्डारण के पूर्व बोरों को 1 प्रतिशत मैलाथियान के घोल में लगभग 25-30 मिनिट डूबोकर सुखा लें। तत्पश्चात फलियों को बोरों में सुरक्षित भण्डारण करें। समय समय पर इसकी देखभाल करें।

उपज

समयानुकुल पर्याप्त वर्षा होने पर खरीफ में मूंगफली की उपज लगभग 15 से 20 क्विंटल प्रति हेक्टर तक ली जा सकती है।

अरहर की कृषि कार्यमाला

भारत में अरहर की खेती लगभग 35 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में की जाती है तथा चने के बाद अरहर दूसरी प्रमुख दलहनी फसल है।

खेत का चयन

ऐसे खेत का चयन करें जिसमें पिछले वर्ष अरहर न उगाई गई हो। यदि किसी कारणवश ऐसा खेत चुना जाय तो यह ध्यान दें कि वही किस्म उगाई गई हो और उसकी आनुवांशिक शुद्धता तथा रोगों की स्थिति प्रमाणीकरण मानकों के अनुरुप थी। खेत में जल निकास की अच्छी व्यवस्था हो।

पृथक्करण दूरी

अरहर में आधार बीज उत्पादन के लिए 200 मीटर तथा प्रमाणित बीज उत्पादन के लिए 100 मी. पृथक्करण दूरी आवश्यक होती है।

खेत की तैयारी

खेत को एक बार मिट्टी पलटने वाले हल से और 2–3 बार हैरो चलाकर तैयार कर लिया जाता है। अंतिम जुताई से पूर्व दीमक की रोकथाम के लिए 20 किग्रा/ हे. की दर से क्लोरोपाइरीफास भूमि में मिला दें।

बुवाई :

यदि सिंचाई की सुविधा हो तो बुवाई जून के प्रथम सप्ताह में, अन्यथा जून के अंतिम या जुलाई के प्रथम सप्ताह में करें। पंक्ति से पंक्ति की दूरी 60–75 सेमी तथा पौध से पौध की दूरी 25–30 सेमी रखी जाये।

बीज 12–15 किग्रा प्रति हेक्टेयर पर्याप्त होता है। बीजों को बोने से पूर्व फंफूदनाशक तथा कल्चर से उपचारित कर लें।

उर्वरक

अरहर की बीज फसल के लिए 40 किग्रा. यूरिया, 315 किग्रा. फास्फोरस, 66 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के समय दें।

सिंचाई

आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें। यदि फूल आने के समय वर्षा न हो तो सिंचाई आवश्यक है।

फसल सुरक्षा

खरपतवार नियंत्रण

बुवाई के 40–45 दिन के भीतर 1–2 बार निंदाई–गुड़ाई करने से खरपतवार नहीं पनपते। बुवाई के 72 घंटे के अंदर 3 किग्रा लासो दवा 1000 ली. पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। अथवा 1.5 लीटर पेंडीमिथालीन 30 ईसी मात्रा 150–200 लीटर पानी में घोलकर भूमि में छिड़काव करें।

अवांछनीय पौधों को निकालना

अरहर की बीज फसल से दो बार पुष्पन तथा परिपक्व अवस्था पर भिन्न पौधों को फूलों के रंग, आकार, पत्तियों, शाखाओं व फलियों के लक्षणों के आधार पर पहचान कर निकालें। इसके साथ ही रोगग्रस्त पौधे निकालकर दबा या जला दिये जाते हैं।

कटाई-गहाई

जब अधिकांश फलियां पक जायें तो पौधों को काटकर 8–10 दिन खेत में ही सूखने के लिये छोड़ देना चाहिए। इसके बाद डंडे से पीटकर या जमीन पर पटक कर दाने निकाल लें। बीज को 4–5 दिन धूप में सुखाकर (8–9 प्रतिशत नमी स्तर तक) साफ बोरों में भरकर भंडारित करें।

उपज

उन्नत किस्मों के प्रयोग तथा उचित शस्य क्रियाओं का ध्यान रखने पर 20–22 कि.हे. बीज उपज प्राप्त की जा सकती है।

धरती आबा की प्रचार प्रसार रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

कोरिया बैकुंठपुर - कोरिया जिले में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान १५ जून से आरम्भ हुई है, जो ३० जून तक चलेगी। जिले के १५४ ग्रामों का चयन किया गया है। धरती आबा जनभागीदारी अभियान जागरूकता एवं लाभ संतृप्तिकरण शिविर के लिए रथ को अपर कलेक्टर अरुण कुमार मरकाम, जिला पंचायत के उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना रजवाड़े, सोनहत के विधायक प्रतिनिधि रामप्रताप मरावी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन शिविरों में ग्रामीणों को आधार कार्ड, राशन कार्ड, जाति/निवास प्रमाण पत्र, पेंशन योजनाएं, आयुष्मान भारत कार्ड, उज्वला गैस कनेक्शन, जनधन खाता, पीएम किसान निधि, मुद्रा लोन, विश्वकर्मा योजना समेत लगभग १७ योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को प्रदान किया जाएगा। इस अवसर गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

मुख्यमंत्री ने किया मेधावी श्रमिक पुत्री वंदना का सम्मान

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। रायपुर के न्यू सर्किट हाउस, सिविल लाइन में एक गरिमामय आयोजन में श्रमिक परिवारों के मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत किया गया था, जिसमें बोर्ड परीक्षा (10वीं एवं 12वीं) में टॉप 10 स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रतीकात्मक रूप से 1 लाख रुपये की सहायता राशि का चेक भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री, श्रम मंत्री एवं भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल के अध्यक्ष उपस्थित रहे, जिन्होंने विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इसी क्रम में मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले की प्रतिभावान छात्रा कुमारी वंदना सिंह पिता रामपाल सिंह, निवासी ग्राम नौढिया, विकासखंड भरतपुर को भी 10वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। सम्मान से न केवल छात्रा वंदना सिंह का मनोबल बढ़ा है, बल्कि जिले के अन्य श्रमिक परिवारों के बच्चों को भी आगे बढ़ने और शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने की प्रेरणा मिली है।

विकासित भारत और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की सिद्धि का स्वर्णिम काल-रामसेवक पैकरा

कोरिया बैकुण्ठपुर - भारतीय जनता पार्टी, जिला कार्यालय बैकुण्ठपुर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ११ वर्ष पूर्ण होने पर प्रेसवार्ता के माध्यम से केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं मोदी सरकार के विजन के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रमुख वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा, विधायक रेणुका सिंह, जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी, निवर्तमान जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे, राजेश सिंह, जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, विनोद साहू, जिला मंत्री बसंत राय, जिला सह मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े, जिला पंचायत उपाध्यक्ष वंदना राजवाड़े, नगर पालिका अध्यक्ष नविता शिवहरे, नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह, योगेन्द्र सिंह, पूर्व नपाध्यक्ष कुन्ती चक्रधारी, पूर्व मंडल अध्यक्ष कपिल जायसवाल, मंडल अध्यक्ष अनिल खटिक, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष हितेश प्रताप सिंह उपस्थित रहें। वन विकास निगम बोर्ड के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि, देश के इतिहास में मोदी सरकार का कार्यकाल स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा, यह कार्यकाल विकासित भारत और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की सिद्धि का स्वर्णिम काल बन रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ११ वर्ष की यह यात्रा मोदी जी ने १४० करोड़ देशवासियों के परिश्रम,त्याग और सपनों को सकार करने की दिशा निरंतर कार्य कर देश को आत्म निर्भर भारत बनाने की दिशा बढ़ रहा है।

फांसी पर झूलता मिला युवक-युवती का शव

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। युवक-युवती का शव पेड़ में फांसी के फंदे पर झूलता पाए जाने पर मनेंद्रगढ़ पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना की जा रही है।

रविवार को मनेंद्रगढ़ पुलिस को ग्राम पंचायत बाला में बेहलिया घाघी नदी के किनारे चार के पेड़ में साड़ी से फांसी के फंदे पर 2 अज्ञात युवक-युवती का शव झूलते पाए जाने की सूचना मिली। सूचना पर मनेंद्रगढ़ पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव के शिनाख्त के लिए आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ की। सरईपानी घुटरा निवासी चंद्रप्रताप सिंह ने युवक के शव की शिनाख्त अपने भाई अमर सिंह पिता प्रेम सिंह गोंड़ 24 वर्ष के रूप में की। वहीं मृतका की शिनाख्त फाटपानी घुटरा निवासी भगवान सिंह के द्वारा अपनी पुत्री चंपा बाई 20 वर्ष के रूप में की गई। जांच में सामने आया कि दोनों मृतक युवक-युवती एक साथ मजदूरी करते थे। 12 जून की रात 11 बजे दोनों अपने घर से निकले थे और इसके बाद वापस घर नहीं लौटे। परिजनों द्वारा उनकी खोजबीन की जा रही थी। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला प्रेम-प्रसंग का लगता है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

तेज आंधी से तहसील कार्यालय परिसर में गिरा पुराना नीम का पेड़

कोरिया बैकुंठपुर। रविवार की दोपहर शहर में अचानक तेज हवाओं के साथ मौसम ने करवट ली। दोपहर करीब ४ बजे के आसपास आई तेज आंधी से शहर के कई इलाकों में पेड़-पौधों को नुकसान पहुंचा। इसी दौरान बैकुंठपुर स्थित तहसील कार्यालय परिसर में वर्षों पुराना एक नीम का विशालकाय पेड़ आंधी के झोंकों से धराशायी हो गया। पेड़ की जड़ें कमजोर होने के कारण वह पूरे बल से सामने की ओर गिर गया। गनीमत रही कि इस दौरान वहां कोई कर्मचारी या आम नागरिक मौजूद नहीं था, अन्यथा किसी प्रकार की जनहानि की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता था। पेड़ गिरने से आसपास के क्षेत्र में कुछ समय के लिए आवागमन भी बाधित हो गया। पेड़ के गिरने से विद्युत आपूर्ति या किसी अन्य बड़ी क्षति की खबर नहीं है, लेकिन यह घटना यह संकेत देती है कि शहर में कई पुराने और कमजोर हो चुके पेड़ समय रहते हटाए नहीं गए हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

विश्व रक्तदाता दिवस पर एसईसीएल ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

कोरिया बैकुंठपुर। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्व रक्तदाता दिवस के शुभ अवसर पर ह्यद्गष्घ्य बैकुंठपुर क्षेत्र के तत्वाधान में कोयला मजदूर सभा ।।रूस्र श्रम संगठन के द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन ह्यद्गष्घ्य डिस्पेंसरी बैकुंठपुर में आयोजित किया गया रक्तदान शिविर का उद्घाटन राजेंद्र कुमार महाप्रबंधक (संचालन) बैकुंठपुर क्षेत्र एवं डॉ. आयुष जायसवाल सिविल सर्जन जिला चिकित्सालय बैकुंठपुर जिला कोरिया के द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में सीएमओ क्षेत्रीय चिकित्सालय चरचा डॉ. संजय सिंह ,क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक एल. के. तिर्की, स्टाफ ऑफिसर ई एंड एम श्री दास, डॉ. रोहित, ।।रूस्र के महामंत्री योगेन्द्र कुमार मिश्र ,कार्मिक प्रबंधक गौरव दुबे, ।।रूस्र के केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य राजेश अग्निहोत्री, रमेश जायसवाल, ।।रूस्र कटकोना अध्यक्ष अजय सिंह ।।रूस्र पांडवपारा के सचिव राजदेव राम ।।रूस्र चरचा वेस्ट के अध्यक्ष अशोक कुमार निर्मलकर,सचिव महेश कुमार , क्षेत्रीय मुख्यालय बैकुंठपुर के अध्यक्ष आशीष शुक्ल , गोपाल नारायण,देवेंद्र जायसवाल, मोहन बी. पी, संदीप उरांव, मुकेश कुमार,नीरज ठाकुर,संतोषकुमार, कुशल सिंह, रवि राजवाड़े ,मोहन सिंह अमन सिंह, राजन सिंह , भानु प्रताप, अविनाश शर्मा , चंद्र शेखर महतो, प्रवीण खलखो, विकास कुमार, अमन वर्मा, रवि कुर्रे, केशरी नंदन टीम के सभी सदस्य, कमलेश गुप्ता , सनी सिंह , राकेश चक्रधारी, विक्की सावरे, अवधेश राजवाड़े , कौशल चंद्रा, राजेंद्र कुमार महाप्रबंधक (संचालन) बैकुंठपुर क्षेत्र ने सर्व प्रथम उद्घाटन करने के बाद रक्तदान किए उनके बाद कोयला मजदूर सभा के महामंत्री योगेन्द्र कुमार मिश्र ने रक्तदान किया योगेन्द्र कुमार मिश्र वर्ष १९९१ से पीजी कालेज अम्बिकापुर में अध्ययन करते समय कॉलेज में खबर आया तो पहली बार होली क्रॉस हॉस्पिटल अम्बिकापुर में अपने साथी प्रदीप मिश्रा जो अभी भोपाल में डीएसपी है उनके साथ जाकर दोनों ने रक्तदान किया था उसके बाद लगातार प्रत्येक वर्ष रक्तदान कर रहे हैं साथ ही अपने श्रम संगठन कोयला मजदूर सभा (हिन्द मजदूर सभा) के द्वारा प्रत्येक वर्ष १४ जून को विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर रक्त दान शिविर का आयोजन कराते है साथ अपने आपको सौभाग्य शाली मानते है की विश्व रक्तदाता दिवस के दिन उनका जन्मदिन है।

रक्तदाताओं की सूची... १. राजेंद्र कुमार २ योगेन्द्र कुमार मिश्र ३. देवेन्द्र कुमार जायसवाल४. गोपाल नारायण यादव.५ अभिषेक द्विवेदी ६ मोहन सिंह ७. महेश कुमार ८ राजदेव राम ९ मोहन बीपी १०अशोक निर्मलकर ११. संदीप उरांव १२. नीरज ठाकुर.१३ संजय राय १४ मुकेश कुमार १५ भानु प्रताप १६अविनाश शर्मा १७ प्रवीण खलखो १८. राजन प्रसाद सिंह १९. चंद्र शेखर महतो २० अमन कुमार सिंह २१. रवि कुर्रे २२. अमन वर्मा २३ अहमद रजा २४ विपिन सिंह २५, कमलेश गुप्ता २६ अभिजीत दुबे २७, कौशल चंद्रा २८ संतोष कुमार २९.विपिन कुमार ३० विष्णु ३१ दारा सिंह ३२ सुमित लाल ३३ शुभम राजवाड़े ३४ धर्मराज ३५ मनीष ३६ अनीश कुमार सिंह ३७ अजय सेन ३८ सुनील यादव ३९ नितेश साहू ४० महेश देवांगन उपस्थित रहे।

मोदी सरकार के 11 सालों के कार्यकाल ऐतिहासिक है-रामसेवक पैकरा

डिजिटल इंडिया ने नए भारत की नींव को मजबूत किया है-विधायक रेणुका सिंह

कोरिया बैकुण्ठपुर - संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम के तहत प्रोफेशनल्स मीट एवं प्रदर्शनीय कार्यक्रम सांस्कृतिक भवन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर अतिथियों ने भारत माता, पं.दीनदयाल उपाध्यक्ष एवं डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के छायाचित्र पर द्वीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा, विधायक रेणुका सिंह, वक्ता नरेन्द्र सोनी, जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी, निवर्तमान जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे, राजेश सिंह, जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, विनोद साहू, जिला मंत्री बसंत राय, जिला सह मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े, जिला पंचायत उपाध्यक्ष वंदना राजवाड़े, नगर पालिका अध्यक्ष नविता शिवहरे, अरूण जायसवाल, नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह, जिला पंचायत सदस्य शिव कुमारी सोनपाकर, जनपद अध्यक्ष आशादेवी सोनपाकर, पूर्व नपाध्यक्ष कुन्ती चक्रधारी, नगर पंचायत उपाध्यक्ष गौरव अग्रवाल, अमित श्रीवास्त उपस्थित रहें। वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अमृत काल में देश हर क्षेत्र, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान , टेकनोलॉजी और पर्यावरण में लगातार प्रगति कर रहा है, हमारा लक्ष्य केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि एक शक्तिशाली भारत बनाना है जो विश्व मंच पर मजबूती से अपनी आवाज बुलंद करेंगा। यह अमृत काल महिला सशक्ति करण का युग है, उज्जवला और मुद्रा योजनाओं से माताओं-बहनों को असली ताकत मिली है, मोदी जी ने महिलाओं को राष्ट्र की शक्ति माना है, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, जल जीवन मिशन और प्रधानमंत्री आवास योजनाओं से सरकार का फोकस अंतिम व्यक्ति तक है। उन्होंने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिक्षा,स्वास्थ्य मजबूती राष्ट्रीय नीतियां, बेहतर प्रशासन, पारदर्शिता और डिजिटल इंडिया को प्राथमिकता दी है, डिजिटल इंडिया के माध्यम से गांव-शहर तक तकनीक पहुंची है, जिससे नवाचार और युवा उद्यमिता को बढ़ावा मिला है। भरतपुर-सोनहत विधायक रेणुका सिंह ने कहा कि, मोदी सरकार के पिछले ११ वर्षो में जहां नारी शक्ति विकास की परिधि से निकलकर केन्द्र में आई है, मध्यम वर्ग को रोजमर्रा की जिंदगी में सम्मान मिला है और साहसिक सुधारों ने व्यापार को नई उड़ान दी है वहीं डिजिटल इंडिया ने नए भारत की नींव को मजबूत किया है, आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत रक्षा निर्यात ३४ गुना बढ़कर २३,६२२ करोड़ तक पहुंच गया है साथ ही स्वदेशी हेलीकॉप्टर प्रचंड मिसाइल सिस्टम आकाश और ब्रम्होस का इस्तेमाल कर सेना ने अपने दुश्मनों को तबाह कर दिया, मोदी जी के साहस और दरदर्शी विजन के चलते ही भारतीय सशस्त्र बलों के ऑपरेशन सिंदूर (७ मई २०२५) में पीओके और पाकिस्तानी धरती पर ९ आतंकवादी कैंप और ११ एयर बेस ताबह किए गए। पिछले कांग्रेस सरकार के शासनकाल में देश ने वो भयावह दिन देखे है जब एक के बाद एक आतंकी हमले होते थे, और सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी रहती थी, मुम्बई २६/११ हमला हो, पुणे की जर्मन बेकरी, दिल्ली हाईकोट या हैदराबाद का दिलसुखनगर हर जगह लहूलुहान भारत, और दिल्ली का सत्ता में बैठी कांग्रेस सरकार सिर्फ शोक संदेश भेजती थी, वर्तमान समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में भारत की नीति में एक ऐतिहासिक बदलाव आया है अब भारत सुनता नही है, अब सीधा जवाब देता है, भारत की सैन्य ताकत और राजनीतिक इच्छाशक्ति को दुनिया के सामने रखा है। भाजपा की सरकार ने सिद्ध कर दिया है कि, आतंक के खिलाफ सिर्फ बाते नहीं, ठोस कदम भी उठाए जाते है, अब भारत डरता नही है अब भारत डटकर जवाब देता है। वक्ता नरेन्द्र सोनी ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार की उपलब्धियों और निर्णयों ने यह साफ कर दिया है कि भारत आज एक नई दिशा में, नए आत्मविश्वास और नए संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, सशक्त भारत-सुरक्षित भारत अग केवल एक विचार नहीं, बल्कि मोदी सरकार की नीति, नीयत और नेतृत्व का ठोस और जीवंत प्रमाण बन चुका है। जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने कहा कि, डबल इंजन की सरकार में छत्तीसगढ़ में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं, सरकार ने छत्तीसगढ़ नक्सलवाद मुक्त अभियान की दिशा कठोर कदम उठाया है आज बस्तर में विकास को नई रफ्तार दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के ११ सालों का कार्यकाल कई मायनों में ऐतिहासिक है। उनके दूरदर्शिता पूर्ण नेतृत्व में देश ने समावेशी विकास, समृद्धि और खुशहाली के नये दौर में कदम रखा है।

शाला प्रवेशोत्सव आज

नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर होगा अभिनंदन

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। 16 जून को जिले भर में शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही शिक्षा सत्र 2025-26 की नई शुरूआत होगी। प्रवेश उत्सव के दिन विद्यालय परिवार द्वारा जनप्रतिनिधियों, शाला विकास समिति, पालकों एवं स्थानीय गणमान्य नागरिकों को विशेष रूप से आमंत्रित किया जाएगा। पात्र हितग्राहियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों, गणवेश एवं साइकिल का वितरण किया जाएगा। नन्हे-मुन्ने नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर एवं अभिनंदन कर उनका उत्साहवर्धन किया जाएगा। इसके साथ ही प्रवेश उत्सव के दिन न्योता भोज का भी आयोजन होगा। विद्यालय परिवार द्वारा बोर्ड परीक्षा या स्थानीय परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा, साथ ही शिक्षण में सहयोग देने वाले उत्कृष्ट पालकों को भी सम्मानित कर प्रेरित किया जाएगा। यह सभी गतिविधियां शाला परिवार की ओर से छात्र हित में व्यक्तिगत रुचि लेकर संपन्न कराई जाएंगी, जिससे शिक्षा सत्र 2025-26 में जिले को उल्लेखनीय शैक्षिक उपलब्धियां प्राप्त हो सकेंगी।

विज्ञापन

बैकुंठपुर स्थित फर्म "श्री नरेंद्र कमर्शियल"
डिस्ट्रीब्यूटर - M.D.H. मसाले को सेल्स Representative (S.R.) की अतिशीघ्र आवश्यकता है,

* S.R. की नियुक्ति M.D.H. मसाले के कंपनी पे-रोल पर रहेगी।
* सैलरी - योग्यतानुसार
* बायो डाटा के साथ अतिशीघ्र सम्पर्क करें,
* स्थानीय युवकों को वरीयता

पता - "श्री नरेंद्र कमर्शियल" मिश्रा काम्प्लेक्स, भांड़ी, मेन रोड, बैकुंठपुर जिला कोरिया (छत्तीसगढ़)
संपर्क नंबर - 9340945160, 8889909241

शिविर में ग्रामीणों ने हितग्राहीमूलक सेवाओं का उठाया लाभ

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले के मनेंद्रगढ़ अनुविभाग के चिह्नांकित ग्राम बुंदेली में शासकीय योजनाओं के 100 प्रतिशत क्रियान्वयन एवं पूर्ण सैचुरेशन के लक्ष्य को लेकर विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य था कि केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ हर पात्र हितग्राही तक पहुँचे, ताकि किसी भी योजना से कोई भी पात्र नागरिक वंचित न रह जाए। बड़ी संख्या में ग्रामीण जनों ने शिविर में पहुंचकर अपने दस्तावेज अद्यतन करवाए, योजनाओं की जानकारी ली और विभिन्न हितग्राहीमूलक सेवाओं का लाभ उठाया।

शिविर में राजस्व विभाग, पंचायत विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, कृषि विभाग, समाज कल्याण विभाग, उद्यानिकी विभाग, श्रम विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी विभाग तथा आधार कार्ड संशोधन हेतु सीएससी की टीमें उपस्थित रहीं। इन विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने मौके पर ही पात्र हितग्राहियों के साथ संवाद स्थापित कर योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया और पंजीयन से लेकर लाभ दिलाने की दिशा में तत्परता से कार्य किया। शिविर की प्रगति पर यदि नजर डालें तो आज के प्रमुख कार्यों में शामिल रहा कि दोपहर 3 बजे तक 54 आधार कार्ड में संशोधन एवं अपडेटेशन की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी थी। इसके अतिरिक्त कई नागरिक और भी संशोधन हेतु प्रतीक्षा में थे जिनका कार्य आगे जारी रहा। वहीं कुल 32 नए आयुष्मान कार्ड बनाए गए और साथ ही सिकल सेल स्क्रीनिंग का कार्य भी शिविर स्थल पर ही किया गया, जिससे संभावित सिकल सेल पीड़ितों की पहचान की जा सके और उन्हें समय पर चिकित्सा परामर्श मिल सके। जाति प्रमाण पत्र हेतु 5 आवेदन शिविर में प्राप्त हुए, जिन्हें विभाग द्वारा प्रक्रिया में लिया गया है। साथ ही वन अधिकार पत्र जिनकी प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है, उनके वितरण के लिए आगामी 15 दिवस का लक्ष्य तय किया गया है, ताकि पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध तरीके से अधिकार पत्र सौंपे जा सकें। पशुपालन विभाग को शिविर में कुल 23 आवेदन प्राप्त हुए, जो विभिन्न पशु-कल्याण, अनुदान तथा चिकित्सा सेवाओं से संबंधित थे। इन आवेदनों पर शीघ्र कार्यवाही का आश्वासन विभागीय अमले द्वारा दिया गया। शिविर के समापन उपरांत सभी उपस्थित विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें उनके द्वारा की गई कार्यवाही की समीक्षा करते हुए यह निर्देश दिया गया कि आगामी 15 दिवसों के भीतर अपने-अपने विभागीय लक्ष्यों की पूर्णता सुनिश्चित करें। अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा गया कि शासन की मंशा है कि ग्राम बुंदेली को योजनाओं के पूर्ण सैचुरेशन की दिशा में आदर्श ग्राम के रूप में विकसित किया जाए। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन द्वारा आयोजित इस शिविर के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मांग की कि ऐसे शिविरों का आयोजन नियमित रूप से किया जाए, जिससे अंतिम पंक्ति तक बैठे व्यक्ति को योजनाओं का लाभ मिल सके।

इन विभागों के अधिकारी-कर्मचारी शिविर से रहे नदारत

शिविर में पीएचई विभाग, सीएसईबी, शिक्षा विभाग, वन विभाग एवं मत्स्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी शिविर में अनुपस्थित रहे, जिससे संबंधित योजनाओं की समीक्षा और लाभ वितरण प्रभावित रहा। संबंधित विभागों को आगामी शिविरों में अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

निर्देशक पूर्वाज, जो शुक्रा, मातारानी मौनामीदी और ए मास्टरपीस जैसी फिल्मों में अपनी अनूठी कहानी कहने के लिए जाने जाते हैं, अब किलर नामक एक महत्वाकांक्षी विज्ञान-फाई एक्शन थ्रिलर का निर्देशन कर रहे हैं। प्रभावशाली रूप से, पूर्वाज न केवल निर्देशन कर रहे हैं, बल्कि फिल्म में मुख्य भूमिका भी निभा रहे हैं।

फिल्म में ज्योति पूर्वाज मुख्य भूमिका में हैं, जबकि विशाल राज, दशरथ, चंदू और गौतम अन्य प्रमुख भूमिकाओं में हैं। किलर का निर्माण थिंक सिनेमा द्वारा मर्ज एक्सआर और एयू एंड आई के सहयोग से किया जा रहा है। यह पूर्वाज, प्रजय कामथ और ए. पद्मनाभ रेड्डी के सहयोग से दूसरी परियोजना है।

टेस्ट क्रिकेट: रविंद्र जडेजा का इंग्लैंड के खिलाफ कैसा रहा है प्रदर्शन? जानिए आंकड़े

नईदिल्ली,15 जून। टेस्ट क्रिकेट में रविंद्र जडेजा का इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ प्रदर्शन हमेशा चर्चा में रहा है। गेंद और बल्ले दोनों से उन्होंने कई अहम मौकों पर भारतीय क्रिकेट टीम को फायदा पहुंचाया है।

अब 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होने जा रही है, ऐसे में जडेजा एक बार फिर अहम भूमिका में नजर आ सकते हैं।

ऐसे में आइए इंग्लैंड के खिलाफ उनके आंकड़ों पर एक नजर डाल लेते हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ जडेजा ने पहला टेस्ट मैच साल 2012 में खेला था।

उन्होंने अब तक 20 टेस्ट मैच खेले हैं और इसकी 37 पारियों में 32.57 की औसत से 70 विकेट लेने में सफल रहे हैं।

इस स्टार ऑलराउंडर खिलाड़ी ने इस दौरान 2 बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किए हैं। उनका इस टीम के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7/48 का रहा है।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम (93) के बाद सबसे ज्यादा विकेट इंग्लैंड के खिलाफ ही लिए हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ जडेजा ने 20 टेस्ट मैचों की 33 पारियों में 2 बार नाबाद रहते हुए 33.25 की औसत से 1,031 रन बनाए हैं।

उनके बल्ले से 2 शतक और 6 अर्धशतक निकले हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 112 रन रहा है।

जडेजा ने अपने टेस्ट करियर में सिर्फ इंग्लैंड के खिलाफ ही 1,000 से ज्यादा रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके बल्ले से 705 रन निकले हैं।

इंग्लैंड में जडेजा ने पहला टेस्ट साल 2014 में खेला था।

उन्होंने वहां 12 मुकाबले खेले हैं और इसकी 21 पारियों में 43.48 की खराब औसत से सिर्फ 27 विकेट लिए हैं।

उनके नाम एक भी 5 विकेट हॉल नहीं है और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/79 का रहा है।

बल्लेबाजी में जडेजा ने 23 पारियों में 29.18 की औसत से 642 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 3 शतक और 13 अर्धशतक निकले हैं।

उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 104 रन है।

इस खिलाड़ी ने अपना पहला टेस्ट मैच साल 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ ही खेली था।

उन्होंने अब तक 80 मुकाबले खेले हैं और इसकी 150 पारियों में 24.14 की औसत से 323 विकेट लेने में सफल रहे हैं।

उन्होंने 13 बार 4 विकेट हॉल और 15 बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7/42 का रहा है।

बल्लेबाजी में इस खिलाड़ी ने 118 पारियों में 34.74 की औसत से 3,370 रन बनाए हैं।

टेस्ट क्रिकेट: इंग्लैंड में भारत के खिलाफ इन बल्लेबाजों ने बनाए हैं सबसे ज्यादा रन

नईदिल्ली,15 जून। टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड की धरती पर भारतीय गेंदबाजों को कई दिग्गज बल्लेबाजों ने कड़ी चुनौती दी है। समय-समय पर कुछ बल्लेबाज ऐसे भी रहे हैं जिन्होंने भारत के खिलाफ जमकर रन बनाए और भारतीय क्रिकेट टीम की मुश्किलें बढ़ाई हैं।

अब जब 20 जून से भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होने जा रही है तो आइए नजर डालते हैं उन बल्लेबाजों पर जिन्होंने इंग्लैंड में भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाए हैं।

इस सूची में पहले स्थान पर इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट हैं।

उन्होंने इंग्लैंड में भारत के खिलाफ पहला मुकाबला साल 2014 में खेला था।

इस खिलाड़ी ने अब तक 15 मुकाबले खेले हैं और इसकी 25 पारियों में 74.95 की उम्दा औसत के साथ 1,574 रन बनाए हैं।

उनके बल्ले से 7 शतक और 5 अर्धशतक निकले हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 180* रन है।

भारतीय गेंदबाजों के लिए इस बार भी रूट बड़ी चुनौती होंगे।

इस सूची में दूसरे स्थान पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और दिग्गज सलामी बल्लेबाज एलिस्टेयर कुक हैं।

उन्होंने भारत के खिलाफ इंग्लैंड में अपना पहला टेस्ट 2007 में खेला था और आखिरी बार 2018 में मैदान पर उतरे थे।

कुक ने 17 मैचों की 28 पारियों में 44.29 की औसत से 1,196 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 2 शतक और 5 अर्धशतक निकले।

उनका सर्वोच्च स्कोर 294 रन रहा, जो आज भी यादगार है।

तीसरे नंबर पर इंग्लैंड के पूर्व स्टार बल्लेबाज ग्राहम गूच हैं, जिन्होंने अपने दौर में भारत के खिलाफ इंग्लैंड में शानदार प्रदर्शन किया था।

उन्होंने 10 टेस्ट मैचों की 17 पारियों में 66.70 की उम्दा औसत से 1,134 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 4 शतक और 4 अर्धशतक जड़े थे।

1990 में लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में खेली गई उनकी 333 रन की ऐतिहासिक पारी आज भी टेस्ट इतिहास के सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर में गिनी जाती है।

चौथे स्थान पर इंग्लैंड के तकनीकी रूप से बेहद दक्ष बल्लेबाज रहे इयान बेल का नाम आता है।

उन्होंने भारत के खिलाफ इंग्लैंड में 12 टेस्ट मैचों की 19 पारियों में 52.15 की औसत से 991 रन बनाए थे।

इस दौरान उनके खाते में 3 शतक और 3 अर्धशतक शामिल रहे। बेल का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 235 रन था।

अपने शांत स्वभाव और जबरदस्त बल्लेबाजी के लिए पहचाने जाने वाले बेल ने भारत के खिलाफ कई अहम पारियां खेलीं थी।

इंग्लैंड दौरे के लिए बीसीसीआई ने किया नए कोच का ऐलान, गौतम गंभीर की लेंगे जगह

स्पोर्ट्स डेस्क : शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम इस समय इंग्लैंड दौरे पर है, जहां टीम को इंग्लिश टीम के खिलाफ २० जून से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। टीम के साथ हेड कोच गौतम गंभीर भी इंग्लैंड गए थे, लेकिन मां को दिल का दौरा पड़ने के बाद उन्हें भारत वापस लौटना पड़ा। गंभीर की गैरमौजूदगी में अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण टीम की तैयारियों की देखरेख के लिए अंतरिम कोच के तौर पर मैदान में उतरे हैं।

'रेवस्पोर्ट्स' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, लक्ष्मण को हेडिंग्ले टेस्ट के लिए जिम्मेदारी संभालने को कहा है। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख लक्ष्मण भारत की अंडर-१९ टीम के यूनाइटेड किंगडम के एक महीने के दौरे से पहले ही लंदन में हैं। ऐसे में वह जल्द ही टीम के साथ जुड़ सकते हैं। गंभीर कब टीम से जुड़ेंगे, इसको लेकर फिलहाल कोई स्पष्टता नहीं है। लेकिन उनकी गैरमौजूदगी में सहायक कोच सीतांशु कोटक, मोर्ने मोर्केल और रेयान टेन डोएशेट ने अस्थायी रूप से कोचिंग का कार्यभार संभाल लिया है।

इंट्रा-स्क्वाड मैच खेल रही है टीम इंडिया

टीम इंडिया बेकेनहैम में इस समय ट्रेनिंग ले रही है और इंडिया ए के खिलाफ इंट्रा-स्क्वाड मैच खेल रही है। इंट्रा-स्क्वाड मैच की बात करें तो इंडिया ए के लिए सरफराज खान ने जोरदार शतक जड़ा। उन्हें इस शतक के दम पर सिलेक्टर्स की टेंशन बढ़ा दी है, क्योंकि करुण नायर ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहले मैच में दोहरा शतक बनाया था।

२० जून से शुरू हो रही टेस्ट सीरीज

टीम इस मैच के बाद लीड्स के लिए रवाना होगी, जहां २० जून से पहला टेस्ट मैच शुरू होगा। टीम इंडिया इस सीरीज के साथ ही इंग्लैंड में १८ साल से टेस्ट सीरीज नहीं जीत पाने का सूखा खत्म करना चाहेगी। भारत ने आखिरी बार इंग्लैंड की धरती पर साल २००७ में जीत हासिल की थी, जब टीम ने राहुल द्रविड़ की अगुवाई में इंग्लैंड को तीन मैचों की सीरीज में १-० से हराया था।

छोटी खबरें

बीसीसीआई ने भारतीय घरेलू क्रिकेट ढांचे में बड़े बदलावों का किया ऐलान

मुंबई,15 जून। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2025-26 घरेलू सत्र के लिए ढांचे में अहम बदलाव किए हैं और नए सत्र का पूरा कार्यक्रम भी जारी कर दिया है।

बीसीसीआई के मुताबिक अब दलीप ट्रॉफी एक बार फिर क्षेत्रीय टीमों के बीच खेली जाएगी, जिनका चयन जोनल चयनकर्ता करेंगे।

वहीं, रणजी ट्रॉफी में प्लेट और एलीट ग्रुप से सिर्फ एक-एक टीम को पदोन्नत और अवनत किया जाएगा। यह कदम घरेलू क्रिकेट को और प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए उठाया गया है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में अब नॉकआउट की जगह सुपर लीग स्टेज होगा। ग्रुप स्टेज से क्वालीफाई करने वाली 8 टीमें 2 ग्रुप-ए और बी में बांटी जाएंगी। हर ग्रुप में 4 टीमें होंगी और सभी एक-दूसरे से मैच खेलेंगी। दोनों ग्रुप की शीर्ष टीमें सीधे फाइनल खेलेंगी। यही नया प्रारूप सीनियर महिला टी-20 ट्रॉफी में भी लागू होगा।

बीसीसीआई का मकसद खिलाडि ?ों को ज्यादा मुकाबले खेलने का मौका देना है। विजय हजारे ट्रॉफी, सीनियर महिला वनडे ट्रॉफी और पुरुष अंडर-23 स्टेट- ए ट्रॉफी में अब टीमों को पिछले साल की तरह नहीं बांटा जाएगा। 2024-25 तक इन टूनार्मेंटों में 8-8 टीमों के 3 और 7-7 टीमों के दो ग्रुप होते थे, लेकिन अब से 4 एलीट समूह और एक प्लेट समूह बनाया गया है। टीमों को उनके अंक, जीत और नेट रन रेट जैसे पैमानों पर रैंक करके इन समूहों में रखा गया है।

जिन टीमों की रैंकिंग अंक, जीत और नेट रन रेट जैसे पैमानों पर सबसे कम रहती है, उन्हें सीमित ओवरों के टूनार्मेंट में सीधे प्लेट समूह में भेजा जाएगा। नया घरेलू सत्र 28 अगस्त 2025 से दलीप ट्रॉफी के साथ शुरू होगा और 3 अप्रैल 2026 को सीनियर महिला अंतर-क्षेत्रीय मल्टी-डे ट्रॉफी के साथ समाप्त होगा।

बीसीसीआई का यह सत्र लगभग 5 महीने लंबा होगा और पूरे देश में विभिन्न मैदानों पर आयोजित किया जाएगा।

हाउसफुल 5 बॉक्स ऑफिस कलेक्शन डे 8: अक्षय कुमार की फिल्म ने पहले ही हफ्ते में तोड़ा दम, सिंगल डिजीट में पहुंची कमाई

हैदराबाद: हैदराबाद: तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित हाउसफुल 5 दुनियाभर के सिनेमाघरों में 6 जून को रिलीज हुई. फिल्म ने चार दिनों में ही 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया था लेकिन अब इसकी कमाई थोड़ी धीमी हो गई है. फिल्म वर्ल्डवाइड 200 करोड़ के करीब पहुंच गई है, वीकेंड पर फिल्म ये आंकड़ा पार कर सकती है. हालांकि एक हफ्ता पूरा होते-होते फिल्म की कमाई सिंगल डिजिट पर आ गई है. जानें फिल्म की आठवें दिन की कमाई. मीडिया ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन स्टारर हाउसफुल 8 का एक हफ्ते का घरेलू कलेक्शन 127 करोड़ हो गया है. वहीं वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो इसका आंकड़ा मेकर्स ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है. जिसके मुताबिक फिल्म का एक हफ्ते का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 191.73 करोड़ हो गया है. सैकनिल्क के मुताबिक फिल्म ने आठवें दिन अब तक सिर्फ 6 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. इसके साथ ही टोटल कलेक्शन 133.25 करोड़ हो गया है. कमाई में गिरावट के बीच, सफल हाउसफुल सीरीज की पांचवीं किस्त ने 8वें दिन हिंदी में 11.71 प्रतिशत की कमाई दर्ज की. मॉर्निंग शोज की ऑक्यूपेंसी 5.51 प्रतिशत और नाइट शो की ऑक्यूपेंसी 16.85 प्रतिशत रही.

---------------------------- व्यापार/फिल्म ----------------------------

स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है भिंडी, जानिए इसके फायदे

भिंडी एक ऐसी सब्जी है, जो न केवल स्वाद में लाजवाब है, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसमें विटामिन्स, मिनरल्स और फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो हमारे शरीर को कई तरह के लाभ प्रदान कर सकते हैं। यह सब्जी खासतौर पर मधुमेह और पाचन समस्याओं से ग्रस्त लोगों के लिए बहुत फायदेमंद होती है।

आइए जानते हैं कि भिंडी को अपनी डाइट में शामिल करने से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

मधुमेह के स्तर को नियंत्रित रखने में है सहायक

मधुमेह एक गंभीर बीमारी है, जिससे लाखों लोग प्रभावित होते हैं। भिंडी का सेवन मधुमेह के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद कर सकता है।

इसमें मौजूद कुछ खास तत्व इंसुलिन के स्तर को संतुलित रखने में सहायक होते हैं। इसके अलावा भिंडी में मौजूद फाइबर रक्त शर्करा के स्तर को स्थिर रखने में भी मदद करता है। इसलिए मधुमेह रोगियों के लिए भिंडी को अपनी डाइट में शामिल करना फायदेमंद हो सकता है।

पाचन क्रिया को स्वस्थ रखने में है मददगार

भिंडी फाइबर का अच्छा स्रोत होने के कारण पाचन क्रिया को स्वस्थ रखने में मदद कर सकती है।

इसमें मौजूद फाइबर भोजन को आसानी से पचाने में सहायक होता है, जिससे कब्ज, गैस जैसी समस्याओं से राहत मिलती है।

इसके अलावा भिंडी में मौजूद तत्व पाचन तंत्र को मजबूती देते हैं और उसकी कार्यक्षमता को बेहतर बनाते हैं। इसलिए रोजाना थोड़ी मात्रा में भिंडी का सेवन करने से पाचन क्रिया बेहतर रहती है।

हृदय स्वास्थ्य के लिए है फायदेमंद

भिंडी का सेवन दिल के स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद तत्व दिल की बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं और रक्तचाप को नियंत्रित रखते हैं। इसके अलावा भिंडी में मौजूद फाइबर खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करता है, जिससे दिल से जुड़ी समस्याओं का खतरा कम होता है।

भिंडी में पोटेशियम भी होता है, जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में सहायक होता है।

त्वचा की समस्याओं को करता है दूर

भिंडी में विटामिन-सी की भरपूर मात्रा होती है, जो त्वचा की समस्याओं जैसे मुंहासे, दाने आदि को दूर करने में मदद करता है।

विटामिन-सी त्वचा को निखार देने के साथ-साथ उसे स्वस्थ बनाए रखने में भी सहायक होता है।

इसके अलावा भिंडी में मौजूद तत्व त्वचा को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों से बचाते हैं और उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करते हैं।

बालों की गुणवत्ता में सुधार करने में है सक्षम

बालों की गुणवत्ता सुधारने के लिए भी भिंडी बहुत उपयोगी साबित हो सकती है।

इसमें मौजूद विटामिन्स बालों की जड़ों तक पहुंचते हुए उन्हें मजबूती देते हैं, जिससे बाल टूटते नहीं हैं।

इसके अलावा यह बालों की लंबाई बढ़ाने में मददगार होता है। भिंडी में मौजूद फाइबर बालों की जड़ों तक पहुंचते हुए उन्हें पोषण प्रदान करता है, जिससे बाल स्वस्थ रहते हैं।

बॉक्स ऑफिस से लेकर टीवी तक छाया पुष्पा 2: द रूल, अल्लू अर्जुन का दबदबा बरकरार!

अल्लू अर्जुन वाकई में आज की तारीख में सबसे बड़े सुपरस्टार हैं. नेशनल अवॉर्ड जीतने से लेकर बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने तक, उन्होंने हर मोर्चे पर अपनी बादशाहत साबित कर दी है. पुष्पा 2: द रूल की जबरदस्त कामयाबी से उन्होंने सिनेमाघरों में तूफान खड़ा कर दिया, और अब टीवी पर भी उनका जलवा बरकरार है , जहाँ उन्होंने 5.1 की शानदार टीवीआर रेटिंग के साथ टॉप पोजिशन हासिल की है.

बड़े पर्दे पर रिकॉर्ड तोड़ ब्लॉकबस्टर. छोटे पर्दे पर भी रिकॉर्डतोड़ धमाका,पुष्पा2दरूल (हिंदी) ने मचाया रिकॉर्डतोड़ धमाल झ्र 5.1 टीवीआर के साथ 5.4 करोड़ लोगों तक पहुंच! आइकॉनिक रूल अब भी जारी है. अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2: द रूल ने एक और रिकॉर्ड तोड़ दिया है, और इस बार मुकाबले में सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर को भी पीछे छोड़ दिया है. 5.1 की जबरदस्त टीवीआर रेटिंग के साथ फिल्म ने देश की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली टी20 लीग को भी मात दे दी, जिसकी एवरेज रेटिंग 3.9 रही. यह वाकई फिल्म की जर्नी का बेहद खास मुकाम है. यह अल्लू अर्जुन के जादू की ताकत है, जो हर प्लेटफॉर्म पर

रोजाना कुछ मिनट जरूर करें बर्पी एक्सरसाइज, मिलेंगे कई स्वास्थ्य लाभ

बर्पी एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो आपको बिना किसी उपकरण के फिट रख सकती है। यह एक पूरी शरीर की एक्सरसाइज है, जिसे करने से आपका शरीर मजबूत होता है और कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। इसे करने से न केवल आपका वजन नियंत्रित रहता है, बल्कि आपकी सहनशक्ति भी बढ़ती है।

इस लेख में हम आपको बर्पीज के फायदे बताएंगे, जिससे आप इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित हो सकें।

वजन नियंत्रित करने में है सहायक

बर्पीज एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो पूरे शरीर को प्रभावित करती है। इसे करने से कैलोरी बर्न होती है, जिससे वजन नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

रोजाना 10-15 मिनट बर्पीज करने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है और शरीर की चर्बी घटती है। यह एक्सरसाइज खासतौर पर पेट की चर्बी कम करने में बहुत प्रभावी होती है। इसके नियमित अभ्यास से आपका शरीर सुडौल होता है और आप फिट महसूस करते हैं।

सहनशक्ति बढ़ाने में है मददगार

बर्पीज करने से आपकी सहनशक्ति बढ़ती है। इसे करने से दिल की धड़कन तेज होती है, जिससे दिल मजबूत होता है और फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है।

नियमित रूप से बर्पीज करने से शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ती है, जिससे थकान कम होती है और ऊर्जा स्तर ऊंचा रहता है।

यह एक्सरसाइज न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक रूप से भी आपको मजबूत बनाती है, जिससे आप अधिक सक्रिय और ऊर्जावान महसूस करते हैं।

मांसपेशियों को मजबूती प्रदान करने में है सहायक

बर्पीज करते समय हाथों, पैरों और पेट की मांसपेशियां सक्रिय रहती हैं, जिससे ये मजबूत होती हैं।

इस एक्सरसाइज के दौरान शरीर के कई हिस्से एक साथ काम करते हैं, जिससे मांसपेशियों को संतुलित विकास मिलता है। नियमित रूप से बर्पीज करने से शरीर की ताकत और सहनशक्ति बढ़ती है। यह एक्सरसाइज न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक रूप से भी आपको मजबूत बनाती है, जिससे आप अधिक सक्रिय और ऊर्जावान महसूस करते हैं।

दिल के स्वास्थ्य के लिए है फायदेमंद

बर्पीज एक कार्डियोवैस्कुलर एक्सरसाइज है, जो दिल को स्वस्थ रखने में मदद करती है। इसे करने से रक्त प्रवाह बेहतर होता है और रक्तचाप नियंत्रित रहता है।

नियमित रूप से बर्पीज करने से दिल की धड़कन तेज होती है, जिससे दिल मजबूत होता है और फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है।

यह एक्सरसाइज न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक रूप से भी आपको मजबूत बनाती है, जिससे आप अधिक सक्रिय और ऊर्जावान महसूस करते हैं।

लचीलेपन को बढ़ावा देने में है सहायक

एडीईओ की परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

रायपुर। व्यापम द्वारा सहायक विकास विस्तार अधिकारी (एडीईओ) की परीक्षा 15 जून को आयोजित हुई। इस परीक्षा में रायपुर जिले में 95 परीक्षा केंद्र बनाए गए जिसमें कुल 38673परीक्षार्थी में से 25815 उपस्थित हुए परीक्षा शांति पूर्ण सम्पन्न हुई।

न्यूज गैलरी

खुशखबरी...क्रिकेट प्रेमियों को फिर मिलेंगे इंटरनेशनल मैच देखने का अवसर

रायपुर। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह क्रिकेट स्टेडियम को चौथी बार अंतरराष्ट्रीय मैच की मेजबानी मिल गई है। दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद न्यूजीलैंड की टीम जनवरी में भारत के दौरे पर आ रही है। दौरे में न्यूजीलैंड तीन वनडे और पांच टी-20 मैच खेलेगा, जो अलग-अलग वेन्यू में होंगे। बता दें बीसीसीआई कोषाध्यक्ष प्रभतेज सिंह भाटिया ने जब पद संभाला था तभी कहा था कि उनकी पूरी कोशिश होगी रायपुर के स्टेडियम में इंटरनेशनल मैच का आयोजन हो और छत्तीसगढ़ के क्रिकेट प्रेमी इसका आनंद उठा सकें। उनके प्रयास से शेड्यूल में आखिर यह मैच भी जुड़ गया। जानकारी के अनुसार रायपुर में क्रिकेट मैच के आयोजन के लिए बीसीसीआई ने वेन्यू फाइनल कर लिया है। आगामी दिनों में भारत और न्यूजीलैंड के बीच क्रिकेट मैच की श्रृंखला होनी है,जारी शेड्यूल के अनुसार भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी 20 मैच 23 जनवरी 2026 को रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं, इससे पहले वीर नारायण सिंह स्टेडियम में दक्षिण आफ्रीका और भारत के बीच तीन वनडे और दो टी20 मैचों की प्रतियोगिता होनी है। इस सीजरी का दूसरा वनडे मैच 3 दिसंबर को खेला जाना है, जिसका आयोजन शहीद वीर नारायण सिंह क्रिकेट स्टेडियम में ही होना है। इंटरनेशनल मैच आयोजन किया जाना क्रिकेट प्रेमियों के लिए बड़ी खुशखबरी है।

सूर्या माल और उसके आसपास कुल 8 स्पा सेंटर्स पर एक साथ छापा

00 पुलिस ने 10 लड़कियों और 3 युवकों को हिरासत में लिया

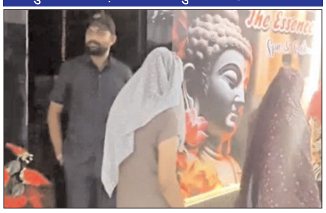

भिलाई। भिलाई में स्पा सेंटरों की आड़ में चल रहे देह व्यापार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस की टीम ने शनिवार रात सूर्या माल और उसके आसपास कुल 8 स्पा सेंटर्स पर एक साथ रेड डाली। इस दौरान तीन स्पा सेंटर्स में अनैतिक गतिविधियां करते हुए पुलिस ने 10 लड़कियों और 3 युवकों को रंगे हाथों पकड़ा। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, इनके पास से कई आपत्तिजनक वस्तुएं, ग्राहकों की सूची, रजिस्टर और डिजिटल सबूत भी बरामद किए गए हैं। इसे लेकर स्थानीय नागरिकों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि स्पा सेंटरों की आड़ में महीनों से यह गोरखधंधा चल रहा था, लेकिन स्थानीय प्रशासन की चुप्पी ने शक पैदा किया था। अब पुलिस की कार्रवाई के बाद उम्मीद है कि इस तरह के सेंटरों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल के निर्देश पर जिले भर में अवैध गतिविधियों पर सख्ती से नजर रखी जा रही है। एएसपी पद्मश्री तंवर को गुप्त सूचना मिली थी कि सूर्या माल स्थित कुछ स्पा सेंटर्स में लंबे समय से सेक्स रैकेट चल रहा है। इस पर उन्होंने एक विशेष टीम गठित कर स्मृति नगर चौकी पुलिस और महिला बल के सहयोग से शनिवार रात एक साथ 8 जगहों पर रेड की। पुलिस ने सूर्या माल के अंदर और आसपास मौजूद कुल 8 स्पा सेंटर्स में छापेमारी की, जिनमें से 3 सेंटरों में सेक्स रैकेट की पुष्टि हुई। बाकी 5 सेंटरों में कोई संदिग्ध गतिविधि नहीं मिली, आशंका जताई जा रही है कि उन्हें रेड की भनक पहले ही लग गई थी। पुलिस को मौके से कंडोम, आपत्तिजनक दवाइयां, क्लाइंट डिटेल्स से जुड़ी डायरी, सीसीटीवी फुटेज और अन्य सामग्री भी बरामद हुई।

सात दिनी योग महोत्सव का आज से हुआ शुभारम्भ, योग आयोग के अध्यक्ष, पुलिस महानिदेशक और कुलपति सहित हजारों लोग हुए शामिल

00 योग जीवन जीने की कला है - सिन्हा, 00 जल और धरती का सम्मान करना सीख जाएं तो जीवन संवर जाएगा - गौतम
00 योग दिवस मनाने से भारतीय दर्शन की श्रेष्ठता पूरे विश्व पटल पर अंकित - प्रो. शुक्ला

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में आज से सात दिवसीय योग महोत्सव का शुभारम्भ छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूप नारायण सिन्हा, पुलिस महानिदेशक अरूण देव गौतम, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सच्चिदानन्द शुक्ला, ब्रह्माकुमारी सविता दीदी, नारकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरो के अधीक्षक अनिल कुमार, भारतीय योग संस्थान के अध्यक्ष मुकेश सोनी और ब्रह्माकुमारी चन्द्रकला दीदी ने दीप प्रज्वलित करके किया।

इस अवसर पर बोलते हुए छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूप नारायण सिन्हा ने कहा कि योग जीवन जीने की कला है। मन को शान्त रखने का सर्वश्रेष्ठ उपाय है योग। उन्होंने योग के विषय -एक धरती और एक स्वास्थ्य के लिए योग की चर्चा करते हुए कहा कि सूर्य न हों, पेड़ न हों तो हमारा जीवन भी नहीं रहेगा। हमारी भारतीय संस्कृति श्रेष्ठ और गौरवमयी है। यह सबको जोडने. वाली है। छिनने वाली नहीं बल्कि बाँटकर खाने वाली संस्कृति है। पूरे विश्व में सिर्फ हमने अपने देश को माता माना है। माँदेने वाली होती है। सभी सुखी हों और सबका मंगल हो यही हमारी संस्कृति है। हम पूरे विश्व को अपना परिवार मानकर चलते हैं। मनुष्य स्वस्थ रहे और प्रकृति ठीक रहे यही कामना है। उन्होंने बतलाया कि ऋषि माना रिसर्च करने वाला।

पुलिस महानिदेशक अरूण देव गौतम ने कहा कि जब हम हम व्यायाम करते हैं तो स्वयं को प्रकृति और शरीर के साथ जोड़ते हैं। योग करने से अच्छा स्वास्थ्य मिलता है। मन से जुड़ते हैं तो मन को शान्ति मिलती है। राजयोग में आत्मा का परमात्मा से सम्बन्ध जोड़ते हैं तो शरीर और प्रकृति दोनों को फायदा मिलता है। हम जल और धरती का सम्मान करना सीख जाएं तो पर्यावरण सुधरेगा और फलस्वरूप हमारा जीवन भी संवर जाएगा। हम सुख-शान्ति से जीवन यापन कर सकेंगे। जीवन में सन्तुलन जरूरी है।

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सच्चिदानन्द शुक्ला ने कहा कि जिस दिन प्रणानमंत्री की सलाह मानकर संयुक्त राष्ट्र संघ ने योग दिवस मनाने की घोषणा की उस दिन सारे विश्व में भारतीय दर्शन की श्रेष्ठता विश्व पटल पर स्थापित हुई। पूरे वर्ष में 21 जून का दिन सबसे बड़ा होता है इसलिए इस दिन को योग दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि योग जीवन्तता का प्रतीक है। यह जीवन की उर्जा को बढ़ाने वाला है। भारतीय दर्शन सर्व के सुख की कामना करता है। इस वर्ष उनके वि.वि. में योग की मास्टर डिग्री के साथ ही पी.एच.डी. की पढ़ाई भी शुरू होने जा रही है।

ब्रह्माकुमारी संस्थान की रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने बतलाया कि योग शब्द का अर्थ होता है जोडना। अध्यात्म के सन्दर्भ में आत्मा का सम्बन्ध परमात्मा से जोडना ही सच्चा योग है। उन्होने आगे कहा कि योग दिवस मनाने से लोगों में योग के प्रति जागरूकता बढ़ी है। उन्होंने नकारात्मक और व्यर्थ विचारों से बचने की सलाह देते हुए कहा कि इससे आत्मा की शक्तिनष्ट होती है। अन्त में उन्होंने सभा में उपस्थित लोगों को राजयोग का व्यावहारिक अभ्यास भी कराया। समारोह को सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक हरीलाल, भारतीय योग संस्थान के अध्यक्ष मुकेश सोनी और वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी चन्द्रकला दीदी ने भी सम्बोधित किया। प्रारम्भ में छत्तीसगढ़ योग आयोग के मुख्य प्रशिक्षक छबिलाल साहू और श्रीमती ज्योति साहू की टीम ने अर्धचक्रासन, ताड़ासन, पाद हस्तासन और त्रिकोणासन सहित कुछ प्राणायाम जैसे कि कपालभाँति, अनुलोम-विलोम तथा सिपली प्राणायाम का लोगों को अभ्यास कराया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने पुलिस महानिदेशक अरूण देव गौतम, योग आयोग के अध्यक्ष रूप नारायण सिन्हा, कुलपति प्रो. सच्चिदानन्द शुक्ला, नारकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरो के अधीक्षक अनिल कुमार, मुख्य प्रशिक्षक छबिराम साहू और भारतीय योग संस्थान के अध्यक्ष मुकेश सोनी को शॉल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया।

आदिवासी समाज के स्वाभिमान और विकास को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाएगा चरण पादुका योजना- मरकाम

00 विकास के लिए प्रतिबद्ध सरकार का एक ठोस कदम है

रायपुर। अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के प्रदेश अध्यक्ष विकास मरकाम ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा चरण पादुका योजना के पुनः प्रारंभ किए जाने पर सराहना करते हुए कहा माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की सुशासन सरकार, आदिवासी हितैषी सरकार ने तेंदूपत्ता संग्राहकों के कल्याण हेतु एक बार फिर चरण पादुका योजना को पुनः प्रारंभ करने की घोषणा की है। यह योजना भारतीय जनता पार्टी के संकल्पपत्र 'मोदी की गारंटी' का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसे पूरा करके हमारी सरकार ने आदिवासी समाज के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को सिद्ध किया है।

चरण पादुका योजना का उद्देश्य तेंदूपत्ता संग्राहकों, विशेषकर आदिवासी समुदाय के लोगों को जंगलों में कार्य के दौरान सुरक्षा और सुविधा प्रदान करना है। यह योजना न केवल उनके पैरों को चप्पलों के माध्यम से सुरक्षा प्रदान करती है, बल्कि उनके स्वाभिमान को भी बढ़ाती है। यह आदिवासी समाज के विकास के लिए प्रतिबद्ध सरकार का एक ठोस कदम है, जो यह सुनिश्चित करता है कि समाज का प्रत्येक वर्ग विकास की मुख्यधारा में शामिल हो।

पूर्व में कांग्रेस सरकार द्वारा इस महत्वपूर्ण योजना को बंद करना आदिवासी समाज के प्रति उनकी उदासीनता का प्रतीक था। इसके विरुद्ध हमने भाजपा अजजा मोर्चा के माध्यम से शसक्त आंदोलन भी किया, ताकि इस योजना को पुनः शुरू करने की मांग को बल मिले। साथ ही, भाजपा के घोषणा पत्र समिति को इस योजना को शामिल करने हेतु हमने सुझाव भेजे थे, जो 'मोदी की गारंटी' के रूप में जनता के सामने प्रस्तुत हुआ। आज, माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में यह वादा पूरा होने से आदिवासी स्वाभिमान को नया बल मिला है। यह योजना तेंदूपत्ता संग्राहकों को आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह आदिवासी हितैषी सरकार की उस सोच को दशार्ता है, जिसमें प्रत्येक आदिवासी परिवार की खुशहाली और आत्मनिर्भरता सर्वोपरि है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र और छत्तीसगढ़ की डबल इंजन सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मंत्र को साकार कर रही है।

हमारी सरकार ने न केवल चरण पादुका योजना को पुनर्जनन दिया, बल्कि तेंदूपत्ता संग्रहण की दर को 4,000 रुपये से बढ़ाकर 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा करने, पीएम वन धन केंद्र और आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय जैसे कदमों के माध्यम से आदिवासी समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्य किया है। यह सुशासन सरकार का परिचायक है, जो पारदर्शिता, जवाबदेही और जनकल्याण के प्रति समर्पित है। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी और केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने 'मोदी की गारंटी' को साकार कर आदिवासी समाज के स्वाभिमान और विकास को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है।

बच्चों ने लिया संकल्प - चातुर्मास में धर्म आराधना से जुड़ेंगे, साधु साध्वियों के सानिध्य में करेंगे धार्मिक अनुष्ठान

रायपुर। खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वर जी द्वारा प्रतिष्ठित श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी , भैरव सोसायटी में आज प्रातः से ही बच्चों ने आगामी चातुर्मास में धर्म आराधना से जुड ?का संकल्प लिया , पूर्वाभ्यास के रूप में जिनपुजन व गुरुवंदना का अभ्यास भी किया। श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि आगामी 9 जुलाई से जैन धर्म का चातुर्मास आरम्भ होने जा रहा है। जैन धर्म में भगवान महावीर स्वामी ने चतुर्विध संघ के लिए वषार्वास के चार माह एक स्थान में रहकर धार्मिक क्रियाओं में जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त किया है। जैन साधु साध्वियों के लिए चातुर्मास काल में निश्चित सीमा के बाहर विचरण प्रतिबंधित रहता है। एक नगर में रहकर स्वयं भी साधना करना है व जनसमुदाय को धार्मिक अनुष्ठान से जोड ?ा होता है। राजधानी रायपुर में इस वर्ष जैन दादाबाड़ी एम जी रोड़ में जैन साध्वी श्री हँसकीर्ति श्री जी , ज्ञानवल्लभ उपाश्रय विवेकानंद नगर में उपाध्याय श्री महेन्द्र सागर जी , महावीर जिनालय न्यू राजेन्द्र नगर में उपाध्याय श्री मनीष सागर जी , हिरसूरी भवन भैरव सोसायटी में श्री प्रियदर्शी विजय जी गुरुभगवंतों का चातुर्मास होगा। चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी भैरव सोसायटी में आज बच्चों ने चातुर्मास में विराजमान साधु संतों के सानिध्य में धर्म आराधना करने का निश्चय दोहराया है। श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी भैरव सोसायटी में चातुर्मास आरम्भ 9 जुलाई बुधवार गुरुपूर्णिमा 10 जुलाई गुरुवार 21 दिवसीय दादागुरुदेव इक्तिसा जाप सोमवार 28 जुलाई से 17 अगस्त रविवार तक ,पर्युषण पर्व 20 अगस्त बुधवार से प्रारंभ 24 अगस्त रविवार महावीर जन्मवांचन , 27 अगस्त बुधवार संवत्सरी महापर्व मनाया जाएगा।

मान देशी फाउंडेशन और सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन नक्सल प्रभावित क्षेत्र में खेल संस्कृति और प्रतिभा को बढ़ावा देने करेगा 50 खेल मैदान विकसित

दंतेवाड़ा। जिले में नक्सलियों का प्रभाव धीरे-धीरे कम हो रहा है इसलिए प्रशासन ने मान देशी फाउंडेशन और सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन के साथ मिलकर 'मैदान कप' की शुरूआत की है। इसके तहत दंतेवाड़ा में खेल संस्कृति और प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए 50 खेल के मैदान विकसित किए जाएंगे। दंतेवाड़ा के कलेक्टर कुणाल दुदावत ने बताया, "इस परियोजना के तहत सामुदायिक भागीदारी से अब तक जिले में कम से कम 20 खेल के मैदान विकसित किए गए हैं और अक्टूबर तक लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा।"

पिछले साल राज्य सरकार ने बस्तर क्षेत्र के दंतेवाड़ा और छह अन्य जिलों की खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए बस्तर ओलंपिक 2024 का आयोजन किया था। इसका उद्देश्य नक्सल प्रभावित और संवेदनशील जिलों की खेल प्रतिभाओं को खेलों के माध्यम से दुनिया से जोड ?ा था। इसी तर्ज पर हमने सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन और मान देशी फाउंडेशन के सहयोग से खेल प्रतिभाओं को और बढ़ावा देने के लिए बच्चों और युवाओं को समर्पित खेल के मैदान उपलब्ध कराने के लिए मैदान कप शुरू करने का फैसला किया। दुदावत ने कहा कि पहले चरण में 50 गांवों में इतने ही खेल के मैदान विकसित किए जाएंगे और अगले चरण में इसे पूरे जिले में दोहराया जाएगा।13 विभिन्न खेलों की सुविधाओं के साथ 20 खेल के मैदान विकसित किए गए हैं जिनमें रनिंग ट्रैक, गोला फेंक, भाला फेंक, चक्का, लंबी कूद, वॉल क्लाइंबिंग आदि शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन स्वयं भी खेल के मैदानों का निर्माण कर सकता था लेकिन विचार यह था कि युवाओं और बच्चों को आकर्षित करने के लिए समुदाय और सचिन तेंदुलकर जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों को इसमें शामिल किया जाए। हम चाहते हैं कि अगला सचिन तेंदुलकर, नीरज चोपड़ा और पीटी उषा बस्तर से आएं। इस पहल के तहत अपने क्षेत्रों में खेल के बेहतरीन मैदान विकसित करने वाली पंचायतों को स्केटिंग पार्क से पुरस्कृत किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन एक आवासीय खेल शहर भी बना रहा है जहां क्षेत्र के पदक जीतने की क्षमता वाले शीर्ष खिलाडि ?ों को विशेष प्रशिक्षण मिलेगा। इस खेल शहर में क्रिकेट, फुटबॉल और हॉकी के मैदान, स्विमिंग पूल और अन्य खेल सुविधाएं होंगी।

छत्तीसगढ़ की शिक्षा में एक साहसिक छलांग, कोई भी स्कूल अब शिक्षक विहीन नही

00 एकल शिक्षकीय स्कूलों में 80 फीसद की गिरावट
00 10,372 स्कूलों का एकीकरण, शिक्षकों का व्यापक युक्तियुक्तकरण
00 छात्रों को मिलेगी बेहतर शैक्षणिक सुविधा

रायपुर। राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, छत्तीसगढ़ सरकार ने अपने स्कूलों और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण की एक व्यापक और सार्थक पहल की है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के प्रावधानों के अनुरूप मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में यह दूरगामी सुधार, वास्तव में राज्य की शिक्षा व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने और लंबे समय से चली आ रही शैक्षिक विसंगतियों के समाधान का कारगर प्रयास है।

युक्तियुक्तकरण से पहले, छत्तीसगढ़ राज्य के ग्रामीण अंचल की शालाओं में शिक्षकों की कमी, नगरीय इलाकों और उसके समीप की शालाओं में जरूरत से ज्यादा शिक्षकों की पदस्थपना के कारण शिक्षा प्रभावित हो रही थी और इसका असर बच्चों के परीक्षा परिणाम पर भी पड़ रहा था। राज्य के लगभग 212 प्राथमिक शालाएं और 48 पूर्व माध्यमिक शालाएं पूरी तरह से शिक्षक विहीन थीं, जबकि 6,872 प्राथमिक शालाएं और 255 पूर्व माध्यमिक शालाएं केवल एक शिक्षक के साथ संचालित हो रही थीं। इसके अतिरिक्त 211 शालाएं ऐसी थीं जहाँ छात्र संख्या शून्य थी, लेकिन शिक्षक पदस्थ थे। इसके अलावा, 166 शालाओं को समायोजित किया गया, इसमें ग्रामीण क्षेत्रों की 133 शालाएं शामिल थीं, जिनकी दर्ज संख्या 10 से कम थी और दूरी 1 किमी से कम थी, तथा शहरी क्षेत्रों की 33 शालाएं थीं, जिनकी दर्ज संख्या 30 से कम थी और दूरी 500 मीटर से कम थी। इन चुनौतियों के बावजूद, छत्तीसगढ़ का छात्र-अध्यापक अनुपात (पीटीआर) राष्ट्रीय औसत से उल्लेखनीय रूप से बेहतर था, प्राथमिक शालाओं के लिए पीटीआर-20 था, जबकि राष्ट्रीय औसत 29 है और पूर्व माध्यमिक शालाओं के लिए पीटीआर-18 था, जबकि राष्ट्रीय औसत 38 है। हालांकि, वितरण असमान था। राज्य में लगभग 17,000 प्राथमिक शालाएं और लगभग 4,479 पूर्व माध्यमिक शालाएं थीं, जिनका पीटीआर-20 से कम था। अकेले शहरी क्षेत्रों में 527 ऐसे विद्यालय थे, जिनका पीटीआर-10 से कम था, जिनमें 15 या उससे अधिक शिक्षकों वाली 08 प्राथमिक शालाएं, 10-15 शिक्षकों वाली 61 शालाएं और 6-9 शिक्षकों वाली 749 प्राथमिक शालाएं थीं, ये आंकड़े

बेहतर संसाधन आवंटन की जरूरत को दर्शाते हैं। इस पहल का मुख्य बिंदु एक ही परिसर में संचालित लगभग 10 हजार 372 शालाओं का एकीकरण था, जिनमें प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक, हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूल शामिल थे। इस विलय से कई लाभ मिलने की उम्मीद है, जिनमें शाला त्यागी छात्रों की संख्या में कमी और छात्रों को बार-बार स्थानांतरण प्रमाण पत्र लेने की आवश्यकता का समाप्त होना शामिल है। यह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने, छोटी कक्षाओं के छात्रों को बड़ी कक्षाओं के छात्रों का सहयोग प्राप्त होने, और कंप्यूटर, विज्ञान प्रयोगशाला, खेल-कूद तथा सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से शैक्षणिक समझ और अभिरुचि में वृद्धि के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास में भी सहायक होगा। इस दृष्टिकोण से प्रशासनिक व्यवस्था भी सुदृढ़ होगी। विद्यालयों के समायोजन के साथ-साथ, जिला, संभाग और राज्य स्तर पर काउंसलिंग के माध्यम से एक महत्वपूर्ण शिक्षक युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया भी की गई। इस प्रक्रिया के तहत जिला स्तर पर लगभग 13 हजार 793 शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किया गया। संभाग स्तर पर 863 का और राज्य स्तर पर 105 शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किया गया। युक्तियुक्तकरण अभियान के प्रारंभिक परिणाम अत्यधिक आशाजनक हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शिक्षा विभाग का कहना है कि कोई भी विद्यालय बंद नहीं किया जा रहा है और कोई भी शिक्षक पद समाप्त नहीं हो रहा है। इसके बजाय ध्यान बेहतर अधोसंरचना वाले विद्यालयों का संचालन सुनिश्चित करने पर है। युक्तियुक्तकरण के पश्चात राज्य में शिक्षक विहीन विद्यालयों की संख्या शून्य हो गई है। एकल शिक्षकीय शालाओं की संख्या में प्रभावशाली 80 प्रतिशत की कमी आई है अब लगभग 1,200 शालाएं एकल शिक्षकीय हैं। एक ही परिसर में स्थित 10,372 विद्यलायों का एकीकरण और 166 ग्रामीण एवं शहरी विद्यालयों का समायोजन पूरा हो चुका है। इससे लगभग 89 प्रतिशत विद्यार्थियों को बार-बार प्रवेश प्रक्रिया से मुक्ति मिलेगी। छात्रों को अतिरिक्त शिक्षक उपलब्ध होंगे और विद्यालय की समय सारिणी एवं अन्य गतिविधियों में अधिक एकरूपता रहेगी। इस पहल का उद्देश्य उपचारात्मक शिक्षण द्वारा छात्रों की समझ को बेहतर बनाना भी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू कर-के, छत्तीसगढ़ न केवल वर्तमान कमियों को दूर कर रहा है, बल्कि एक ऐसे भविष्य के लिए एक मजबूत नींव रख रहा है। जहाँ प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच प्राप्त होगी, जिससे समग्र विकास और शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा मिलेगा। युक्तियुक्तकरण का यह कदम एक अधिक कुशल, न्यायसंगत और प्रभावी शैक्षिक वातावरण बनाने के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन, नमनाकला, अम्बिकापुर, सरगुजा (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित, 0 प्रधान संपादक-महेन्द्र सिंह टुटेजा,Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ RNI No. 50247/89 ■ Postal Regn No./ छ.ग./रायगढ़/009/2016 से 2018 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com

C M Y K

सरगुजा संभाग

अम्बिकावाणी

■ सरगुजा ■ कोरिया ■ सूरजपुर ■ बलरामपुर ■ जशपुर

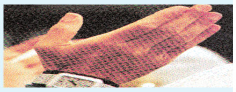

रिस्पेक्ट मांगने से नहीं धारणा करनेसे मिलता है।

रामगढ़ महोत्सव में हुआ सरस कवि-सम्मेलन का आयोजन - 10

अम्बिकापुर सोमवार, 16 जून 2025

■योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य देन,इसे नियमित जीवन शैली में अपनाएं...- 12

बर्थडे मनाने मैनपाट गए 3 दोस्त हादसे का शिकार: तेज रफ्तार में बाइक खंभे से टकराई, एक की मौत

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
शनिवार को बर्थडे मनाने के लिए मैनपाट पहुंचे बाइक सवार हादसे का शिकार हो गए। तेज रफ्तार में युवकों की बाइक बेकाबू होकर सड़क किनारे बिजली खंभे से जा टकराई। हादसे में तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान एक युवक की मौत हो गई। दो अन्य को अंबिकापुर रेफर कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, शनिवार को सीतापुर थाना क्षेत्र के तीन युवक नीरज खलखो (२० वर्ष) निवासी गुतुरमा, साइल एक्का (१९ वर्ष) और आकाश बरवा (१७ वर्ष) दोनों निवासी धरमपुर बाइक में सवार होकर बर्थडे सेलिब्रेट करने मैनपाट पहुंचे थे। युवकों की बाइक शाम को कुनिया में नर्सरी के पास तेज रफ्तार में बेकाबू हो गई और सड़क से उतरकर बिजली के खंभे से जा भिड़ी।

हादसे में तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। डायल ११२ की टीम ने तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मैनपाट में दाखिल कराया। इलाज के दौरान नीरज खलखो की मौत हो गई। नीरज खलखो के सिर में गंभीर चोटें आई थी। वहीं घायल साइल एक्का और आकाश बरवा को अंबिकापुर रेफर कर दिया गया है। दोनों को भी हादसे में गंभीर चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलने पर परिजन मैनपाट पहुंच गए थे। कमलेश्वरपुर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राशन वितरण में एक माह का चावल गायब ग्रामीण एसडीएम कार्यालय का करेंगे घेराव

धौरपुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
जनपद पंचायत लुंडरा अंतर्गत ग्राम चित्तरपुर में महिला समूह द्वारा रासन वितरण में सिर्फ दो माह का चावल देने पर ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिला.। जो १६जून को धौरपुर एसडीएम कार्यालय का घेराव करेंगे।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा चावल उत्सव के तहद जून, जुलाई, अगस्त, माह का एक साथ चावल ग्रामीणों को वितरण करना है जिसके तहद लगभग सभी ग्राम पंचायतो में वितरण किया जा रहा है। जबकी चित्तर पुर में दो माह का चावल हीं कार्ड धारियों को दिया जा रहा है। जब ग्रामीण इसका विरोध किये तो बाद में देने की बात कही गई। जिससे ग्रामीण आक्रोषित हो आंदोलन करने की चेतावनी देने लगे उसी दिन रासन दुकान बंद है। आज ग्रामीणों ने एकत्रित हो कर निर्णय लिए की १६जून को चित्तरपुर से पैदल मार्च कर धौरपुर एसडीएम कार्यालय का घेराव करते हुए भूख हड़ताल पर बैठेंगे। ग्राम के शिक्षित ग्रामीण ने बताया की रासन दुकान महिला सहायता समूह के नाम पर है परन्तु सरपंच द्वारा अपने आदमी बैठा कर रासन का वितरण करवाता है चार दिन से रासन दुकान बंद है।

इस सम्बन्ध में फूड इंस्पेक्टर श्री जात्रे से संपर्क करने पर उन्होंने बताया की उन पर पहले से जाँच चल रही है हम पूरे तीन माह का चावल दिलवाएंगे।

14 लाख के 2010 किलो सिलिकॉन मैंगनीज गबन करने वाले 2 गिरफ्तार,

जगदलपुर। जिले के नगरनार थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएमडीसी नगरनार स्टील प्लांट के लिए ट्रक के चालक और हेल्पर ने बेली एलॉय कंपनी के 2010 किलो सिलिकॉन मैंगनीज का ट्रक से लेकर रवाना हुआ था। जिसका बीच रास्ते में ही ट्रक मालिक के साथ मिलकर ट्रक के चालक और हेल्पर ने गबन कर लिया। इस मामले की जानकारी मिलते ही 12 जून को बेली एलॉय कंपनी विजयनगरम के मालिक अंगद चतुर्वेदी ने पुलिस से शिकायत की, जिसके बाद आज रविवार को पुलिस ने 14 लाख 7033 रुपए के 2010 किलो सिलिकॉन मैंगनीज पार करने के आरोप में 2 आरोपियों ट्रक चालक सुदीप कुमार ओझा और हेल्पर रुद्र नारायण धल को ट्रक सहित गिरफ्तार किया गया है, वहीं ट्रक मालिक दीप्ति रंजन नायक फरार है।

कंपनी से सिलिकॉन मैंगनीज माल लेकर आते समय रास्ते में दो हजार किलो माल को कोसागुमड़ा पेट्रोल पंप के पास उतारा गया, जिसे ट्रक मालिक दीप्ति रंजन नायक ले गया।

आखिर कब 'काशी' की तरह अलौकिक नजारा दिखेगा

कन्हर नदी के तट पर,कई प्रयास पर घाट निर्माण को मंजूरी नहीं तीन तात्कालिक कलेक्टरों ने किए थे घाट निर्माण के प्रयास

रामानुजगंज (अम्बिकावाणी समाचार)।
आजादी के पूर्व से रामानुजगंज नगर पालिका बन गया था यहां की सभी प्रमुख मंदिर काशी के समान कन्हर नदी के तट पर स्थित है यहां पर राम मंदिर घाट से महामाया मंदिर घाट होते शिव मंदिर घाट काशी के समान घाट निर्माण की मांग लंबे समय से नगरवासियों की रही है।परंतु अब तक कई बार प्रयास होने के बाद भी घाट का निर्माण के लिए मंजूरी नहीं मिल पाई है जिससे नगरवासियो में मायूसी है।

क्षेत्र की जीवनदायनी माने जाने वाली कन्हर नदी के तट को सुसज्जित बनाने का प्रयास कई बार जनप्रतिनिधियों के द्वारा किया गया परंतु सफलता नहीं मिल सकी। पहले नगर की बड़ी आबादी कन्हर नदी का उपयोग स्नान ध्यान में करती थी परंतु जब से एनीकट का निर्माण हुआ तब से नदी में हो रहे गंदगी एवं रेत भर जाने का राम मंदिर घाट का उपयोग नगरवासी नहीं कर पा रहे हैं। जबकि यह पहले सबसे प्रमुख घाट हुआ करता था जहां सुबह से ही स्नान ध्यान करने वालों की भारी भीड़ लग जाती थी। तत्कालिक कलेक्टर एलेक्स पाल मिलन की स्थानांतरण की १ दिन पूर्व रामानुजगंज में छठ घाट के लिए ५० लाख रुपए मंजूर किए थे। जिसके बाद छठ घाट का निर्माण हुआ था उन्हें इस बात का अफसोस था कि राम मंदिर घाट से शिव मंदिर घाट तक घाट का निर्माण नहीं कर सका। वही तात्कालिक कलेक्टर अवनीश शरण भी यहां घाट निर्माण के लिए प्रयासरत रहे। तात्कालिक कलेक्टर विजय दयाराम के प्रशासनिक अमले के साथ घाट निर्माण के लिए निरीक्षण करने आए थे तब उन्होंने कहा था कि हम ऐसा घाट बनाएंगे जिसे देखने लोग दूर से आएंगे इसके लिए उन्होंने कार्य योजना भी तैयार करने की बात कही थी परंतु इस बीच उनका स्थानांतरण हो गया एवं यह ठंडा बस्ते में चला गया।

वन विभाग से भी यहां घाट निर्माण का हुआ था प्रयास

पौधा रोपण के साथ यहां पर घाट निर्माण के लिए वन विभाग के द्वारा भी कार्य योजना तैयार किया गया था । परंतु घाट निर्माण के लिए वन विभाग की ओर से राशि स्वीकृत नहीं हो सके जिस कारण से वन विभाग की कार्य योजना भी लंबित हो गई। तात्कालिक वन विभाग के अधिकारी संतोष पांडे इसके लिए बहुत प्रयास किये।

झारखंड से छत्तीसगढ़ घुसते ही बन जाएगा तो दिखेगा सुंदर नजारा

यदि यहां राम मंदिर घाट से शिव मंदिर घाट तक घाट का निर्माण हो जाता है तो घाट का सुंदर नजारा झारखंड से छत्तीसगढ़ प्रवेश करते ही नजर आएगा जो छत्तीसगढ़ की खूबसूरती की बानगी पेश करेगा। यहां सुसज्जित घाट निर्माण की मांग लंबे समय से पूरे नगरवासियों के द्वारा की जाती रही है।

काशी के समान अलौकिक नजारा दिखेगा रामानुजगंज में

यदि यहां घाट का निर्माण हो जाता है तो यहां काशी के समान अलौकिक नजारा दिखेगा यहां की प्रमुख मंदिर है राम मंदिर, मां महामाया मंदिर, रानी सती मंदिर, शिव मंदिर कन्हर घाट के किनारे स्थित है। घाट निर्माण के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाकर कार्य करने की आवश्यकता है।

सरस्वती महाविद्यालय में प्री पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
नगर के सरस्वती महाविद्यालय सुभाष नगर अंबिकापुर में प्री पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा सत्र २०२४-२५ का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। शोधार्थियों की कुल संख्या १५८ थी जिसमें १५५ शोधार्थी उपस्थित एवं ३ शोधार्थी अनुपस्थित थे । एक शोधार्थी कंप्यूटर साइंस से एक शोधार्थी पॉलिटिकल साइंस से एवं एक शोधार्थी कॉमर्स से अनुपस्थित रहे । उपरोक्त परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति जी के द्वारा औचक निरीक्षण भी किया गया।
संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय से नियुक्त पर्यवेक्षक प्रवीण कुमार अग्रवाल डिप्टी रजिस्ट्रार असीम केरकेट्टा सहायक प्राध्यापक डॉ धीरज कुमार यादव सहायक प्राध्यापक, डॉक्टर जुनैद खान सहायक प्राध्यापक विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग एवं सरस्वती महाविद्यालय के प्राचार्य/वरिष्ठ केंद्राध्यक्ष ऋषि सिंह, केंद्राध्यक्ष किशन कुमार सारथी सहायक केंद्राध्यक्ष धर्मेंद्र श्रीवास्तव के नेतृत्व में सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

विसंगतिपूर्ण युक्तियुक्तकरण के विरोध स्वरूप काली पट्टी लगाकर स्कूल जायेंगें सरगुजा के शिक्षक

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
शिक्षक साझा मंच के जिला संचालक कमलेश सिंह, सर्वजीत पाठक व संदीप पांडेय ने संयुक्त रूप से बयान जारी करते हुए बताया कि प्रांतीय संचालक मंडल की बैठक में लिए गए निर्णय अनुसार जिले में भी विसंगतिपूर्ण युक्तियुक्त करण के विरोध में शिक्षक काली पट्टी लगाकर १६ जून से विद्यालय जायेंगे तथा शाला प्रवेशोत्सव में भी काली पट्टी के साथ ही शामिल होंगे । ज्ञात हो कि पूरे प्रदेश के साथ साथ सरगुजा जिले में भी त्रुटि पूर्ण युक्तियुक्त करण की प्रक्रिया को लेकर शिक्षकों में आक्रोश व्याप्त है तथा शिक्षक साझा मंच के बैनर तले जिले के हजारों शिक्षकों ने रैली निकलते हुए संयुक्त संचालक शिक्षा एवं संभाग आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर विसंगतिपूर्ण अतिशेष सूची को निरस्त कर नए सिरे से सूची प्रकाशित करते हुये काउंसलिंग कराने की मांग की है । परंतु शासन प्रशासन की ओर कोई सकारात्मक जवाब नही मिलने के कारण अब शिक्षक साझा मंच ने दूसरे तरीके से अपना विरोध जताने का निर्णय लिया है , जिसके अंतर्गत १६ जून से प्रदेशभर के समस्त शिक्षक काली पट्टी लगाकर स्कूल जाएंगे। शाला प्रवेश उत्सव के कार्यक्रमों सहित स्कूलों में आयोजित तमाम गतिविधियों में काली पट्टी लगाकर ही सम्मिलित होंगे। शाला प्रवेशोत्सव में आए सभी जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों व आम नागरिकों को युक्त युक्तिकरण से होने वाले नुकसान की जानकारी देंगे। सरकार द्वारा स्कूलों को बंद करने, प्रत्येक शाला से कम से कम एक शिक्षक की कटौती करने, प्रधान पाठको के पद समाप्त करने सहित तमाम नुकसानों से आम ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों को अवगत कराएंगे। आगामी जुलाई माह में एक दिन तिथि तय करके सभी विकासखंड मुख्यालयों में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करेंगे।

घर के बाहर खड़ी बाइक ले गए चोर

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। जयनगर थाना क्षेत्र के ग्राम गणेशपुर निवासी दिनेश पिता राजपाल मिश्रा ४५ वर्ष की बाईक को अज्ञात चोरों ने घर के बाहर से पार कर दिया।दिनेश मिश्रा ने पुलिस में दर्ज कराए शिकायत में बताया कि एनएच ४३ में आकाशवाणी केंद्र सिलफिली के सामने उसके नए घर के बाहर खड़ी उसकी एचएफ डीलक्स बाइक को अज्ञात चोरों ने गत ११ जून के रात करीब दस बजे पार कर दिया।वह बाइक खड़ी कर पड़ोस में गया था तभी चोरों ने वारदात को अंजाम दिया।काफी खोजबीन के बाद भी पता नहीं चलने पर मामले की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज कराई।पुलिस अज्ञात आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा ३०३(२)के तहत केस दर्ज किया है।

डायरिया से बचाव हेतु सरगुजा जिले में विशेष अभियान प्रारंभ

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
गर्मी और वर्षा के मौसम में डायरिया या दस्त बीमारियों के रोकथाम के लिए सरगुजा जिले में १५ जून से लेकर ३१ जुलाई तक डायरिया रोकथाम कार्यक्रम के तहत विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य डायरिया से होने वाली ५ वर्ष से कम उम्र के बच्चों में मौत को पूरी तरह से रोकना है। स्वच्छता के प्रति जन जागरूकता बढ़ाना है, व डायरिया के कारण निर्जलीकरण के उपचार के लिए ओआरएस व जिंक की उपलब्धता को उच्च जोखिम परिवार में सुनिश्चित करना है।

सरगुजा में वर्ष २०२३- २४ में ११,००० से ज्यादा डायरिया के मरीज

पीड़ित हुए थे। जिसमें ७०% मरीज जून व जुलाई में आए थे। डायरिया से विशेष कर ५ वर्ष के छोटी उम्र के बच्चों में जानलेवा साबित होता है। जिले में ग्रामीण क्षेत्र में खराब जल स्रोतों और हाथ धोने की कम आदत के कारण डायरिया के प्रकरण ज्यादा पाए गए हैं। डायरिया के रोकथाम के लिए प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र में ओआरएस जिंक कॉर्नर बनाया गया है। मितानिन के पास ओआरएस पैकेट व जिंक उपलब्ध कराया गया है। मितानिन व स्वास्थ्य कर्मचारी घर में ओआरएस घोल बनाने की विधि समझा रहे हैं। विद्यालय व आंगनबाड़ी केंद्र में स्वच्छता व हाथ धोने की विधि का प्रचार प्रसार किया जा रहा है। पी एच ई विभाग के सहयोग से जलस्रोतों का क्लोरीनीकरण किया जा रहा है। प्रतिदिन डायरिया प्रकरणों की निगरानी एवं रिपोर्टिंग रखी जा रही है।

संक्रामक बीमारी रोकथाम कार्यक्रम जिला सरगुजा प्रभारी डा शैलेन्द्र गुप्ता ने बताया कि डायरिया से होने वाली मौत पूरी तरह से रोके जाने योग्य है। ओआरएस घोल और जिंक समय पर देना, स्वच्छता अपनाना व पानी को उबालनकर पीना ये तीन सरल उपाय से डायरिया बीमारी से बच सकते हैं, समय पर ध्यान देने पर यह जानलेवा भी साबित हो सकता है । नवजात शिशु में डायरिया होने पर मां को दूध पिलाना बंद नहीं करना चाहिए। यदि दो दिन से अधिक दस्त हो या कमजोरी दिखे तो तुरंत नजदीक की स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सक की देखरेख में इलाज कराना चाहिए।

C M Y K

चला संगी रामगढ़ देखे-बुले जाबो, सरगुजा के महिमा सुघर गीत दुनो गाबो

रामगढ़ महोत्सव में हुआ सरस कवि-सम्मेलन का आयोजन

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
रामगढ़ महोत्सव में विधायक राजेश अग्रवाल के कुशल मार्गदर्शन में जिला प्रशासन के द्वारा सरस कवि-सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें सरगुजा के कवियों द्वारा राम, रामगढ़ और आषाढ़- जैसे विषयों पर सरस कविताओं की प्रस्तुति दी गई। श्रोताओं ने देर शाम तक कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया। कार्यक्रम का काव्यमय संचालन कवि संतोष सरल ने किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ गीतकार रंजीत सारथी ने सरगुजिहा में सरस्वती-वंदना- घरी-घरी तोर पइयां बंदव, हमरो ले-ले जोहार दाई- से किया। आशुकवि विनोद हर्ष ने कटते जंगल और उसके दुष्प्रभावों पर खासी चिंता जाहिर करते हुए कहा- सतपुड़ा-सी वादियां छोटे-मोटे अबूझमाड़ रहने दो। बदौलत इन्हीं के जलचक्र धरा पर आषाढ़ रहने दो! कवि संतोष सरल ने अप्रतिम प्राकृतिक सुषमा से सम्पन्न रामगढ़ को देखने जाने की सहज अभिलाषा व्यक्त की- चला संगी रामगढ़ देखे-बुले जाबो, चला संगी रामगढ़ घूमे-फिरे जाबो। सरगुजा के महिमा सुघर गीत दुनो गाबो! कवयित्री माधुरी जायसवाल ने रामगढ़ को ऋषि-मुनियों की धरती बताया- ऋषि-मुनियों की यह धरा इतनी पावन व सुंदर है। प्रभु राम की चरण रज से धन्य यहां का कण-कण है। कविवर श्यामबिहारी पाण्डेय ने इसे राम से भी बड़ा बताने में जरा भी संकोच नहीं किया। उन्होंने कहा- राम का नाम लेकर खड़ा हो गया, रामगढ़ राम से भी बड़ा हो गया! कवयित्री राजलक्ष्मी पाण्डेय ने रामगढ़ की भूमि की महिमा का गान किया। उन्होंने

कहा- मैं रामगढ़ की भूमि हूं। ऐतिहासिक हूं, पुरातात्विक हूं, सांस्कृतिक हूं, आध्यात्मिक हूं! महाकवि कालिदास ने रामगढ़ की पर्वत-श्रृंखलाओं में अपने विश्वप्रसिद्ध खण्डकाव्य च्मेघदूतम्ज् की रचना की थी। कवयित्री अर्चना पाठक ने अपने काव्य में महाकवि कालिदास को उपमा देने में अनुपम बताया- कालिदास-जैसी उपमा न कोई दे सका है। शब्द-योजना में आप सबसे महान् हैं। प्रतिभा से युक्त, अभ्यास में भी हैं निपुण, बोधयुक्त, भावयुक्त आप गुणवान् हैं!

कवि-सम्मेलन में भगवान् राम पर अनेक उत्कृष्ट कविताओं की प्रस्तुति दी गई। कवयित्री आशा पाण्डेय ने भगवान् राम से दावनरूपी मानव के प्रतिकार का अनुरोध किया- जिसने शबरी के प्रेम-समर्पण का अभिनंदन स्वीकार किया, जिसने सीताहरण किया उस रावण का संहार किया। मानवरूपी दानव का अब तो प्रभु प्रतिकार करो। महक सनातन की फैले, ऐसी मलय-बयार करो! कवयित्री पूनम दुबे वीणाज् ने भगवान् राम को तारणहार बताया- राम को मान ले तू भी तर जाएगा, ध्यान कर ले जरा तू संवर जाएगा! वरिष्ठ कवयित्री मीना वर्मा ने भगवान् राम को सर्वगुणसम्पन्न बताया- रघुकुल भूषण श्रीरामचंद्र-सा मयार्दा रक्षक न हुआ। कहना कोई अत्युक्ति नहीं, उन-सा ना कोई अवतीर्ण हुआ। जो सर्वगुणसम्पन्न शिरोमणि सर्वरूप में होते हैं, वो सहज मनुज तन न होकर, साक्षात ब्रह्म ही होते हैं! वरिष्ठ कवि एसपी जायसवाल ने अपने काव्य में वनगमन के समय का मार्मिक चित्रण किया- राम वन को चल रहे थे, पीछे-पीछे चल रही थी जानकी। कंटकाकीर्ण थी डगर, सिसक रही थी जानकी! दोहाकार व शायर मुकुंदलाल साहू ने अपने दोहों में रामनाम का जाप करते रहने का आव्हान किया- रामनाम जपते रहो, जिसे जपे हनुमंत। पता नहीं इस देह का, कब हो जाए अंत! सुत, दारा, धन-सम्पदा, साथ न देंगे मीत। भवभयहारी राम से, कर लो भाई प्रीत। गीतकवि कृष्णकांत पाठक ने भी यही अनुनय किया- श्रीचरणों में दिल को लगाया नहीं तो बता दे किया तूने क्या उम्रभर। राम-सीता का गर नाम गाया नहीं तो बता दे किया तूने क्या उम्र भर! कविवर राजेश पाण्डेय च्अब्रज् ने भगवान् राम का निवास प्रत्येक हृदय में बताया- जगत के पालक उसका नाम। बसे हैं हर धड़कन में राम। रोम-रोम में छवि उनकी, है प्रभु को मेरा प्रणाम!

कवि-सम्मेलन में वरिष्ठ गीतकार देवेन्द्रनाथ दुबे का चर्चित गीत- च्तेरी भी और मेरी भीज् को सबने सराहा। कवि प्रकाश कश्यप ने रामेश्वर भगवान् शिव को भी अपने गीत में याद किया- शिवशंकर हैं औघड़दानी, जिनके शीश पर गंगा का पानी। शिव कहलाते डमरूधारी, चले नंदी की करके सवारी। अंग-अंग में विभूति रमानी! इनके अलावा कार्यक्रम में वरिष्ठ कवि डॉ. सपन सिन्हा, राजेन्द्र विश्वकर्मा, जयंत खानवलकर और अनिता मंदिलवार ने भी अपनी प्रतिनिधि कविताओं का पाठ कर कवि-सम्मेलन को सरस और यादगार बनाया। अंत में कवियों को जिला प्रशासन की ओर से स्मृति चिन्ह और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विधायक राजेश अग्रवाल और अनुविभागीय अधिकारी उदयपुर बनसिंह नेताम विशेष रूप से उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में जिला परियोजना समन्वयक रविशंकर तिवारी, सहायक परियोजना समन्वयक करुणेश श्रीवास्तव, जिला परियोजना अधिकारी गिरीश गुप्ता, सुनीता दास और संगीता तिवारी का योगदान सराहनीय रहा।

विश्व रक्तदाता दिवस पर ब्लड बैंक की पहल पर मदर टेरेसा नर्सिंग कॉलेज में आयोजित हुआ प्रेरणादायक रक्तदान शिविर

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर दिनांक १४ जून २०२५ को राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय ब्लड सेंटर, अंबिकापुर की पहल एवं मदर टेरेसा नर्सिंग कॉलेज के सहयोग से एक दिवसीय रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल १५ स्वयंसेवकों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर समाज में जीवन रक्षा और सेवा के प्रति एक अनुकरणीय संदेश दिया। इस विशेष अवसर पर कॉलेज के छात्र-छात्राएं, समस्त स्टाफ सदस्य एवं चिकित्सा विशेषज्ञों की उपस्थिति ने आयोजन को गरिमा प्रदान की।

आयोजन में ब्लड सेंटर, अंबिकापुर की अनुभवी स्वास्थ्य टीम ने रक्तदान की संपूर्ण प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। उपस्थित चिकित्सा टीम में प्रमुख रूप से डॉ. शिवानी ठाकुर (चिकित्सक), श्रीमती अंजुला मिश्रा (काउंसलर), श्रीमती संध्या सिंह (लैब टेक्नीशियन), श्रीमती रीता थॉमस (नर्सिंग स्टाफ) एवं मो. अजहर उद्दीन (एम्बुलेंस चालक) की सक्रिय भूमिका सराहनीय रही।

कार्यक्रम का उद्देश्य केवल रक्त एकत्र करना नहीं था, बल्कि युवाओं एवं समाज में रक्तदान के महत्व तथा आपातकालीन स्थिति में रक्त की उपलब्धता की आवश्यकता के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी था। इस आयोजन में कॉलेज के डायरेक्टर राम कुमार सिंह का विशेष योगदान उल्लेखनीय रहा, जो विगत १० वर्षों से निरंतर रक्तदान शिविरों के आयोजन में सक्रिय रूप से संलग्न हैं। उनके मार्गदर्शन में कॉलेज ने सेवा, स्वास्थ्य और संवेदनशीलता की भावना को समाज के बीच सशक्त रूप से प्रस्तुत किया है।मदर टेरेसा नर्सिंग कॉलेज के प्रबंधन ने इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों, रक्तदाताओं एवं ब्लड सेंटर की टीम का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को निरंतर करते रहने की प्रतिबद्धता जताई।

सऊदी सरकार ने भारतीय कामगारों को दी राहत, हज से पहले लगाए गए वीजा बैन को लिया वापस

रियादः सऊदी अरब ने भारत और पाकिस्तान सहित १४ देशों के नागरिकों के लिए 'ब्लॉक वर्क वीजा कोटा' पर लगी अस्थायी रोक को हटा दिया है। इससे सऊदी में काम के लिए जाने वाले विदेशियों को राहत मिली है। भारतीयों के लिए विशेषतौर पर सऊदी सरकार का ये कदम महत्वपूर्ण है क्योंकि सऊदी अरब में काम करने वाले करने वाले विदेशियों में भारत के लोगों की बहुत बड़ी संख्या है। वर्क वीजा पर लगी इस रोक से कामगार सऊदी नहीं जा पा रहे थे। सऊदी सरकार की ओर से बताया गया है कि वर्क वीजा कोटा से रोक हटाने का फैसला हज-२०२५ के बाद तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। इससे उन हजारों कुशल श्रमिकों के लिए अवसर फिर से खुल गए हैं, जो साल की शुरूआत में लगाए गई इस रोक से प्रभावित हुए थे। सऊदी का ये फैसला भारत और पाकिस्तान के अलावा अल्जीरिया, बांग्लादेश, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, इराक, जॉर्डन, मोरक्को, नाइजीरिया, सूडान, ट्यूनीशिया और यमन पर लागू था।

सऊदी अरब के मानव संसाधन और सामाजिक विकास मंत्रालय की ओर से जारी ब्लॉक वीजा कंपनियों को विदेशी नागरिकों की एक विशिष्ट संख्या में भर्ती करने की अनुमति देता है।

इससे विदेशी कामगारों की भर्ती प्रक्रिया सुव्यवस्थित होती है। सऊदी सरकार ने हज सीजन की तैयारियों के कारण १४ देशों के ब्लॉक वर्क वीजा कोटा को अस्थायी रूप से रोक दिया गया था। सऊदी अरब में हालिया वर्षों में देखा गया है कि दूसरे वीजा पर आए लोग भी हज करने की कोशिश करते हैं। इससे एक अव्यवस्था बन जाती है। बीते साल बड़ी संख्या में हज के दौरान गर्मी से मौतें हुई थीं। इसकी वजह बिना रजिस्ट्रेशन आए यात्री माने गए थे। ऐसे में हज के समय सऊदी सरकार वीजा और मक्का में एंट्री से जुड़े कई फैसले लेती है। सऊदी अरब में भारतीय कामगारों की एक बड़ी तादाद है। बीते साल के एक आंकड़े के हिसाब से भारतीयों की संख्या में १०त्न की बढ़ोतरी के साथ सऊदी अरब में भारतीय समुदाय की संख्या २६ लाख से ज्यादा हो गई है। यह संख्या सऊदी में काम करने वाले प्रवासियों की सबसे बड़ी संख्या में से एक है। भारत से अक्सर लोग रोजगार की तलाश में सऊदी का रुख करते हैं।

अंबिकापुर शहडोल ट्रेन की चपेट में आ नव विवाहिता की मौत

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। अंबिकापुर शहडोल एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आकर रविवार प्रातः नव विवाहिता की मौत हो गई।घटना अंबिकापुर अनूपपुर रेल पथ अजबनगर की बताई गई है।जयनगर पुलिस ने बताया कि मृतिका रानी मानिकपुरी पति गरीबदास१९ वर्ष निवासी रांगपारा अजबनगर का विवाह आठ दिनों पूर्व उदयपुर निवासी गरीबदास से हुआ था विवाह के बाद दो दिनों पूर्व रानी अपने माइके आई थी रविवार को वह अपने दोनों बहन ज्योति और धानी को लेकर रेलवे ट्रैक पार कर सिलाई के लिए दिए ब्लाउज को लेने गई थी वापसी के दौरान अंबिकापुर से शहडोल के लिए रवाना हुई अंबिकापुर शहडोल एक्सप्रेस ट्रेन संख्या १८७५६ की चपेट में आ गई।घटना में रानी की मौके पर मौत हो गई जबकि अन्य दोनों बहन बाल बाल बच गए।सूचना पर जयनगर पुलिस ने मामले में शव पंचनामा पीएम उपरांत मर्ग कायम किया है।

ईरान पर हमले में अमेरिका भी हो शामिल... ट्रंप के सामने गिड़गिड़ा क्यों रहा इजरायल

वॉशिंगटनः इजरायल ने पिछले ४८ घंटों में ट्रंप प्रशासन से ईरान पर परमाणु कार्यक्रम को खत्म करने के लिए युद्ध में शामिल होने का अनुरोध किया है। एक्सियोस समाचार पोर्टल ने रविवार को दो इजराइली अधिकारियों का हवाला देते हुए कहा कि पिछले दो दिनों से लगातार अमेरिका से संपर्क किया जा रहा है। एक अधिकारी ने कहा कि अगर जरूरी हुआ तो अमेरिका संघर्ष में शामिल हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक बातचीत में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी ऐसा कहा था। लेकिन, ट्रंप प्रशासन की तरफ से इजरायल के इन अनुरोधों पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। दरअसल, इजरायल के पास ईरान के फोर्डो यूरेनियम संवर्धन स्थल को नष्ट करने के लिए आवश्यक बंकर बस्टर बम और बड़े बमवर्षक विमान नहीं हैं। ईरान ने यहां पहाड़ियों से घिरे एक इलाके में जमीन के अंदर अंडरग्राउंड रिएक्टर बनाए हैं। अमेरिका के पास बंकर बस्टर बम भी है और बमवर्षक विमान भी। इतना ही नहीं, इन बमवर्षक विमानों की रेंज में पूरा ईरान है। यही कारण है कि इजरायल चाहता है कि अमेरिका भी इस संघर्ष में शामिल हो और ईरान पर हमला करे। इससे इजरायल को एक सुरक्षा का भी अहसास होगा, क्योंकि ईरान भूलकर भी अमेरिका पर हमला करने की हिमाकत नहीं करेगा। ट्रंप प्रशासन ने अब तक इजरायल के ऑपरेशन से खुद को दूर रखा है। अमेरिका का कहना है कि वह इजरायली हमलों में किसी भी तरह से शामिल नहीं है। अमेरिका को आशंका है कि ईरान मध्य पूर्व में उसके सैन्य ठिकानों को निशाना बना सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान पर सीधे हमला करना, भले ही अमेरिका की भागीदारी एक ही साइट पर बमबारी तक सीमित हो, उसे सीधे युद्ध में खींच लेगा। हालांकि, अगर ऑपरेशन खत्म होने के बाद भी फोर्डो संयंत्र चालू रहता है, तो इजरायल ईरान के परमाणु कार्यक्रम को "खत्म" करने के अपने लक्ष्य में विफल हो जाएगा। शुक्रवार को व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने इस बात से इनकार किया कि अमेरिका इस संघर्ष में शामिल होने जा रहा है। एक दूसरे अमेरिकी अधिकारी ने शनिवार को पुष्टि की कि इजरायल ने ट्रंप प्रशासन से युद्ध में शामिल होने का आग्रह किया है, लेकिन कहा कि वर्तमान में प्रशासन इस पर विचार नहीं कर रहा है। वहीं, एक इजरायली सूत्र ने कहा कि अमेरिका इस अनुरोध पर विचार कर रहा है और जोर देकर कहा कि इजरायल को उम्मीद है कि ट्रंप इस पर सहमत होंगे। व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को इजरायल के हमलों का जिक्र करते हुए एक्सियोस से कहा कि "आज जो कुछ भी होता है उसे रोका नहीं जा सकता है। लेकिन अगर ईरान इच्छुक है तो हम इस संघर्ष के सफल शांतिपूर्ण समाधान के लिए बातचीत करने की क्षमता रखते हैं। ईरान के लिए शांति स्थापित करने का सबसे तेज तरीका अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम को छोड़ना है।

पीएम मोदी की साइप्रस यात्रा का तुर्की से क्या कोई कनेक्शन है या बात उससे आगे की है

नई दिल्ली।
भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी १५-१६ जून को साइप्रस की यात्रा कर रहे हैं.प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसे वक़्त में साइप्रस की यात्रा कर रहे हैं जब भारत और तुर्की के संबंधों के बीच खटास आई है.

वहीं तुर्की और साइप्रस के बीच विवाद जगजाहिर है. पीएम मोदी की साइप्रस यात्रा को पाकिस्तान और तुर्की के बीच मजबूत संबंधों से जोड़कर भी देखा जा रहा है.बीते महीने भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष के दौरान तुर्की ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया था.संघर्ष के दौरान भारत ने दावा किया था कि आठ मई को पाकिस्तान ने बड़ी संख्या में ड्रोन से हमला किया था, जो तुर्की निर्मित सोनगार ड्रोन्स थे. हालांकि, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने हमले की बात से इनकार किया था.लेकिन इसी बीच तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप अर्दोआन ने सोशल मीडिया पर लिखा था, पाकिस्तान, तुर्की दोस्ती जिंदाबाद! हालांकि यह पहला मौका नहीं था जब तुर्की भारत-पाकिस्तान के किसी मसले पर पाकिस्तान के साथ खड़ा हुआ हो.संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर तुर्की ने कई मौकों पर पाकिस्तान का समर्थन किया है. कश्मीर मुद्दे पर भी तुर्की कई सालों से पाकिस्तान का साथ देता रहा है.मई के अंत में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने तुर्की का दौरा किया था.पीएम मोदी के विदेशी दौरों के संबंध में विदेश मंत्रालय ने १४ जून को एक बयान जारी किया.विदेश मंत्रालय ने कहा, "साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी १५-१६ जून को साइप्रस की आधिकारिक यात्रा करेंगे. ये दो दशकों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की साइप्रस की पहली यात्रा होगी.इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साइप्रस में बिजनेस इंडस्ट्री से जुड़े हुए लोगों से भी मुलाकात करेंगे.विदेश मंत्रालय ने कहा, "निकोसिया में पीएम मोदी राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलाइड्स से बातचीत करेंगे. ये यात्रा द्विपक्षीय संबंधों और यूरोपीय संघ के साथ भारत के जुड़ाव को मजबूत करने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करेगी.इसके बाद पीएम मोदी १६ और १७ जून को कनाडा में जी-७ देशों के शिखर सम्मेलन का हिस्सा बनेंगे.अपनी विदेशी यात्रा के आखिरी चरण में पीएम मोदी क्रोएशिया जाएंगे. पीएम मोदी १८ जून को क्रोएशिया का दौरा करेंगे. यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली क्रोएशिया यात्रा होगी.साइप्रस में भारतीय उच्चायुक्त मनीष ने कहा है कि सालों से भारतीय साइप्रस की यात्रा करते रहे हैं.उन्होंने समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कहा, भारतीय सालों से इस छोटे से आइलैंड पर आते रहे हैं. वो सभी क्षेत्रों में काम करते हैं, लेकिन दो क्षेत्र ज्यादा महत्वपूर्ण हैं शिपिंग और आईटी. लगभग ११ हजार पांच सौ भारतीय यहां रहते हैं और काम करते हैं और उनमें से अधिकतर प्रवासी हैं. भारत और भारतीयों के लिए यहां काफी सम्मान है. भारतीय कल्चर यहां काफी पॉपुलर है. प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा हमारे संबंधों को मजबूती और प्रोत्साहन देगी.भारतीय उच्चायुक्त मनीष ने कहा कि साइप्रस कई मुद्दों पर भारत का समर्थन करता रहा है.

क्या साइप्रस संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की दावेदारी का समर्थन करता है? इस सवाल का जवाब देते हुए मनीष ने कहा, "ये पहले से कही गई बात है. पिछले दौरों और ज्वाइंट स्टेटमेंट में इस पर जोर दिया गया है और दोहराया भी गया है.अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद या सीमापार आतंकवाद से लड़ने के लिए उनका समर्थन हमें हासिल है.उन्होंने कहा, "यूरोपियन यूनियन के संबंध में साइप्रस भारत का अच्छा दोस्त है. साइप्रस १ जनवरी २०२६ से यूरोपियन यूनियन की अध्यक्षता संभालेगा. भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में काम चल रहा है."ऐसी जानकारी है कि इस साल के अंत तक इसे अंतिम रूप दे दिया जाएगा और साइप्रस की अध्यक्षता के दौरान इसे लागू किया जाएगा.साइप्रस एक भूमध्य सागरीय द्वीप है जो तुर्की के दक्षिण में, सीरिया के पश्चिम और इसराइल के उत्तर पश्चिम में स्थित है.यहां तुर्की और ग्रीक समुदाय के लोग रहते हैं, जिनके बीच एक लंबे समय से नस्लीय विवाद जारी है.साल १९७४ में ग्रीक लड़ाकों की ओर से तख़्तापलट की एक घटना के बाद तुर्की की सेना ने इस द्वीप पर आक्रमण किया था.इसके बाद तुर्की ने साइप्रस के मशहूर शहर वरोशा को अपने कब्जे.में ले लिया. बहुमंजिला इमारतों वाला ये शहर जो कभी पर्यटकों से भरा रहता था, पिछले ५१ सालों से निर्जन पड़ा हुआ है.तुर्की ने अपनी सेना के ३५ हजार सैनिकों को इस क्षेत्र में तैनात करके रखा हुआ है.इस घटना के बाद से ये द्वीप दो हिस्सों में बँटा हुआ है. तुर्क साइप्रस वासियों ने अपने इलाके को एक स्व-घोषित राष्ट्र का दर्जा दिया है जिसे सिर्फ तुर्की स्वीकार करता है. वहीं, ग्रीक साइप्रस सरकार को संयुक्त राष्ट्र, अमेरिका समेत दुनिया के कई राष्ट्र स्वीकार करते हैं.संयुक्त राष्ट्र लंबे समय से इस द्वीप में एकीकरण के प्रयास कर रहा है. लेकिन अब तक यूएन को कोई उल्लेखनीय सफलता नहीं मिली है.२०२१ में तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप अर्दोआन ने संसद सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा था, "साइप्रस की समस्या आज आपके कंधों पर आ गई है. ये भविष्य में भी आपके कंधों पर रहेगा.उन्होंने कहा था, साइप्रस समस्या का समाधान तब तक नहीं हो सकता जब तक ये स्वीकार न किया जाए कि वहां दो समुदाय हैं और दो राज्य हैं, जिनका एक समान स्तर है.

लेकिन इसराइल ने अर्दोआन के इस बयान की निंदा की थी. इसराइल दोहराता रहा है कि साइप्रस को उसका पूरा समर्थन हासिल है.इसराइल के साइप्रस को समर्थन देने की वजह से तुर्की और उसके बीच टकराव की आशंकाएं भी बढ़ती रही हैं.वहीं भारत साइप्रस पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का पालन करने की अपील करता रहा है, जिसमें साइप्रस से विदेशी सैनिकों को वापस बुलाने की अपील भी शामिल है.इसके अलावा भारत ने कई मौकों पर उत्तरी साइप्रस में तुर्की की कार्रवाइयों की निंदा भी की है.हालांकि एक्सपर्ट्स पीएम मोदी की साइप्रस यात्रा को तुर्की से आगे बढ़कर भी देख रहे हैं. एक्सपर्ट्स का कहना है कि पीएम मोदी की साइप्रस यात्रा का संबंध इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर (आईएमईसी) से भी है.रॉयल यूनाइटेड सर्विसेज इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस एंड सिक्योरिटी स्टडीज के एसोसिएट फेलो सैमुअल रमानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, जी-७ से पहले नरेंद्र मोदी साइप्रस की यात्रा करेंगे.इसे तुर्की-पाकिस्तान के संबंधों की प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है. लेकिन ये उससे आगे की बात है. भारत साइप्रस के साथ अच्छे संबंधों को आईएमईसी के समर्थन के रूप में देखता है. भारत इसराइल-साइप्रस से एनर्जी एक्सट्रैक्शन की संभावना पर भी नजर रख रहा है.वहीं पूर्वी भूमध्य सागर और आईएमईसी में रुचि रखने वाले पत्रकार पॉल एंटोनोपोलोस ने पीएम मोदी की साइप्रस यात्रा को भारत-तुर्की के तनावपूर्ण संबंधों के लिए महत्वपूर्ण बताया है.उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "पीएम मोदी की साइप्रस यात्रा, १९८३ में इंदिरा गांधी और २००२ में अटल बिहारी वाजपेयी के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की तीसरी साइप्रस यात्रा है. ये भारत-तुर्की के तनावपूर्ण संबंधों के बीच महत्वपूर्ण है."

भूराजनीतिक मामलों के विशेषज्ञ प्रणय चटर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "तुर्की के पाकिस्तान को दिए जा रहे समर्थन के बीच पीएम मोदी साइप्रस का दौरा करेंगे. साइप्रस एक ऐसा देश है जिसका तुर्की के साथ लंबे समय से संघर्ष का इतिहास रहा है. इसने भारत के प्रति मजबूत समर्थन दिखाया है.अंतरराष्ट्रीय राजनीति के जानकार गोकुल साहनी ने भी साइप्रस को भारत का समर्थन करने वाला देश बताया है.उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "साइप्रस और ग्रीस दोनों ने आतंकवाद, कश्मीर, भारत की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्यता, १९९८ के परमाणु परीक्षण सहित प्रमुख मुद्दों पर भारत का समर्थन किया है.लेकिन सैमुअल रमानी कहते हैं कि पीएम मोदी की साइप्रस यात्रा को सिर्फ तुर्की के साथ तनावपूर्ण संबंधों के नजरिए से नहीं देखा जा सकता है.सैमुअल रमानी कहते हैं, "इसका विस्तार इसराइल-साइप्रस-ग्रीस त्रिपक्षीय सहयोग तक हो सकता है. साइप्रस और इसराइल आईएमईसी के लिए समुद्र के नीचे बिछने वाली तारों के लिए बिजली भी मुहैया करवा सकते हैं.

दंतेवाड़ा पुलिस व साइबर सेल ने गुम हुए 30 मोबाइल फोन ढूंढकर वापस लौटाया

दंतेवाड़ा। जिले के अलग-अलग पुलिस थाने में मोबाइल गुम होने की शिकायत दर्ज हुई थी। जिसके बाद स्क्क ने इन मोबाइल फोन का पता लगाने साइबर सेल की टीम को एक्टिव किया था। जिसके बाद साइबर सेल की मदद से पुलिस ने 30 मोबाइल फोन ढूंढ निकाले। पुलिस ने लोगों के गुम हुए कुल 30 मोबाइल फोन जिसकी कुल कीमत 8 लाख 12 हजार रुपए से अधिक है, बरामद कर, दंतेवाड़ा एसपी गौराव राय ने 'इया आपलो सामान दिया' कार्यक्रम के तहत सभी के फोन लौटा दिए हैं। इसके साथ ही दंतेवाड़ा पुलिस ने लोगों की सुविधा के लिए साइबर सेल का एक हेल्पलाइन नंबर 9479151665 जारी किया है । साथ ही भारत सरकार की तरफ से जारी 1930 नंबर में भी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। साइबर हेल्पलाइन दंतेवाड़ा के नाम से व्हाट्सऐप अकाउंट भी बनाया गया है,

बर्थडे मनाने मैनपाट गए 3 दोस्त हादसे का शिकार पेज 09

भगवान श्रीजगन्नाथ का दर्शन वर्जित-अनसर काल जारी रहेगा 25 जून तक

जगदलपुर। रियासत कालीन बस्तर गोंचा पर्व 2025 देव स्नान चंदन जात्रा पूजा विधान 11 जून बुधवार ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा तिथि से प्रराम्भ हो चुका है, शताब्दियों से (617 वर्षो) चली आ रही रियासत कालीन परंपरानुसार 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज के ब्राह्मणों के द्वारा बस्तर गोंचा पर्व के विविध पूजा विधान संपन्न करवाये जायेंगे। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार चंदन जात्रा पूजा विधान के पश्चात भगवान श्रीजगन्नाथ का 15 दिवसीय अनसर काल की अवधि में भगवान श्रीजगन्नाथ अस्वस्थ होते हैं तथा भगवान के अस्वथता के हालात में दर्शन वर्जित होते हैं। भगवान श्रीजगन्नाथ स्वामी, माता सुभद्रा और बलभद्र स्वामी का श्रीमंदिर में इन दिनों अनसर काल आषाढ़ कृष्ण पक्ष अमावस्या 25 जून तक जारी रहेगा। इस दौरान भगवान श्रीजगन्नाथ के स्वास्थ्य लाभ के लिए औषधियुक्त भोग का अर्पण 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज के सेवादारों एवं पंडितों के द्वारा किया जा रहा है। औषधियुक्त भोग के अर्पण के पश्चात इसे श्रृद्धलुओं में प्रसाद के रूप में वितरित किया जाता है। विशेष औषधियुक्त प्रसाद का पूण्य लाभ श्रृद्धालु अनसर काल के दौरान श्रीजगन्नाथ मंदिर में पहुचकर प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन दर्शन वर्जित होगा।

भगवान जगन्नाथ के अनसर काल की व्याख्या करते हुए 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ सदस्य एवं भगवान श्रीजगन्नाथ के रियासत कालीन पूजा विधान के जानकार विवेक पांड़े ने बताया कि बस्तर गोंचा पर्व में इन दिनों भगवान श्रीजगन्नाथ का अनसर काल की अवधि 25 जून तक जारी रहेगा। भगवान जगन्नाथ के अनसर काल मे दर्शन वर्जित होने के संबंध में जानने के लिए अनसर का साब्दिक अर्थ एवं इसके भावार्थ को समझना होगा। अनसर का साब्दिक अर्थ अन+अवसर = अनवसर होता है। अनवसर का भावार्थ उचित अवसर का नही होना कहलाता है। अर्थात भगवान श्रीजगर्न्नाथ के 15 दिवसीय अनसर काल मे भगवान श्रीजगन्नाथ भक्तो के स्वास्थ्य के लिए स्वयं अस्वस्थ होते है, अस्वस्थ होने पर भगवान श्रीजगन्नाथ अस्त-व्यस्त अवस्था मे रहते हैं, ऐसी अवस्था मे जगत के पालनकर्ता भगवान श्रीजगन्नाथ के दर्शन को शास्त्रो व पौराणिक मान्यताओं के अनुसार दोषपूर्ण माना गया है। इसीलिए भगवान जगन्नाथ के दर्शन 15 दिनों तक अनसर काल के दौरान वर्जित होता है।

उन्होने बताया कि भगवान श्रीजगन्नाथ अपने श्रद्धालुओं के वर्ष भर स्वास्थय के आशीष हेतु स्वयं अस्वस्थ होकर सभी के स्वास्थ्य के लिए औषधियुक्त भोग के अर्पण को स्वीकार कर औषधियुक्त प्रसाद उपलब्ध करवाते हैं। जगत के पालनकर्ता भगवान विष्णु स्वरूप श्रीजगन्नाथ स्वामी विश्व के समस्त श्रद्धालुओं के स्वास्थय के लिए आयुर्वेद का औषधियुक्त प्रसाद ग्रहण करने का अवसर प्रदान करते हैं। भगवान श्रीजगन्नाथ स्वामी को अर्पित औषधियुक्त भोग वैज्ञानिक दृष्टिकोण से मौसम के परिवर्तन के साथ स्वास्थ्य के लिए प्रसाद के रूप में लाभदायी सिद्ध होता है,

चिकटराज समिति ने बैठक कर अतिक्रमणकारियों को स्वयं अतिक्रमित भूमि खाली करने दी चेतावनी

बीजापुर। जिला मुख्यालय के नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक-12 अंतर्गत नया बस स्टैंड के पीछे चट्टान पारा में अवैध अतिक्रमण, वनों की कटाई और बिजली चोरी जैसे गंभीर मामलों को लेकर रविवार को चिकटराज समिति व स्थानीय वार्डवासियों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में चिकटराज समिति ने अतिक्रमणकारियों को एक सप्ताह के भीतर स्वयं अतिक्रमित भूमि खाली करने की चेतावनी दी है। समिति ने यह भी निर्णय लिया कि सोमवार को जिला प्रशासन को लिखित आवेदन सौंपकर पूरे मामले से अवगत कराया जाएगा। यदि प्रशासन द्वारा समय रहते आवश्यक कार्रवाई नहीं की जाती, तो समिति जन आंदोलन के लिए बाध्य होगी, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। बैठक में प्रमुख रूप से चिकटराज समिति के पेरमा, गायता, पुजारी, सियान-सज्जन, सिरहा-गुनिया समिति के सदस्य व पार्षदगण स्थानीय ग्रामवासी एवं वार्डवासी उपस्थित रहें।

चिकटराज समिति के प्रमुख रामशरण मांझी ने कहा कि लगातार बीजापुर नगर व आस-पास के जगहों पर इस तरह अवैध अतिक्रमण व वनों की कटाई हो रही है, यह स्थल माता काली कंकालिन, कोंडराज देव, बाबा चिकटराज पीड़ा पठानी का है। एक साल पहले भी इन लोगों हम उन जगहों पर बैठक करके अतिक्रमणकारियों को समजाइश करके अतिक्रमण हटाने को कहा गया था। आज वार्ड क्रमांक 12 के चट्टान पारा में बैठक की गई और अतिक्रमण कारियों को समजाइश देकर एक सप्ताह के अंदर घरों को स्वंय से खाली करने को कहा गया। हम पूरे समिति पेरमा, पुजारी, गायता के द्वारा जिला कलेक्टर व सम्बंधित विभाग में आवेदन देंगे। बावजूद अगर जिला प्रशासन कार्रवाई नही करेगी तो हम जनआंदओलन करने के लिए बाध्य होंगे जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

यूनियन बैंक में आगजनी से बैंक के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण व दस्तावेज हुए क्षतिग्रस्त

जगदलपुर। बस्तर जिला मुख्यालय के कोतवाली थाना क्षेत्र अंर्तगत प्रतापगंज पारा में स्थित यूनियन बैंक में शनिवार देर रात आग लग गई। इस आगजनी से बैंक को कितना नुकसान हुआ, अभी यह स्पष्ट नहीं है, 2 घंटे की मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया। मिली जानकारी के अनुसार 11 से 12 बजे के बीच बैंक से धुएं का गुबार उठा। आस-पास में रहने वाले लोगों की नजर पड़ी। जिसके बाद इसकी जानकारी फौरन सिटी कोतवाली पुलिस और फायरब्रिगेड की टीम को दी गई। दोनों ही टीमें मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। बैंक में करोड़ों रुपए की नकदी रखी होने की जानकारी सामने आई है, लेकिन राहत की बात यह है कि लॉकर तक आग नहीं पहुंच सकी।

प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों का खुलासा जांच के बाद ही हो सकेगा। इस दुर्घटना में बैंक के भीतर रखे फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और दस्तावेज जलकर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। घटना के दौरान बैंक परिसर से सटे एटीएम कक्ष में लगी दो एटीएम मशीनों को समय रहते बाहर निकाल लिया गया, जिससे उन्हें कोई नुकसान नहीं हुआ। फिलहाल नुकसान का सटीक आंकलन और बैंकिंग सेवाओं की बहाली को लेकर बैंक प्रबंधन जांच और आकलन में जुटा हुआ है ।पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तोंगपाल नाका से 26 किलो गांजा के साथ 2 आरोपी गिरफ्तार

सुकमा ।जिले के तोंगपाल पुलिस को मुखबीर के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि दो व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ लेकर जगदलपुर जाने के लिये तोंगपाल नाका के पास एनएच 30 सड़क किनारे खड़े हैं । उक्त सूचना पर थाना तोंगपाल से थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेन्द्र यादव के हमराह स्टाप जांच नाका के पास एनएच 30 रोड के किनारे दो व्यक्ति जिनके पास दो ट्राली बैग व एक लटकन बैग रखे थे जो पुलिस पार्टी को देखकर भागने लगे जिन्हे पुलिस पार्टी द्वारा घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछ-ताछ में अपना नाम मोनू कुमार पिता स्व. रमेशचंद उम्र 19 वर्ष एवं शिवम कुमार पिता बबलू उम्र 18 वर्ष दोनों निवासी रोहटा रोड डूंगर पूथखास थाना मेरठ उ.प्र. का रहने वाले बताये तथा उनके कब्जे में रखे बैगो की तलाशी लेने पर कुल 26 किलो मादक पदार्थ गांजा परिवहन करते हुये पाया गया। थारा 20 (ख) एनडीपीएस एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर दोनों आरोपी मोनू कुमार और शिवम कुमार को गिरफ्तार कर कार्यवाही उपरांत आज शनिचार को न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमाण्ड में जेल दाखिल किया गया ।

दंतेवाड़ा की पूर्णिमा बनी प्रेरणा स्रोत, घर में बनाया पढ़ाई का कोना, अब किशोरों को करेंगी जागरूक

दंतेवाड़ा। जिले के कुआकोंडा विकासखंड के ग्राम बेदीपारा की किशोरी पूर्णिमा नागवंशी आज युवाओं के लिए मिसाल बन गई हैं। हाल ही में आयोजित एक कार्यशाला में भाग लेने के बाद पूर्णिमा ने अपने घर में ष्पढ़ाई का कोनाष तैयार कर शिक्षा के प्रति नई पहल की शुरूआत की है।

जिला प्रशासन, यूनिसेफ और सर्वहितम के संयुक्त प्रयासों से आयोजित की गई थी, इस कार्यशाला में मितानिन दीदियों, ग्रामीण महिलाओं, अभिभावकों और किशोर-किशोरियों ने हिस्सा लिया। इसमें रूप नहीं गुण को देखो, आज क्या सीखा और पढ़ाई का कोना जैसे कार्यक्रमों पर प्रशिक्षण दिया गया। पूर्णिमा नागवंशी, जो इस कार्यशाला की प्रतिभागी थीं, ने इस पहल के महत्त्व को गंभीरता से समझा। घर लौटकर उन्होंने अपनी मां की पुरानी साड़ी से एक घेरा बनाकर एक शांत और सुव्यवस्थित अध्ययन स्थल तैयार किया। उन्होंने वहां अपनी किताबें सजाई, दीवार पर पढ़ाई का रूटीन चिपकाया और उसी स्थान को अपनी नियमित पढ़ाई का केंद्र बना लिया।पूर्णिमा का कहना है, अब मुझे पढ़ाई में पहले से ज्यादा रुचि हो रही है। मेरे माता-पिता भी अब मेरा उत्साहवर्धन कर रहे हैं। वह अब अपने गांव के अन्य किशोर-किशोरियों को भी पढ़ाई का कोना बनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं। उनका उद्देश्य है कि हर बच्चा पढ़ाई के लिए एक समर्पित स्थान बनाए, जिससे अनुशासित और केंद्रित अध्ययन की आदत विकसित विकसित कर सके। पूर्णिमा का यह प्रयास न केवल व्यक्तिगत विकास की दिशा में एक मजबूत कदम है, बल्कि यह गांव के अन्य किशोर-किशोरियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन रहा है। गौरतलब है कि रूप नहीं गुण को देखो, आज क्या सीखा और पढ़ाई का कोना जैसे कार्यक्रम वर्तमान में दंतेवाड़ा जिले के 100 चयनित गांवों में किशोरों के समग्र विकास के उद्देश्य से क्रियान्वित किए जा रहे हैं।

सिकल सेल दिव्यांगता शिविर का आयोजन 23 जून से

गरियाबंद। जिले में 23 जून से विकासखंड स्तर पर सिकल सेल दिव्यांगता शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें प्रमुखतः सिकल सेल द्विव्यांग प्रमाण पत्र बनाया जाएगा। साथ ही सिकल सेल के मरीजों का जांच, उपचार एवं आवश्यक सलाह दिया जाएगा। शिविर में अन्य प्रकार के द्विव्यांग प्रमाण पत्र भी बनाया जाएगा। सभी जगह शिविर सुबह 9 बजे से लगेगी। उन्होंने बताया कि 23 जून 2025 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र छुरा में शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार 28 जून 2025 को जनपद पंचायत फिंगेश्वर, 30 जून को जिला अस्पताल गरियाबंद, 04 जुलाई को सामु. स्वा. केन्द्र - अमलीपदर एवं 05 जुलाई को उप स्वास्थ्य केन्द्र सीनापाली में शिविर लगाई जायेगी।

तेज डायग्नोस्टिक/ब्लड बैंक (सेंटर)
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल
बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

डॉ. भुवन शर्मा
MD, DM (Neurology)
मस्तिष्क रोग एवं नस रोग समस्याएं
• लकवा, पैरालिसिस, मिर्गी एवं सिर दर्द का इलाज
• दिमागी बुखार, भूलने की बीमारी (अल्जाइमर रोग)
• पार्किंसन बीमारी, गर्दन, बांह और पैरों का दर्द

डॉ. बी. मिंज
MBBS, MD, FIPM
• सूईनुमा उपकरण/दूरबिन द्वारा स्लिप डिस्क को निकालना
• कमर दर्द, गर्दन, पीठ का दर्द एवं हाथ का दर्द
• जोड़ों का दर्द, टेनिस एल्बो, एड़ी का दर्द

डॉ.संजय कुमार अग्रवाल
MBBS, MD, Medicne (Delhi)
DM (Gastro) BHU Varanasi
पेट एवं आंत रोग विशेषज्ञ
+ गैस, उल्टी की समस्या, भूख न लगना, पेट दर्द
+ पीलिया, पित्त की समस्या, क्रोनिक पेनक्रियटाइटिस
+ सीने में जलन, खाना एवं पानी का अटकना

सरगुजा संभाग की सर्वप्रथम एवं एकमात्र
1.5 Tesla MRI All Diagnostic Facilites

डॉक्टर्स हाउस @ सरगुजा
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल - II

डॉ.महावीर सिंह जौहरी
MBBS,MS,DNB (Haderbad)
FEN (Jabalpur), CNETS AIIMS (Delhi)
• ब्रेन ट्यूमर, निंद की कमी, मस्तिष्क सम्बन्धी समस्या
• स्पॉन्डिलिसिस, स्पाइन की समस्या
• हाथ, पीठ, तालु या पैर में दर्द, पैर सुन्न होना

08 जून 2025, प्रत्येक माह के दूसरे रविवार
अग्रिम पंजीयन हेतु सम्पर्क करें
07774222555,9425583780,9826183780,
आयुष्मान योजना द्वारा भर्ती, सर्जरी, उपचार एवं जांच

◆◆◆---अपना बाजार---◆◆◆

"M.S., E.N.T."
नाक, कान, गला
दूरबीन से प्रतिदिन नाक, कान, गला की जांच की जाती है
रोगों के वरिष्ठ अनुभवी चिकित्सक (अत्याधुनिक उपकरणों की सुविधा) के साथ
प्रतिदिन उपलब्ध
समय-दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक
कान एवम् बहरेपन की सम्पूर्ण जांच की जर्मनी की अत्याधुनिक मशीन द्वारा।
कान की मशीन उत्कृष्ट क्वालिटी एवं दो साल की वारण्टी के साथ अत्यन्त रियायती मूल्यों पर उपलब्ध।
आडियोमेट्री की जांच एवम् सेवाए नियमित उपलब्ध
विशेष- नाक, कान, गले से संबंधित सभी प्रकार के आपरेशन (सर्जरी) की सुविधा स्मार्ट कार्ड द्वारा उपलब्ध।
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

विज्ञापन के लिए जगह रिक्त है

माता राजरानी मेमोरियल ¼MRM½ हॉस्पीटल
RSBY/MSBY
(स्मार्ट कार्ड) द्वारा भर्ती एवं इलाज की सुविधा उपलब्ध
स्थान - बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर,
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

बच्चों के N.I.C.U. सुविधा
नवजात बच्चों को गहन चिकित्सा कक्ष की सुविधा।
24 घंटे विशेषज्ञों की देख-रेख में वेंटीलेटर, सी-पेप एवं अन्य अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त नियोनेटल केयर यूनिट
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

एम.एस. जनरल सर्जन
हॉर्निया, हाईड्रोसिल, एपेण्डीक्स, पाईल्स, पथरी एवं सभी प्रकार की जनरल सर्जरी एवं हर प्रकार के आपरेशन की सुविधा प्रतिदिन
fo'k"k & RSBY & MSBY
(स्मार्ट कार्ड) की सुविधा उपलब्ध
-: प्रतिदिन उपलब्धः-
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

प्रतिदिन फिजिशियन परामर्श
डायबिटिज (शुगर/मधुमेह), हृदय संबंधी समस्त रोग, सभी प्रकार के हार्मोन्स विकार (थाइराईड), समस्त प्रकार के इंफेक्शन (सर्दी, खांसी, बुखार, ब्लड प्रेशर (हायपरटेंशन)), एनीमिया, सिकलिंग, थैलीसीमीया, टी.बी., श्वसन एवं छाती संबंधी समस्त रोग, पाचन एवं पेट, लीवर, किडनी (गुर्दा), सिर, मस्तिष्क एवं नस संबंधी समस्त रोग एवं सभी प्रकार के पुराने रोगों के उपचार हेतु उपलब्ध रहेंगे...
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

सभी बीमारियों के
विशेषज्ञ चिकित्सक नियमित उपलब्ध
डॉक्टर्स हाउस
रानी तालाब के सामने, गेहूं बाड़ी के आगे
शासकीय अस्पताल रोड, अम्बिकापुर
मो.-94255-83780, 62626-39090, 62626-39191
फोन 07774222555

पतंजली सेवा केन्द्र
पतंजली के सभी प्रोडक्ट पर 2 से 10 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध
निः शुल्क डॉक्टर (वैद्य) परामर्श सेवा प्रतिदिन उपलब्ध
सुबह 10.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर, तेज मेडिकल के सामने
सम्पर्क नम्बर- 9425583780, 9522629990
आपसे विनम्र निवेदन है कि जरूरतमंद मरीजों तक इसकी जानकारी देने की कृपा करें।
आपके सहयोग एवं सलाह के लिए हृदय से धन्यवाद।

आधुनिक मशीनों एवम् विश्वसनीय जांच 24 घंटे उपलब्ध
एम.आर.आई — ब्लड बैंक सुविधा (24 घंटे)
सीटी स्कैन — ई.ई.जी., ई.सी.जी.
सोनोग्राफी — टीकाकरण की सुविधा
टी.एन.टी. — प्रतिदिन
आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित कम्प्यूटरीकृत पैथोलॉजी लैब
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

SRS HOSPITAL
न्यूनतम दर, उच्चतम सेवा
हमारी उच्च स्तरीय स्वस्थ्य सेवाएं
• जनरल मेडिसिन, सर्जरी रोग, हड्डी रोग, स्त्री रोग, नेत्र रोग, एवं बाल हृदय रोग
• सभी प्रकार के सर्जरी की सुविधा आयुष्मान कार्ड द्वारा उपलब्ध है
• 24X7 आपातकालीन सुविधा
• क्रिटिकल केयर एवं ट्रामा केयर
• एडवांस आई. सी. यू. यूनिट
• निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा
• 24X7 फार्मेसी एवं डायग्नोस्टिक सेवाएं उपलब्ध
आयुष्मान भारत कार्ड द्वारा इलाज की सुविधा उपलब्ध
More Information call us +91 96176 05000, +91 70499 85558
जिला अस्पताल रोड, मणिपुर स्कूल के पास अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ. ग.)

आपके नगर अम्बिकापुर में अब प्रतिदिन विशेषज्ञ उपलब्ध
मानसिक एवं नशामुक्ति विशेषज्ञ
समय-दोपहर 2 बजे से 6 बजे तक
रोग : डिप्रेशन, उदासी, चिंता, घबराहट, सरदर्द, माइग्रेन, मिर्गी, झटका, बेहोशी, कम एकाग्रता, नींद की कमी, असामान्य व्यवहार, पागलपन, शराब व अन्य नशे की लत, गर्दन दर्द, कमर दर्द, नस मांसपेशियों में दर्द, बच्चों में चंचलता, मंदबुद्धि आदि से संबंधित बीमारियों के परामर्श एवं उपचार
पता: माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल/ तेज डायग्नोस्टिक से
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास, अम्बिकापुर मो.नं. 07774-222999, 8224007799, 98261

प्रधानमंत्री आवास योजना ...

अपात्र परिवारों की सूची १५ दिवस के लिए वेबसाईट एवं सूचना पटल पर अवलोकन हेतु उपलब्ध

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना २०११ के आधार पर स्थायी प्रतीक्षा सूची में सम्मिलित पात्र हितग्राहियों के चयन की प्रक्रिया जारी है। इसी क्रम में जिले के समस्त जनपद पंचायतों से प्राप्त ग्राम पंचायत प्रस्ताव एवं जनपद स्तर पर की गई उचित कार्यवाही के उपरांत कुल २४५६ परिवारों की सूची जिला पंचायत को प्राप्त हुई है इस सूची में सम्मिलित अपात्र परिवारों की पहचान उपरांत उन्हें जिला स्तरीय गठित तीन सदस्यीय अपीलीय समिति के समक्ष अवलोकन एवं रिमांड/पोर्टल से नाम विलोपन हेतु अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया गया है। इसके पश्चात अपात्र हितग्राहियों की सूची को जिले की आधिकारिक वेबसाइट जिला पंचायत एवं संबंधित जनपद पंचायतों के सूचना पटल पर १५ दिवस के लिए सार्वजनिक अवलोकन हेतु प्रकाशित किया गया है।यदि किसी हितग्राही या परिवार को सूची में सम्मिलित नाम के संबंध में आपत्ति प्रस्तुत करनी है, तो वे दिनांक २४ जून २०२५ को शाम ५:३० बजे तक कार्यालय जिला पंचायत सूरजपुर में स्वयं उपस्थित होकर लिखित आवेदन के माध्यम से दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।

भगवान श्रीजगन्नाथ का दर्शन वर्जित-अनसर काल जारी रहेगा 25 जून तक...पेज 11

वोल्टेज समस्या निवारण हेतु एक अतिरिक्त ट्रांसफार्मर चार्ज

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। नगर के साहु गली वार्ड क्रमांक ०५ में विद्युत आपूर्ति वर्तमान में जिस ट्रांसफार्मर से संचालित की जा रही है वहां से अंतिम छोर में होने के कारण वोल्टेज की समस्या इस वार्ड में बनी रहती थी जिसे स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं वार्ड वासी के सहयोग से आज एक अतिरिक्त ट्रांसफार्मर , आरडीएसएस योजना के माध्यम से स्थापित कर सफलता पुर्वक चार्ज कर दिया गया। इससे इस वार्ड की विद्युत सप्लाई में सुधार एवं लो-वोल्टेज की समस्या काफी हद तक ठीक हो जायेगी। शहर में यह ट्रांसफार्मर लोड सेंटर में ना होने के कारण, एल०टी० लाइन की लंबाई अधिक एवं लोड अधिक होने के कारण लो-वोल्टेज की समस्या बनती है इसके लिए शहर में आरडीएसएस योजना, लो-वोल्टेज समस्या निवारण हेतु योजना ०३२, एवं ०३२क्क स्कीम से ट्रांसफार्मर लगाने की पहल विभाग की ओर से की जा रही है जिसके लिए विभाग को वार्डवासी जनप्रतिनिधियों का सहयोग जरुरी है ताकि बिना अवरोध के लाइन विस्तार का कार्य कर, अतरिक्त ट्रांसफार्मर का स्थापना कर शहर में वोल्टेज की समस्या का सामाधान किया जा सके।इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अश्वनी सिंह,मनोज डालमियां, वार्ड पार्षद प्रशांत साहू सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

इंस्टाग्राम पर अश्लील फोटो पोस्ट करने का आरोपी गिरफ्तार

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। चौकी रेवटी क्षेत्र अन्तर्गत एक व्यक्ति ने थाना प्रतापपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया इंस्टाग्राम आईडी को देखा तो उसमें अज्ञात मोबाईल धारक के द्वारा इसकी पत्नी व पुत्री का फोटो लगाकर अश्लील गाना व शब्द लिखकर पोस्ट किया गया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध धारा ६७(ए) आईटी एक्ट व पास्को एक्ट की धारा १२ के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने प्रकरण के आरोपी की पतासाजी कर जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। थाना प्रतापपुर पुलिस ने मामले की गंभीरतापूर्वक विवेचना कर नई तकनीकी मदद ली एवं इंस्टाग्राम आईडी की जानकारी हासिल किया जिसके आधार पर आरोपी मेहराब खान उम्र ४७ वर्ष निवासी सूरजपुर को पकड़ा। पूछताछ पर उसने जुर्म स्वीकार किया जिसके निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त मोबाईल जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरोपी के विरूद्ध पूर्व में थाना चंदौरा में आईटी एक्ट के २ मामले में चालान हो चुका है। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी प्रतापपुर सौरभ उईके के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अमित कौशिक महिला प्रधान आरक्षक सरिता टोप्पो व आरक्षक अवधेश कुशवाहा सक्रिय रहे।

90 हजार रुपए कीमत के 3 रास भैंसा सहित 2 गिरफ्तार

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। प्रतापपुर पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि एक पिकअप वाहन में ३ रास भैंसा लोड़ अम्बिकापुर से झारखण्ड की ओर क्रूरतापूर्वक ले जाया जा रहा है। थाना प्रतापपुर पुलिस ने ग्राम धरमपुर में घेराबंदी कर पिकअप वाहन को रोकवाया गया जिसमें २ व्यक्ति थे वाहन की तलाशी लेने पर उसमें ३ रास भैसा को ठूसकर क्रूरतापूर्वक परिवहन करते पाया गया। दोनों व्यक्ति से भैसा खरीदी, बिक्री व परिवहन संबंधी दस्तावेज की मांग किए जाने पर कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए। पूछताछ पर दोनों ने भैसा को लुण्ड्रा से लोडकर बिक्री करने झारखण्ड जाना बताए। जिनके कब्जे से ३ रास भैंसा कीमत करीब ९० हजार रुपए व परिवहन में प्रयुक्त पिकअप वाहन को जप्त कर पशु क्रूरता अधिनियम की धारा ११(१)(घ) एवं छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम की धारा ४,६,१० के तहत कार्यवाही कर आरोपी मोहम्मद रमजान पिता पीर मोहम्मद उम्र २८ वर्ष व मोहम्मद हुसैन पिता स्व. दिल मोहम्मद उम्र ५२ वर्ष दोनों निवासी ग्राम पहिया, थाना चंदौरा को गिरफ्तार किया है। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी प्रतापपुर सौरभ उईके के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी प्रतापपुर अमित कौशिक, एएसआई कुसुमकांता लकड़ा, आरक्षक जयप्रकाश पन्ना, सत्य नारायण, निशांत टोप्पो, सैनिक दिलबर सांडिल्य व अजय सक्रिय रहे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी से छत्तीसगढ़ में हर क्षेत्र में हो रहा तेजी से विकास......अनुराग

०० डबल इंजन सरकार ने नक्सलवाद पर लगाया ब्रेक, विकास को दी रफ्तार

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम विकसित भारत का अमृतकाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नेतृत्व में केन्द्र सरकार के ११ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला भाजपा कार्यालय अटल कुंज मे प्रेसवार्ता आयोजित की गई। प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए अध्यक्ष छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल व प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंह देव ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ११ वर्ष का कार्यकाल अनेक मायनों में ऐतिहासिक रहा है। उनके दूरदर्शिता पूर्ण नेतृत्व में देश ने समावेशी विकास, समृद्धि और खुशहाली के नये दौर में कदम रखा है। मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार का हर दिन अंत्योदय की साधना को समर्पित रहा है। सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना के साथ समाज के सभी वर्ग विकास के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उनके कार्यकाल में देश और दुनिया में भारत का गौरव बढ़ा है। छत्तीसगढ़ ने डबल इंजन की सरकार में चौतरफा विकास के नये आयाम गढ़े हैं। चाहे विकास की बात हो या माओवादी आतंक से निपटने की, केन्द्र सरकार के राज्य सरकार को भरपूर समर्थन और सहयोग मिला।श्री सिंह देव ने कहा की प्रधानमंत्री मोदी जी ने काश्मीर मे चिनाब नदी पर बने सबसे बड़े रेलवे पुल से काश्मीर को देश के अन्य हिस्से से जोडकर ऐतिहासिक काम किया है।उन्होंने कहा कि जनसंघ व भाजपा स्थापना काल में संस्थापक सदस्यों ने जो संकल्प लिया था आज वह सारे संकल्प मोदी जी के नेतृत्व में सिद्ध हो रहे हैं।उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार बनते ही किसान भाइयों से की गई मोदी जी की गारंटी भी साकार हुई। हमने बकाया बोनस देने के साथ ३१०० रुपए प्रति क्विंटल और २१ क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान की खरीदी की गई है। पिछले साल छत्तीसगढ़ में रिकार्ड १४९ लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई। इन ११ सालों में देश में जो बड़ा बदलाव आया है, उससे छत्तीसगढ़ सहित देश के प्रत्येक नागरिक का जीवन स्तर बेहतर हुआ है। पीएम आवास के जरिए गरीब परिवारों के घर का सपना पूरा हुआ। छत्तीसगढ़ में हमने सरकार गठन के दूसरे दिन ही पहली कैबिनेट में १८ लाख पीएम आवास को मंजूरी देकर मोदी जी के वायदे को पूरा किया है। प्रदेश में २६ लाख से अधिक पीएम आवास मंजूर किए जा चुके हैं। इनमें से १५ लाख ३८ हजार आवास बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि ५ लाख ६२ हजार भूमिहीन किसानों को भी हर साल १०-१० हजार रुपए की राशि हमारी राज्य सरकार दे रही है। किसान भाइयों के खाते में अब तक एक लाख करोड़ रुपए की राशि प्रेषित कर चुके हैं। डेढ़ साल पहले विधानसभा चुनावों में मोदी जी ने महतारी वंदन योजना के रूप में हर महीने एक-एक हजार रुपए माताओं-बहनों को देने की गारंटी दी थी। हमने यह वादा तीसरे महीने ही पूरा कर दिया और करीब ७० लाख माताओं-बहनों को हर महीने यह राशि दे रहे हैं। श्री सिंहदेव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार ने मोदीजी की अधिकांश बड़ी गारंटियों को पूरा कर कीर्तिमान स्थापित किया है, निसंदेह इसका श्रेय भी मोदीजी को है, जिनकी गारंटी पर जनता ने भरोसा कर हमें सेवा का अवसर दिया। आंतरिक सुरक्षा की सबसे बड़ी चुनौती माओवादी आतंक के खात्मे का मोदी जी और अमित शाह जी का संकल्प भी सिद्ध हो रहा है। छत्तीसगढ़ में बीते डेढ़ साल में ४२५ माओवादियों को न्यूट्रलाइज किया गया है। १३८८ माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं और १४४३ को गिरफ्तार किया गया है। नक्सल विरोधी अभियान में हमारे जवानों ने बसवराजू और सुधाकर जैसे बड़े नक्सलियों को न्यूट्रलाइज कर माओवाद की रीढ़ तोड़ दी है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी किसानों की आमदनी दुगुनी करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। छोटे और सीमांत किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत हर साल छह हजार रुपए की राशि दी जा रही है। छत्तीसगढ़ में २६ लाख किसान भाइयों को इस योजना का लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के रूप में किसानों को सुरक्षा कवर प्रदान किया। हमने तेंदूपत्ता संग्राहकों का संग्रहण पारिश्रमिक ४ हजार से बढ़ाकर साढ़े पांच हजार रुपए कर दिया। इस तरह मोदी जी की एक और गारंटी को हमने पूरा किया। हर घर स्वच्छ जल पहुंचाने के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी के विजन पर आधारित जल जीवन मिशन के लिए अब तक छत्तीसगढ़ को केन्द्र से ६,१७८.३३ करोड़ रूपए मिले है।श्री सिंह देव ने बताया की भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार के रास्ते बंद करने का काम किया है। कोयले के परिवहन की परमिट व्यवस्था को ऑनलाईन कर दिया है। इससे कोयला परिवहन में होने वाली धांधली रूकेगी तथा राजस्व का नुकसान कम होगा। आबकारी विभाग से जुड़ी लाइसेंस प्रक्रियाओं को ऑनलाईन किया है। प्रदेश में जेम पोर्टल के जरिए ही सरकारी विभागों में खरीददारी का नियम अनिवार्य रूप से लागू किया गया है। मोदी जी ने छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनावों के पूर्व युवाओं से पीएससी घोटाले के आरोपियों पर कार्रवाई का वायदा किया था। हम इस घोटाले की सीबीआई जांच कराकर इस परीक्षा को पारदर्शी बनाने के लिए कई कदम उठाए गए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने चौतरफा प्रगति की नयी कहानी लिखी है। ऐसी-ऐसी उपलब्धि हासिल की गयी है जिसकी इससे पहले कल्पना भी नहीं थी। श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण, अनुच्छेद ३७० को निष्प्रभावी किया जाना आदि दर्जनों उपलब्धियों का वर्णन इतिहास करेगा उन्होंने कहा कि नक्सलवाद पर मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति से बस्तर में तरक्की का नया सूर्योदय देखने को मिल रहा है। जहां कभी बंदूक की गोलियां गूंजती थी, वहां बस्तर पंडुम और बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजन विकास के प्रति लोगों की उम्मीद को जाहिर करते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश पिछले ११ वर्षो में विरासत के साथ विकास की यात्रा पर आगे बढ़ा है। अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर निर्माण के साथ महाकुंभ-२०२५ का अभूतपूर्व आयोजन भारतीय सनातन संस्कृति का जयघोष है। मोदी जी की सरकार ने केंद्रीय करों में राज्य का हिस्सा ३२ प्रतिशत से बढ़ा कर ४२ प्रतिशत किया, जिससे छत्तीसगढ़ में राजस्व में अब तक कुल ६२ हजार ५०९ करोड़ राशि की वृद्धि हुई है।श्री सिंहदेव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए छत्तीसगढ़ भी अहम भूमिका निभाएगा। इसके लिए हमने विजन डॉक्यूमेंट भी बनाया है। हम सब मोदी जी के नेतृत्व में एक ऐसा भारत बनाने जा रहे हैं, जहां प्रत्येक भारतवासी की विकास की आकांक्षा पूरी होगी।

प्रेस वार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी, कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक भूलन सिंह, विधायक शकुन्तला पोर्ते, पूर्व विधायक रजनी त्रिपाठी, प्रदेश मंत्री परमेश्वरी राजवाड़े, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भीमसेन अग्रवाल,निवृतमान जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष अजय गोयल ,रामकृपाल साहू, राजेश अग्रवाल, जिला मिडिया प्रभारी शशि तिवारी, शशिकांत गर्ग,संदीप अग्रवाल, राजेश्वर तिवारी, अजय अग्रवाल अरविंद मिश्रा मौजूद रहे।

योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य देन,इसे नियमित जीवन शैली में अपनाएं

००अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस.... योग सप्ताह का शुभारंभ
००विधायक व कलेक्टर ने किया सामूहिक योग अभ्यास

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जिले में १५ से २१ जून तक योग सप्ताह मनाया जा रहा है। नगर पालिका रंगमंच प्रांगण में सुबह ७ बजे योग सप्ताह का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विधायक भूलन सिंह मरावी एवं कलेक्टर एस. जयवर्धन ने योग गुरु के सान्निध्य में योगाभ्यास कर कार्यक्रम की शुरूआत की।

कार्यक्रम में शशिकांत गर्ग, अरविंद मिश्रा, राजेन्द्र प्रसाद पाठक, श्रीमती बेनेदिक्ता तिर्की उपसंचालक समाज कल्याण व अन्य जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे । सभी ने सामूहिक योगाभ्यास कर निरोग जीवन का संदेश दिया।इस अवसर पर विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य देन है। यह न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक और आत्मिक स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है। उन्होंने सभी नागरिकों से योग को नियमित जीवनशैली में अपनाने का आह्वान किया।कलेक्टर एस. जयवर्धन ने कहा कि योग न केवल रोगों से लड़ने की शक्ति देता है, बल्कि यह जीवन में अनुशासन, संतुलन और सकारात्मक ऊर्जा लाता है। उन्होंने योग सप्ताह कार्यक्रम के सम्बंध में प्रकाश डालते हुए बताया कि आज से २१ जून तक योग सप्ताह मनाया जा रहा है, जिसे सफल बनाने के लिए उन्होंने आमजन से कार्यक्रम मे उनकी सहभागिता प्रस्तुत करने की अपील की। उन्होंने आम नागरिकों को भी अपने स्तर पर योग का कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया है ताकि योग जन-जन तक पहुंच सके। योग सप्ताह के दौरान जिले के समस्त विकासखंडों, पंचायतों, स्कूलों, कॉलेजों और विभिन्न शैक्षणिक एवं तकनीकी संस्थानों में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष २०१५ में २१ जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया था। तब से प्रतिवर्ष विश्वभर में यह दिवस मनाया जा रहा है। इस वर्ष यह दिन एक दशक की उपलब्धि के रूप में विशेष महत्व रखता है।भारत सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस २०२५ के लिए थीम "एक पृथ्वी झ एक स्वास्थ्य के लिए योग" निर्धारित की गई है। यह विषय वैश्विक स्वास्थ्य, पर्यावरण संतुलन और जीवनशैली सुधार की दिशा में योग की भूमिका को रेखांकित करता है।

पुल पर हवा में लटका ट्रक, टला बड़ा हादसा

भैयाथान (अम्बिकावाणी समाचार)। प्रतापपुर-भैयाथान मुख्यमार्ग पर रेंङ नदी पुल की रेलिंग को तोड़ते हुए तेज रफ्तार ट्रक पुल में खड़ी हो गई। ट्रक का आधा हिस्सा हवा में रहा और दूसरा हिस्सा पुल की ओर था। बेकाबू ट्रक ने पुल के कई रेलिंग को क्षतिग्रस्त कर दिया। हादसे में किसी को भी चोट नहीं आई है। अगर ट्रक पुल से नीचे गिरी होती तो एक बड़ा हादसा हो सकता था। प्रतापपुर की ओर से ट्रक भैयाथान की ओर रविवार को दोपहर में आ रहा था इसी बीच भैयाथान में स्थित रेंण नदी पुल पर चालक का ट्रक से नियंत्रण हट गया।तेज रफ्तार ट्रक पुल के एक ओर की रेलिंग को तोड़ते हुए ट्रक रुक गया।ट्रक के बाएं ओर का हिस्सा पुल पर लटक रहा है।दुर्घटना ग्रस्त ट्रक को देखने बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। रेंण नदी पुल के टूटे हुए रेलिंग को समय रहते अगर ठीक नही कराया गया तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।क्यो कि हाइड्रो पॉवर प्लांट के द्वारा बिजली उत्पादन करने को लेकर रेंण नदी के पानी को डेम के सहारे रोक दिया गया है, जिससे नदी में पानी भरा हुआ है।टूटे हुए पुल के रेलिंग को ग्रामीणों ने तत्काल ठीक कराने की मांग प्रस-ासन से की है।

पीएम मोदी कनाडा समेत 3 देशों की यात्रा पर रवाना, जी-7 समिट में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली,15 जून (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज तीन देशों की पांच दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए. प्रधानमंत्री का सबसे पहले साइप्रस जाने का कार्यक्रम है. अपनी यात्रा के दौरान वह विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे. पीएम मोदी के इस दौरे में सबसे अहम कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन में शामिल होना है. पीएम मोदी ने रविवार को कहा कि कनाडा में आयोजित होने वाला जी-7 शिखर सम्मेलन महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों और ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं पर विचारों के आदान-प्रदान के लिए मंच प्रदान करेंगे. तीन देशों की अपनी यात्रा से पहले पीएम मोदी ने कहा कि वह कनानसकीस में शिखर सम्मेलन के दौरान साझेदार देशों के नेताओं के साथ बातचीत करने के लिए उत्सुक हैं. इसमें वह कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के निमंत्रण पर भाग ले रहे हैं. प्रधानमंत्री ने कहा कि इस यात्रा के दौरान वह आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में समर्थन देने वाले देशों को धन्यवाद देंगे. इसके साथ ही आतंकवाद को खत्म करने को लेकर आपसी समझ को बढ़ावा देने को लेकर प्रयास करेंगे. प्रधानमंत्री ने कहा कि वह राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के निमंत्रण पर 15-16 जून को साइप्रस की यात्रा करेंगे. साइप्रस भूमध्यसागरीय क्षेत्र और यूरोपीय संघ का एक करीबी मित्र और महत्वपूर्ण साझेदार है. साइप्रस के दौरे के बीच वह दोनों देशों के संबंधों को और प्रगाढ़ करने का प्रयास करेंगे.

पोषण भी पढ़ाई भीर अभियान के तहत तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

भैयाथान (अम्बिकावाणी समाचार)। कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देशन में "पोषण भी पढ़ाई भी" अभियान के अंतर्गत एकीकृत बाल विकास परियोजना भैयाथान के नगर पंचायत भटगांव में और भैयाथान के मंगल भवन में १२ जून से १४ जून तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर प्रशिक्षण दिया गया ।इसमें आंगनबाड़ी कार्यकताओं को विभागीय योजनाओं की जानकारी, उनके क्रियान्वयन में सुधार तथा शाला पूर्व शिक्षा को अधिक प्रभावशाली बनाने के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।भैयाथान कार्यक्रम में समन्वयक विनोद ने रजिस्टर, ब्रोशर की एंट्री एवं अनुश्रवण प्रक्रिया तथा पोषण ट्रैकर के उपयोग की जानकारी दी। परियोजना अधिकारी इमरान द्वारा पोषण ट्रैकर पर विशेष प्रशिक्षण व समीक्षा सत्र आयोजित किया गया।यूनिसेफ रायपुर से आए विशेषज्ञ रविन्द्र यादव ने ३ से ६ वर्ष के बच्चों के लिए शाला पूर्व शिक्षा को अधिक प्रभावी बनाने हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया। साथ ही पर्यवेक्षकों द्वारा प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न शैक्षणिक एवं व्यवहारिक गतिविधियों का आयोजन कर प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया।प्रशिक्षण कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकताओं को प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजन एवं पोषण ट्रैकर में बेहतर कार्य के लिए भटगांव में प्रत्येक सेक्टर से एक जबकि भैयाथान में दो उत्कृष्ट कार्यकताओं को प्रमाण पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया।